हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • बुधवार • 15.04.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 258 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

ईडी ने आई-पैक के डायरेक्टर विनेश चंदेल को गिरफ्तार किया

पश्चिम बंगाल : चर्चित कोयला घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने पॉलिटिकल कंसल्टेंट कंपनी आई-पैक के डायरेक्टर विनेश चंदेल को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत की गई है। आई-पैक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के लिए चुनाव मैनेजमेंट का काम देखती है। इससे पहले 2 अप्रैल को ईडी ने दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद में कंपनी के दफ्तरों पर छापेमारी की थी।

ओवरलोड वाहनों पर शुल्क वसूली के नए नियम आज से प्रभावी

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने देश के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर ओवरलोड वाहनों से शुल्क वसूली की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए नए नियम लागू किए हैं। ये संशोधित प्रावधान 15 अप्रैल से प्रभावी होंगे। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दर निर्धारण और संग्रहण) चौथा संशोधन नियम, 2026 अधिसूचित किया है। नए प्रावधानों के तहत 10 प्रतिशत तक अतिरिक्त भार पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। 10 से 40 प्रतिशत तक अतिरिक्त भार पर मूल दर का दो गुना शुल्क और 40 प्रतिशत से अधिक भार पर मूल दर का चार गुना शुल्क वसूला जाएगा।

नोएडा में श्रमिकों का बवाल जारी, कई जगह उग्र प्रदर्शन

नोएडा : जिला गौतमबुद्ध नगर में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर कई दिनों से चल रहा श्रमिकों का आंदोलन उग्र होता जा रहा है। मंगलवार 6वें दिन श्रमिकों ने नोएडा के कई इलाकों में पथराव और तोड़फोड़ कर बवाल किया। इसके साथ ही कई औद्योगिक इलाकों में फैक्टरियों के बाहर मजदूर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। तनाव के बीच तमाम औद्योगिक इकाइयों में कामकाज ठप है।

सीएम ने 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' का किया शुभारंभ

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंगलवार को रांची स्थित अपने आवासीय कार्यालय में 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' की औपचारिक शुरूआत की। इस अवसर पर गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा के महानिदेशक एमएस भाटिया ने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें प्रतीक स्वरूप बैज पहनाया। मुख्यमंत्री ने राज्य के अग्निशमन विभाग के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपदा की घड़ी में लोगों के जीवन और संपत्ति की रक्षा करने में इस विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विशेष रूप से विभाग के जवानों के साहस और समर्पण को रेखांकित किया। जागरूकता से होगा बचाव हेमन्त सोरेन ने 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' के तहत चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा आग जैसी आपदाओं से निपटने के लिए सतर्कता और जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। विभाग द्वारा आम जनमानस को अग्नि सुरक्षा के प्रति शिक्षित करने के प्रयास प्रशंसनीय हैं।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर बाबा साहेब को दी श्रद्धांजलि, कहा

'संविधान के मूल्यों को जीवन में उतारें'

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आज राजधानी रांची में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। डोरंडा स्थित अंबेडकर चौक पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे बाबा साहेब के आदर्शों से प्रेरणा लें और समाज में न्याय व समानता स्थापित करने में अपनी भूमिका निभाएं।

इस अवसर पर अंबेडकर चौक पर बड़ी संख्या में आम लोग और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिन्होंने बाबा साहेब के अमर नारों के साथ उन्हें याद किया।

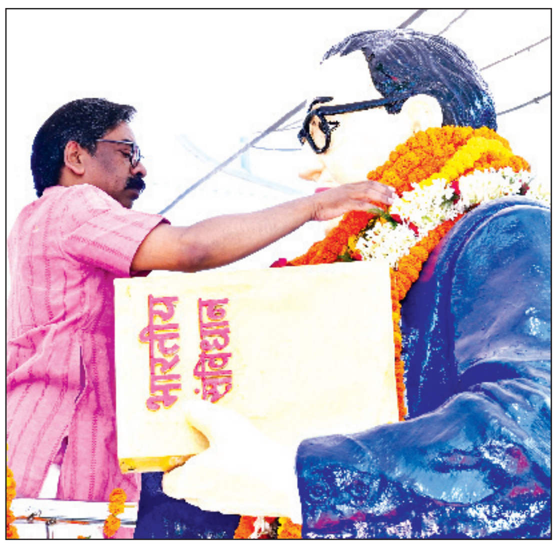

शोषितों और वंचितों के मसीहा थे बाबा साहेबः सीएम हेमन्त सोरेन

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने डॉ. अंबेडकर के योगदान को अविस्मरणीय बताते हुए कहा कि उनकी जयंती पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। मुख्यमंत्री ने बाबा साहेब को याद करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने अपना पूरा जीवन गरीब, पिछड़े और वंचित वर्गों के हक की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया। भारतीय लोकतंत्र में बाबा साहेब का स्थान सर्वोच्च है और पूरा देश उनके द्वारा निर्मित संविधान के प्रति नतमस्तक है।

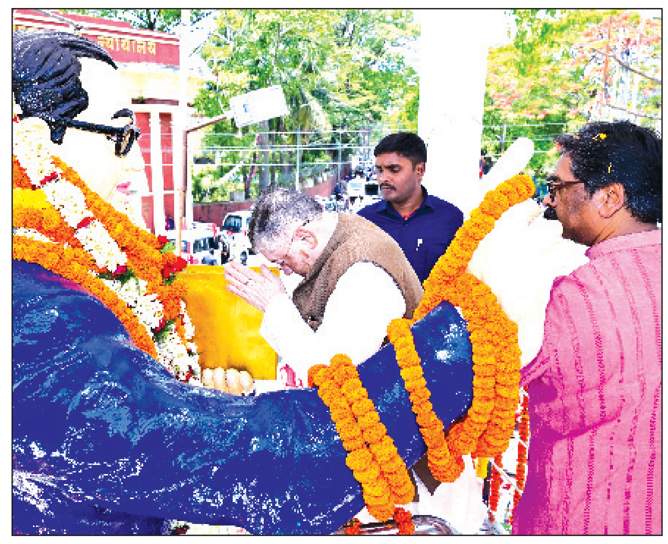

संविधान की मजबूती ही लोकतंत्र की ताकतः राज्यपाल

श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने डॉ. अंबेडकर को आधुनिक भारत का शिल्पकार बताया। उन्होंने कहा बाबा साहेब ने देश को समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर आधारित एक ऐसा मजबूत संविधान दिया, जिससे भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बना। राज्यपाल ने उनके जीवन को संघर्ष और संकल्प का उदाहरण बताते हुए कहा कि बाबा साहेब का मानना था कि शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि बाबा साहेब के विचारों को केवल याद न करें, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारकर एक समरस समाज का निर्माण करें।

वेदांता पावर प्लांट में विस्फोट 11 की मौत, कई घायल

एजेंसी

सक्ती : जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया, जब प्लांट के भीतर बॉयलर फटने से जोरदार विस्फोट हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में 30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो, जबकि 11 लोगों की मौत हो चुकी है। बताया जा रहा है कि हादसा दोपहर करीब 2 बजे हुआ, जब प्लांट में नियमित कार्य चल रहा था। अचानक हुए विस्फोट से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारी जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। हालांकि, प्रशासन की ओर से बयान आना बाकी है। सूचना मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस टीम मौके पर पहुंच रही है। साथ ही फायर ब्रिगेड और मेडिकल टीम भी मौके पर पहुंच रही है। हादसे के कारणों का फिलहाल स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है।

सीएम साय ने जताया दुख

सक्ती के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर ब्लास्ट की दुर्घटना पर मुख्यमंत्री ने गहरी संवेदना व्यक्त की और शोकाकुल परिजनों के साथ अपनी संवेदनाएं जताईं। उन्होंने जिला प्रशासन को राहत-बचाव कार्य तेज करने, घायलों के बेहतर उपचार और घटना की निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सीएम ने तपोवन मंदिर में की पूजा-अर्चना राज्य की खुशहाली की कामना की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सीएम हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने मंगलवार को रांची के निवारणपुर स्थित श्री राम जानकी तपोवन मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने राज्यवासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली और उन्नति की कामना की।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंदिर के निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य से जुड़े सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि श्री

राम जानकी तपोवन मंदिर न केवल आस्था का प्रमुख केंद्र है, बल्कि रांची की एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहर भी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मंदिर के रिनोवेशन और ब्यूटीफिकेशन का कार्य बड़े स्तर पर चल रहा है और इसमें राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर को भव्य और आकर्षक रूप देने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

'नीतीश युग' का अंत, अब 'सम्राट राज'

एजेंसी

पटना : बिहार की राजनीति में आज एक ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिला है। करीब दो दशकों तक सूबे की सत्ता संभालने वाले नीतीश कुमार के इस्तीफे के साथ ही राज्य में 'नीतीश युग' का समापन हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कद्दावर नेता सम्राट चौधरी को विधायक दल का नया नेता चुन लिया गया है, जो अब बिहार के नए मुख्यमंत्री के रूप में कमान संभालेंगे।

राजग की बैठक के बाद सम्राट चौधरी के नाम की औपचारिक घोषणा कर दी गई है। वे आज पटना स्थित लोकभवन में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। यह सत्ता परिवर्तन बिहार की सियासत में एक नए और आक्रामक दौर की शुरूआत माना जा रहा है।

मुंगेर के लखनपुर गांव में जन्मे सम्राट चौधरी को राजनीति विरासत में मिली है। उनके पिता शकुनी चौधरी समता पार्टी के दिग्गज नेता रहे हैं। 1999 में राबड़ी देवी की सरकार में सबसे कम उम्र के कृषि मंत्री बनकर उन्होंने सुर्खियां बटोरी थीं। 2018 में भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने संगठन और सत्ता में अपनी धाक जमाई। प्रदेश अध्यक्ष से लेकर उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री तक के सफर में उन्होंने खुद को भाजपा का सबसे भरोसेमंद चेहरा साबित किया।

गृह मंत्री के रूप में सम्राट चौधरी की पहचान एक सख्त प्रशासक की रही है। अपराधियों को उनका सीधा संदेश था- या तो अपराध छोड़ो या बिहार। उनके कार्यकाल में महिलाओं के लिए 'अभय ब्रिगेड' और 'पिंक पुलिसिंग' जैसी योजनाओं ने कानून-व्यवस्था को लेकर जनता में विश्वास जगाया।

शांति वार्ता विफल होने के बाद मोदी और ट्रंप के बीच '40 मिनट' लंबी मंत्रणा

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान-अमेरिका के बीच जारी गतिरोध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को टेलीफोन पर लंबी बातचीत की। करीब 40 मिनट तक चली इस बातचीत में दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय सुरक्षा, ऊर्जा सहयोग और वैश्विक शांति बहाली जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

यह बातचीत इसलिए बेहद अहम मानी जा रही है क्योंकि हाल ही में पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच हुई शांति वार्ता

किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी थी। लगभग 21 घंटे तक चली उस चर्चा के विफल होने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के रुख में तल्खी आई है। इस पृष्ठभूमि में पीएम मोदी के साथ उनकी यह बातचीत रणनीतिक रूप से काफी मायने रखती है।

होर्मुज की नाकाबंदी का असर : ईरान का रुख पड़ा नरम, अमेरिका भी पसीजा

एजेंसी

वाशिंगटन : अमेरिकी नौसेना की होर्मुज जलडमरूमध्य समेत ईरान के सभी बंदरगाहों की नाकाबंदी का असर दिखने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष विराम के इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता के विफल होने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा फैसला लिया। उन्होंने ईरान के सभी बंदरगाहों पर नाकाबंदी का ऐलान कर धमकी दी कि अगर इस क्षेत्र में कोई भी ईरानी जहाज पास आया तो उसे समुद्र में डुबो दिया जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, जिद पर अड़े ईरान का रुख नरम पड़ा है। इससे ट्रंप भी खुश हैं। अब दोनों

जल्द शुरू हो सकती है बातचीत

देशों के प्रतिनिधिमंडलों के गुरुवार को बातचीत हो सकती है।

अल जजीरा और फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि ईरान ने बातचीत करने की उत्सुकता जताई है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी कहा कि गेंद ईरान के पाले में है। अब निश्चिततौर पर को बड़ा समझौता हो सकता है। इस्लामाबाद में अमेरिका ने ईरान को 20 साल के लिए यूरेनियम संवर्धन पर रोक लगाने का प्रस्ताव दिया था। इसके जवाब में सोमवार को ईरान ने एक जवाबी प्रस्ताव दिया। इसमें उसने कहा कि 20 साल नहीं, बल्कि पांच साल का प्रस्ताव वह मानने को तैयार है।

देवघर पहुंचे केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव आचार्य देव का लिया आशीर्वाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : पश्चिम बंगाल चुनाव की सरगर्मी के बीच केंद्रीय मंत्री एवं चुनाव पर्यवेक्षक भूपेंद्र यादव मंगलवार को देवघर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे भी मौजूद रहे।

देवघर पहुंचते ही भूपेंद्र यादव सीधे सत्संग आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने आश्रम के आचार्य देव से मुलाकात की और उनसे लंबी बातचीत कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, चुनावी माहौल में धार्मिक स्थलों का दौरा और धर्मगुरुओं से मुलाकात को महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम माना जाता है। देवघर स्थित

सत्संग आश्रम में चुनाव के समय नेताओं का आना और आशीर्वाद लेना एक परंपरा के रूप में देखा जाता है।

गौरतलब है कि इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी सत्संग आश्रम पहुंचकर आचार्य देव से आशीर्वाद ले चुके हैं। ऐसे में भूपेंद्र यादव का यह दौरा राजनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सड़क, रेलवे व अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर देश की भाग्य रेखाएं होती हैं: मोदी

एजेंसी

देहरादून : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बहुप्रतीक्षित दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन करते हुए कहा कि सड़क, रेलवे और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर देश की भाग्य रेखाएं होती हैं और बीते एक दशक में भारत इनका व्यापक निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना उत्तराखंड के विकास को नई गति देने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के कई शहरों के लिए भी लाभकारी साबित होगी।

प्रधानमंत्री ने देहरादून में उद्घघाटन समारोह में कहा कि उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर 26वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इस अवसर पर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन राज्य की प्रगति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने अपने पूर्व कथन को दोहराते हुए कहा कि यह दशक उत्तराखंड का दशक होगा और डबल इंजन सरकार की नीतियों तथा राज्य के लोगों के परिश्रम से यह संभव होता दिख रहा है।

उन्होंने कहा कि यह आर्थिक गलियारा उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, बागपत, बड़ौत, शामली और सहारनपुर जैसे शहरों से होकर गुजरता है, जिससे इन क्षेत्रों को भी व्यापक लाभ मिलेगा। पर्यटन के दृष्टिकोण से इसे अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे देहरादून, हरिद्वार,

प्रधानमंत्री ने दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन किया

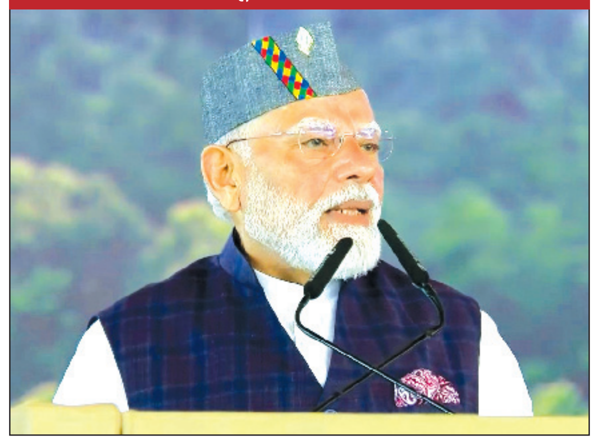

ऋषिकेश, मसूरी और चारधाम यात्रा को नई गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर को राष्ट्र के भविष्य से जोड़ते हुए कहा कि जैसे लोग हाथ की रेखाओं से भविष्य देखते हैं, वैसे ही किसी राष्ट्र की भाग्य रेखाएं उसकी सड़कें, हाई-वे, रेलवे, एयरवेज और वाटरवेज होती हैं। उन्होंने कहा कि ये केवल वर्तमान की सुविधाएं नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की समृद्धि की गारंटी हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 तक देश में इंफ्रास्ट्रक्चर पर सालाना खर्च 2 लाख करोड़ रुपये से कम था, जो अब बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। उत्तराखंड में ही सवा दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं पर काम जारी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले जहां गांवों में सड़कों के लिए पीढ़ियों तक इंतजार करना पड़ता था, वहीं अब सड़कें गांव-गांव तक पहुंच रही हैं और पलायन से खाली हुए गांव फिर से आबाद हो रहे हैं।

दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे के लाभ गिनाते हुए उन्होंने कहा कि इससे यात्रा समय छह घंटे से घटकर लगभग ढाई घंटे रह जाएगा। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि ईंधन की खपत कम होगी और परिवहन लागत भी घटेगी। करीब 12,000 करोड़ रुपये की लागत से बने इस प्रोजेक्ट ने हजारों लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है और किसानों की उपज तेजी से बाजारों तक पहुंच सकेगी।

प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर देते हुए कहा कि देवभूमि की पवित्रता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने पर्यटकों और श्रद्धालुओं से अपील की कि वे प्राकृतिक स्थलों को स्वच्छ रखें और प्लास्टिक तथा कचरे से इन क्षेत्रों को प्रदूषित न करें।

उन्होंने कहा कि अगले वर्ष हरिद्वार में कुंभ का आयोजन होना है, जिसे दिव्य, भव्य और स्वच्छ बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर डॉ. अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी सरकार संविधान की भावना को सशक्त करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद पूरे देश में एक संविधान लागू हुआ है और कई नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी अब शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

एक नजर

किरायेदार की पूरी जानकारी रखें और थाना को भी बताएं : थाना प्रभारी

बरही : बरही थाना के थानाप्रभारी पुलिस निरीक्षक विनोद कुमार ने बरही थाना क्षेत्र में किराएदार के रूप में रह रहे लोगों की पूरी जानकारी रखने की हिदायत दी है। थाना प्रभारी ने मकान मालिकों से जिनके घर पर किराएदार के रूप में 20 वर्ष से 35 वर्ष के युवा रह रहे हों उनकी जानकारी थाना से साझा करने की अपील की है। थानाप्रभारी ने कहा है कि बरही में बहुत से नये मकान बने हैं जिनमें किराएदार रह रहे हैं। उनकी स्पष्ट जानकारी मकान मालिक के पास नहीं है तो इसकी जानकारी थाना को दें। थाना प्रभारी ने कहा है कि किराएदार के रूप में 20 से 35 वर्ष के युवा अपनी पहचान छुपा कर रह रहे हैं। किराएदार क्या काम करते हैं, किस उद्देश्य से किराए पर रह रहे हैं यह मकान मालिक को पता नहीं है तो इसकी जानकारी थानाप्रभारी के मोबाइल फोन पर अवश्य दें। थानाप्रभारी ने कहा कि मकान मालिक द्वारा दी गई जानकारी गुप्त रखी जाएगी। पुलिस को सपोर्ट करने पर अपराध नियंत्रण में सफलता मिलने की संभावना बढ़ जाएगी।

युगद्रष्टा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती समारोह का हुआ आयोजन

हजारीबाग : झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ हजारीबाग इकाई ने मंगलवार को संघ भवन में डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाया। बाबा साहब अंबेडकर जयंती सह वैचारिक संगोष्ठी की अध्यक्षता अध्यक्षता झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के कार्यकारी महासचिव रविंद्र चौधरी व संचालन जिला संयोजक प्रकाश कुमार ने किया। कार्यक्रम में अजक्षा के राज्य सलाहकार धीरज कुमार, राजेन्द्र कुमार दास, अनिल कुमार, डॉक्टर सुनील यादव व पंकज कुमार त्यागी ने बाबा साहब के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को रेखांकित किया। आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने किया। कार्यक्रम में जिला कार्यकारणी व शिक्षक समुदाय से इस समारोह में संघ के जिला सचिव रविन्द्र चौधरी, कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार,संयुक्त सचिव बिनोद कुमार दास,परितोष झा,अशोक राम,राजेश रंजन, रूपम कुमारी,महेंद्र राम,मनोज कुमार,राजेन्द्र कुमार दास, संजय रजक,अनिल रजक,टीपू सुल्तान,रंजीत कुमार,आदित्य कुमार,शैलभ कुमार दास,काली चरण राम,सुनील सिंह,अनिल कुमार, दिनेश साहू,मो.एजाज, डॉ सुनील कुमार यादव,मो.नौसाद, मनोज कुमार दास, मोनू लाल गुप्ता, डॉ प्रमोद कुमार, रंजीत रविदास,पंकज कुमार, शिव कुमार प्रसाद, अरुण कुमार दास, देवेंद्र कुमार, संजय चन्द्र, मो.फैयाज, दिनेश कुमार, संतोष कुमार, अनुज कुमार, रविकांत ओम, राजा राम रवि, सुनील रजक,सुरेश प्रसाद, किशोर कुमार, बमबम कुमार, नवीन कुमार,आशीष कुमार यादव, यमुना राम,बसन्त राम, विजय कुमार दास, वरीय शिक्षक धीरज कुमार, पुलिस मेंस एसोशिएसन से उपेंद्र नाथ मिश्रा, भीखू पासवान,महेंद्र राणा, राजकुमार दास सहित सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे।

सलगांवा पंहुचे सांसद मनीष जायसवाल, बेटियों को दिया लहंगा, बाबा साहेब की प्रतिमा में किया माल्यार्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमदाग प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सलगावां में संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। उक्त अवसर पर स्थानीय तालाब के समीप स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा स्थल पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल पहुंचे और माल्यार्पण कर उन्हें भावपूर्ण नमन किया। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों की थाप और फूल-मालाओं के साथ सांसद का जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया। बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सदर विधायक कार्यकाल के दौरान ही इस महत्वपूर्ण प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण का कार्य विधायक निधि की राशि से संपन्न हुआ था, जिसे आज इस भव्य रूप में देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने बाबा साहेब के अतुलनीय योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके विचार हमें समता, न्याय और समान अधिकारों की राह पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। सांसद ने युवाओं और ग्रामीणों से बाबा साहेब के मूल मंत्र शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो को आत्मसात करने की अपील की। उन्होंने सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र और समाज के उत्थान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। सांसद मनीष जायसवाल ने ग्राम सलगावां की पांच बेटियों को उनके शादी से पूर्व आकर्षक लहंगा भेंट कर शादी की अग्रिम बधाई व शुभकामनाएं दी । मौके पर विशेषरूप से भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष टुन्नु गोप, वरिष्ठ भाजपा नेता के.पी. ओझा, टोनी जैन, हजारीबाग सांसद प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष इन्द्रनारायण कुशवाहा, कटकमदाग सांसद प्रतिनिधि मिथिलेश यादव, राणा राहुल प्रताप सिंह, महेश प्रसाद, नवल किशोर, लोकसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

वेक्टर क्लासेस में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई गई

बरही : बरही में स्थित वेक्टर क्लासेस में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती बड़े श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकों एवं छात्रों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान उनके जीवन संघर्ष, सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण एवं भारतीय संविधान निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। संस्थान के निदेशक दीपक गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब के आदर्शों पर चलकर ही समाज में शिक्षा, समानता और न्याय की भावना को सशक्त बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं- सोनम कुमारी, रानी कुमारी, सिंपी मिश्रा, सेजल केसरी, मिक्का कुमार, बादल कुमार, अनामिका कुमारी, दीपा कुमारी, खुशबू कुमारी, काजल कुमारी, प्रियंका कुमारी, कार्तिक कुमार एवं अन्य ने बारी-बारी से अपने विचार प्रस्तुत किए और बाबा साहेब के सिद्धांतों को अपनाने की बात कही। इस मौके पर शिक्षक दामोदर शर्मा, ज्योति कुमारी एवं रोशन आलम सहित कई छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय में मनाई गई डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती

बरही : स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय बरही में स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय संचालन समिति की ओर से डॉ भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती एवं पार्श्व गायिका आशा भोसले की निधन पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार दत्त एवं संचालन सचिव संजय दुबे ने किया। स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो हीरामन साव, ट्रस्ट के सचिव कृष्णा प्रजापति एवं उपाध्यक्ष महेंद्र प्रसाद दुबे मुख्य रूप से मौजूद रहे। सभी ने डॉ भीमराव अंबेडकर एवं एवं दिवंगत आशा भोसले के चित्र पर पुष्प अर्चन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। मौके पर स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय संचालन समिति के पाठ्यक्रम प्रभारी सतेंद्र कुमार शर्मा ने बना साहब की जीवनी एवं उनके बताए गए मार्ग का अनुसरण पर जोर दिया।

पेलावल विकास मंच ने बाबा साहेब अंबेडकर को किया याद

हजारीबाग : पेलावल दक्षिणी स्थित पीवीएम प्रधान कार्यालय में दलित, शोषित, पिछड़ी एवं देश के तमाम गरीब गुरबाओं के मसीहा सह संविधान निमार्ता बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती मनाई गई। उपस्थित सदस्यों, अंबेडकर टोली के युवक गण एवं संत लूसेंट पब्लिक स्कूल के वरिष्ठ छात्र-छात्राओं द्वारा बारी-बारी से बाबा जी को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया गया। मंच के अध्यक्ष एम.हक भारती ने अंबेडकर जी की जीवनी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन मंच के उपाध्यक्ष सुधीर ठाकुर ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से चंद्रशेखर शर्मा, ऐनुल हक, मुन्ना पासवान, उगन ठाकुर, मंजीत कुमार, करण कुमार,राहुल कुमार एवं इंजमामुल हक भारती उपस्थित थे।

बाबा साहेब की 135 वीं जयंती पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत विजैया पंचायत के गुड़ियो बैंक मोड़ पर संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर की 135 वीं जयंती पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति अध्यक्ष मो कयूम एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि मो मंसूर, पूर्व मुखिया दशरथ यादव एवं मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन रविदास शामिल हुए। वहीं कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों ने बारी - बारी से बाबा साहब के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित एवं माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया। इस दौरान अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति अध्यक्ष मो कयूम ने कहा कि बाबा साहेब ने वंचितों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने भारतीय संविधान का निर्माण किया, जो आज कई देशों के लिए आदर्श बना हुआ है। साथ ही कहा कि बाबा साहेब के तीन प्रमुख सिद्धांत शिक्षा, संघर्ष और संगठित होना, आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका मानना था कि उन तीनों के बल पर कोई भी वर्ग समाज की मुख्यधारा से वंचित नहीं रह सकता। मौके पर रामकिशुन ठाकुर, कार्तिक पासवान, मुंशी पासवान, डीलो पासवान, सुखदेव यादव एवं महेश रविदास समेत दर्जनों अन्य लोग मौजूद थे।

भाजपा बड़कागांव मंडल के कार्यकर्ताओं ने श्रद्धापूर्वक मनाई बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

बड़कागांव : भारतीय जनता पार्टी, बड़कागांव मंडल मंडल अध्यक्ष शिव शंकर उर्फ.शिबू मेहता के नेतृत्व में संविधान निमार्ता, भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती अत्यंत गौरव और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, मंडल के पदाधिकारियों और कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित एवं माल्यार्पण कर की गई। कार्यकताओं ने ₹बाबा साहेब अमर रहें₹ के नारों के साथ उनके योगदान को याद किया। पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने डॉ. अम्बेडकर के जीवन संघर्ष और उनके द्वारा रचित संविधान के महत्व पर प्रकाश डालें। डॉ. भीमराव अम्बेडकर, जिन्हें हम सादर 'बाबा साहब' के नाम से जानते हैं, का जीवन केवल एक व्यक्ति की गाथा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के लिए न्याय और आत्मसम्मान का मार्ग है। मंडल अध्यक्ष शिबू मेहता ने कहा कि बाबा साहेब ने समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान और समानता का जो सपना देखा था, उसे पूरा करने के लिए भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ₹पंचतीर्थ₹ के माध्यम से उनके विचारों को धरातल पर उतार रही है। उपस्थित सभी ने एक स्वर में बाबा साहेब के बताए 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

भामाशाह विद्यालय में मनाई गई भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

बरही : बरही के गया रोड़ स्थित भामाशाह विद्यालय में सोमवार को विद्यालय के बंदना सभागार में बाबा भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।इस अवसर पर प्राचार्य जूली जी ने कहा कि बाबा साहब हमें समानता का अधिकार दिया। हमें उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज को बेहतर बनाना चाहिए। धीरज जी ने कहा कि डा अम्बेडकर को संविधान के निमार्ता कहा जाता है। उनका मानना था कि शिक्षा ही वह साधन है,जिससे समाज में बदलाव लाया जा सकता है। सुनीता जी ने कहा कि डॉ अंबेडकर ने समाज मे फैली जाति-प्रथा और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई। उनके विचार आज भी हमें प्रेरित करते हैं। उनका प्रसिद्ध नारा था ₹शिक्षित बनो,संगठित रहोऔर संघर्ष करो। राजू जी ने कहा कि हमें उनके जीवन से सीख लेनी चाहिए कि चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ आए,हमें अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटना चाहिए।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई

बड़कागांव : बड़कागांव थाना स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल बडकागांव में डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई, जिसकी अध्यक्षता मॉडर्न पब्लिक स्कूल के प्राचार्य मोहम्मद इब्राहिम एवं संचालन कुलदीप कुमार ने किया। मौके पर प्राचार्य मोहम्मद इब्राहिम ने डॉ भीमराव अंबेडकर के फोटो पर माल्यार्पण कर के किया और उनके जीवन के बारे में बच्चों को मार्गदर्शित किए प्राचार्य कहा कि जब कोई इंसान इस पृथ्वी पर पैदा होता है तो गांव ,समाज और देश के कुछ ना कुछ करना चाहिए। जिस तरह से डॉ भीमराव अंबेडकर ने भारत का संविधान लिखकर भारत को दिया उसे भूलाया नहीं जा सकता है।

ग्रामीणों ने दिखाई एकजुटता की मिसाल श्रमदान कर 2 किमी लंबी सड़क बनाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के कांडतरी पंचायत अंतर्गत के ग्रामीणों ने एकजुट की मिसाल दिखाई है। ग्रामीणों के द्वारा 2 किलोमीटर से अधिक लंबी सड़क श्रमदान कर बनाई जा रही है। जिसमें कांडतरी ग्राम के ट्रैक्टर मालिकों का अहम सहयोग है। श्रमदान से बनाई जा रही सड़क निर्माण कार्य को लेकर बड़कागांव प्रखंड के उप प्रमुख वचन देव कुमार ने बताया कि कांडतरी पुल से लेकर शमशान घाट कांडतरी तक लगभग 2 किलोमीटर से अधिक लंबी सड़क श्रमदान कर ग्रामीणों के सहयोग से निर्माण कार्य किया जा रहा है। ग्रामीणों के द्वारा रेबीज,मिट्टी मोरम डालकर सड़क बनाकर सुधार किया जा रहा है,जिससे अब आवागमन काफी सुगम हो जाएगा। इस सड़क की हालत इतनी खराब थी कि गांव में वाहनों का आना-जाना काफी मुश्किल हो गया था। खासकर बीमार लोगों को अस्पताल ले जाने में भारी परेशानी करना पड़ता था। वही बच्चों को स्कूल जाने में लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। इस सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण हो जाने से अब ग्रामीणों को काफी राहत मिलेगगी।बताया गया कि यह कार्य सामूहिक प्रयास से न सिर्फ समस्या का समाधान होगा। बल्कि क्षेत्र में एक जुटता का भी संदेश गया है स्थानीय लोगों ने इस सराहनीय पहल के लिए उप प्रमुख प्रतिनिधि और सभी सहयोगियों के प्रति आभार जाता है। गढ़वाल एवं पक्की सड़क निर्माण की मांग ग्रामीणों ने सरकार से सड़क की पक्कीकारण करने की मांग किया है। और साथी साथ नदी तट उत्तर दिशा की ओर गढ़वाल निर्माण की मांग की है। सड़क की पक्की करण हो जाने से आवागमन आसान होगा एवं किसानों की व्यापार में वृद्धि होगी तथा बच्चों को विद्यालय तक पहुंचने में कम समय लगेगा।इससे सुरक्षित तवागमन सुनिश्चित होगा। ग्रामीणों के द्वारा यह कार्य क्षेत्र की प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। सहयोग करने में मुख्य रूप से उप प्रमुख वचन देव कुमार, विश्वकर्मा पूजा समिति सचिव बिनेश कुमार दांगी , मुरली महतो, रंजीत कुमार रंजन एवं बसंत बहार, भोला महतो सहित दर्जनों ग्रामीण शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

खून से लिखी इंसानियतः समय पर रक्तदान से पत्रकार की पत्नी की बची जान

हजारीबाग : शहर में मानवता और संवेदनशीलता की एक प्रेरणादायक मिसाल सामने आई है। वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र राणा की पत्नी को अचानक रक्त की आवश्यकता पड़ने पर समाजसेवी और पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए समय पर रक्त उपलब्ध कराकर उनकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पत्रकार रविंद्र राणा की पत्नी की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद चिकित्सकों ने तुरंत ब्लड की आवश्यकता बताई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए परिजन चिंतित हो उठे। इसी दौरान समाजसेवी अभिषेक कुमार को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही अभिषेक कुमार ने बिना विलंब किए अपनी टीम को सक्रिय किया और रक्त की व्यवस्था सुनिश्चित करने में जुट गए। उनके प्रयास से टीम के सदस्य अजय कुमार तत्काल अस्पताल पहुंचे और समय पर रक्त उपलब्ध कराया, जिससे मरीज की स्थिति में सुधार हुआ। इसी क्रम में जब यह जानकारी हजारीबाग एसडीपीओ कार्यालय में तैनात पुलिसकर्मी अजय सिंह को मिली, तो उन्होंने भी मानवीय पहल करते हुए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया। उनके इस सराहनीय कदम से मरीज को समय पर आवश्यक रक्त मिल सका। समय पर मिली इस सहायता से एक बड़ा संकट टल गया और परिजनों ने राहत की सांस ली। परिवार के सदस्यों ने समाजसेवी अभिषेक कुमार, अजय कुमार एवं पुलिसकर्मी अजय सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके इस कार्य को मानवता की सच्ची मिसाल बताया। अभिषेक कुमार ने कहा कि जरूरतमंदों की मदद करना उनका मुख्य उद्देश्य है और भविष्य में भी वे इसी प्रकार सेवा कार्यों में सक्रिय रहेंगे। मुश्किल समय में बढ़े मदद के हाथ यह साबित करते हैं कि समाज में आज भी इंसानियत जिंदा है।

सीओ का सख्त रुख, गैस वितरण में लापरवाही पर चेतावनी, सुधार के निर्देश

चौपारण : प्रखंड क्षेत्र में उपभोक्ताओं की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। इसी क्रम में अंचलाधिकारी संजय कुमार यादव ने देविशिका एचपी गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान सीओ ने एजेंसी की कार्यप्रणाली, गैस सिलेंडर वितरण व्यवस्था एवं सुरक्षा मानकों का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने वितरण प्रक्रिया, उपभोक्ताओं को मिलने वाली सुविधाओं और सुरक्षा उपायों की स्थिति का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर मौजूद उपभोक्ताओं से सीओ ने सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। कई उपभोक्ताओं ने गैस वितरण में देरी और अन्य असुविधाओं की शिकायत की, जिस पर सीओ ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित कर्मियों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। अंचलाधिकारी संजय कुमार यादव ने एजेंसी संचालकों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धारित नियमों और सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना एजेंसी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाई जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस निरीक्षण के बाद क्षेत्र के उपभोक्ताओं में यह उम्मीद जगी है कि अब गैस एजेंसी की सेवाओं में सुधार देखने को मिलेगा।

सिकरी के नया टोली में सड़क दे रहा है खतरे को दावत, प्रतिदिन गुजरती हैं कई स्कूल बसें

बड़कागांव : प्रखंड अंतर्गत सिकरी पंचायत के नया टोली स्थित पुलिया के पास जर्जर रोड खतरे को दावत दे रहा है। पिछले बरसात के दिनों में भारी बारिश के कारण, पानी के तेज बहाव में गार्डवाल बह गया। सड़क के निचले हिस्से में लगभग तीन से चार फीट मिट्टी का कटाव हो गया है । यह सड़क पिछले आठ महीनों से जर्जर अवस्था में है, हमेशा खतरे को दावत दे रही है। इसी मार्ग से कई प्राइवेट स्कूल के बसे का भी आवागमन होता है। ऐसी स्थिति में लोगों को संभल कर चलने की आवश्यकता है, कभी भी बड़ी घटना घट सकती है। ग्रामीणों ने शीघ्र मरम्मत की मांग मामले को लेकर स्थानीय ग्रामीणों रोष व्याप्त है, करते हुए कहा कि प्रशासन को पिछले आठ महीनों से समस्या की जानकारी होने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। हम लोगों ने जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मांग की है जल्द से जल्द शीघ्र इसकी मरम्मत कराई जाए ।ताकि स्कूली बच्चों और आम नागरिकों की जान सुरक्षित रह सके।

चलकुशा में धूमधाम से मनाई गई डॉ भीम राव अंबेडकर जयंती

चलकुशा : प्रखंड मुख्यालय परिसर में डॉ.भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान जिला परिषद सदस्य सविता सिंह, मुखिया प्रतिनिधि रामजीत रजक,अशोक दास, वासुदेव दास,भोला दास,राम प्रसाद राम सहित अन्य गणमान्य लोगों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उपस्थित वक्ताओं ने डॉ. अम्बेडकर के विचारों और उनके द्वारा किए गए सामाजिक एवं संवैधानिक योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। वहीं वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर का जीवन संघर्ष, समानता और न्याय का प्रतीक है, जिससे समाज को आज भी प्रेरणा मिलती है।इस मौके पर प्रखंड क्षेत्र के काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

एक नजर

भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर का 135वां जन्मोत्सव मनाया गया

रांची : अनगड़ा (रांची) के सिरका गांधी ग्राम मैदान में परम पूज्य भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी का 135वाँ जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खिजरी विधायक श्री राजेश कच्छप जी रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षाविद् डॉ. रिझु नायक जी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजय नायक जी ने की, जबकि संचालन अजय उरांव जी ने कुशलतापूर्वक किया। मुख्य अतिथि श्री राजेश कच्छप जी ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा वह दूध है, जिसे ग्रहण करने वाला व्यक्ति आगे चलकर दहाड़ने वाला शेर बन जाता है। उन्होंने याद दिलाया कि 100 वर्ष पहले पिछड़े वर्ग को मंदिर जाने, स्कूल पढ़ने और स्वतंत्र जीवन जीने का भी अधिकार नहीं था। आज भी कुछ लोग मनुवादी मानसिकता के कारण संविधान को मानने से इनकार करते हैं, जो देश की सबसे बड़ी दुर्दशा है। उन्होंने समाज को बाबा साहब के मंत्र से प्रेरित करते हुए ह्लशिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करोह्व का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. रिझु नायक जी ने कहा कि हर अभिभावक को अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि ह्लअपने बच्चों को पढ़ाने के लिए अगर जमीन, घर, मोबाइल या बर्तन बेचने पड़ें, तो बेच दो, लेकिन बच्चों को अच्छी शिक्षा जरूर दिलाओ।

आजसू ने अंबेडकर जयंती पर आयोजित किए कार्यक्रम

रांची : ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) ने राज्यभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई और उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो रांची, बुंडू, सोनाहातु, सिल्ली और खिजरी में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए और बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित जयंती समारोह में उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने देश के सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देने वाला संविधान देकर ऐतिहासिक योगदान दिया है। सुदेश महतो ने कहा कि संविधान सभा के सदस्यों के विचारों को एक सूत्र में पिरोकर बनाया गया संविधान आज पूरे विश्व में एक मिसाल के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि इस संविधान ने नए भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है और बाबा साहब के विचार सामाजिक न्याय की अवधारणा के पथप्रदर्शक हैं।

मारवाड़ी सम्मेलन ने सर्राफ को किया सम्मानित

रांची : अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन और झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ने सामाजिक कार्यकर्ता संजय सर्राफ को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में कई समाजसेवा, संगठनात्मक मजबूती और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। इस दौरान मारवाड़ महोत्सव के सफल आयोजन एवं मीडिया क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका के लिए संजय सर्राफ की सराहना की गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री डॉ संजय हरलालका (कोलकाता) और पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने संयुक्त रूप से अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह और पौधा भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने संजय सर्राफ के सामाजिक समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। मौके पर सुरेश चंद्र अग्रवाल, विनोद कुमार जैन, ओम प्रकाश अग्रवाल, सुभाष पटवारी, सज्जन पाड़िया सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

अग्निशमन सेवा सप्ताह पर राज्यपाल संतोष गंगवार ने की जागरूकता बढ़ाने की अपील, कहा

आपदा और आपातकालीन परिस्थितियों में अग्निशमन कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को रांची स्थित लोक भवन में महानिदेशक, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवाएं एमएस भाटिया ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर उन्हें बैज पहनाया गया।

इस मौके पर राज्यपाल ने अग्निशमन सेवाओं की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आपदा और आपातकालीन परिस्थितियों में अग्निशमन कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि ये कर्मी अपने साहस, कर्तव्यनिष्ठा और तत्परता से जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। राज्यपाल ने अग्निशमन सेवा सप्ताह के माध्यम से आम लोगों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे सुरक्षा उपायों के प्रति सजग रहें और आपदा से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाएं।

इस अवसर पर अग्निशमन विभाग द्वारा चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियानों की भी जानकारी दी गई, जिनका उद्देश्य लोगों को आग से बचाव और आपातकालीन स्थिति में सही कदम उठाने के प्रति जागरूक करना है।

राज्यपाल से नव नियुक्त कुलपति प्रोफेसर सरोज शर्मा ने की मुलाकात

रांची : राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को रांची विश्वविद्यालय की नवनियुक्त कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

राज्यपाल ने कहा कि वे उच्च शिक्षा में गुणात्मक विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि रांची विश्वविद्यालय राज्य का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है। उन्होंने यह भी कहा कि वे चाहते हैं कि राज्य में उच्च शिक्षा का ऐसा वातावरण स्थापित हो, जिससे अन्य राज्यों के विद्यार्थी भी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित हों तथा यहां के विश्वविद्यालयों की गणना राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट संस्थानों में हो।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ अनुशासन, शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर भी बल दिया।

रांची विश्वविद्यालय की नई कुलपति डॉ. सरोज शर्मा ने संभाला पदभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय की नवनियुक्त कुलपति डॉ. सरोज शर्मा ने मंगलवार को अपना कार्यभार ग्रहण करने के बाद विश्वविद्यालय परिसर स्थित परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट्स विभाग में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की पावन धरती पर आकर वे स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही हैं और अपने कार्यों की शुरूआत उनके आशीर्वाद से करना उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने इसे अपने नए दायित्व के लिए संकल्प और ऊर्जा देने वाला क्षण बताया। इसके बाद वे परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट्स विभाग पहुंचीं, जहां उन्होंने एक बार फिर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय की डिप्टी डायरेक्टर (वोकेशनल) डॉ. स्मृति सिंह ने अन्य शिक्षकों के साथ कुलपति का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। साथ ही उन्हें भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा भेंट की गई।

कार्यक्रम के क्रम में कुलपति लॉ डिपार्टमेंट (आईएलएस) भी पहुंचीं, जहां उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत का समतामूलक समाज, सशक्त संविधान और सफल लोकतंत्र बाबा साहेब की अमूल्य देन है। उनके विचारों और कार्यों के कारण ही देश अपने लोकतांत्रिक मूल्यों पर गर्व करता है और हम सभी उनके प्रति सदैव ऋणी रहेंगे।

कुलपति ने सभी को बाबा साहेब की जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आईएलएस विभाग का संविधान से विशेष संबंध है, इसलिए आने वाले वर्षों में 14 अप्रैल को डॉ. अंबेडकर की जयंती को और अधिक गरिमा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा।

बिरसा मुंडा और डॉ. अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

अंबेडकर जयंती पर रुडसेट संस्थान सिल्ली में विशेष कार्यक्रम आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने उनके संदेश शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो को आत्मनिर्भरता और कौशल विकास से जोड़ते हुए बताया कि शिक्षा और कौशल ही समाज में समानता और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षणार्थियों ने डॉ. अंबेडकर के आदर्शों पर चलने तथा स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया। संस्थान प्रबंधन ने बताया कि रूडसेट का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है। अंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम सामाजिक समानता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के संदेश को आगे बढ़ाने का प्रेरणादायक प्रयास रहा। मौके पर रूडसेट संस्थान के वरिष्ठ संकाय अनिल कुमार , जगदीश चंद्र महतो, दशरथ कुमार, महेश रोहिदास, मौसमी गोराई,सुनील मुंडा उपस्थित रहे।

लोजपा (रामविलास) ने मनाई डॉ. अंबेडकर जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) की झारखंड प्रदेश इकाई ने मंगलवार को निवारणपुर स्थित पार्टी कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष बीरेन्द्र प्रधान ने किया।

इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके आदर्शों को याद किया। मौके पर बीरेन्द्र प्रधान ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के दिखाए मार्ग पर चलते हुए राम विलास पासवान ने अपने जीवनकाल में वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के

अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष किया और सामाजिक न्याय की लड़ाई को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि चिराग पासवान आज उनके अधूरे सपनों को साकार करने और सामाजिक समरसता, समानता व न्याय के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में उमेश तिवारी, आदित्य विजय प्रधान, रतन पासवान, उत्तम राय, शिव, हाफिजुल हसन, हरि राम, ममता रंजन सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके विचारों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

जैक ने जारी किया 11वीं का रिजल्ट 99.12 प्रतिशत परीक्षार्थी हुए पास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने मंगलवार को कक्षा 11वीं की परीक्षा 2026 का परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित कर दिया। परीक्षा का आयोजन राज्यभर में 25 फरवरी से 28 फरवरी 2026 के बीच किया गया था। परिणाम की घोषणा जैक के अध्यक्ष डॉ। नटवा हांसदा ने परिषद मुख्यालय, रांची में की। इस मौके पर परिषद के सचिव, परीक्षा नियंत्रक और वरिष्ठ सूचना पदाधिकारी भी मौजूद थे।

इस साल कक्षा 11वीं का परिणाम काफी बेहतर रहा। कुल 3,61,683 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ था, जिनमें से 3,58,533 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए। इनमें से 3,55,399 विद्यार्थियों को प्रोन्नत किया गया। इस तरह कुल पास प्रतिशत 99।12 रहा, जो पिछले साल के मुकाबले अधिक है। पिछले साल यह आंकड़ा करीब 98% था।

जैक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस बार सभी जिलों और विभिन्न डिवीजनों में छात्रों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा है। अधिकांश विद्यालयों में रिजल्ट बेहतर रहा, जिससे शिक्षा व्यवस्था में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। उच्च पास प्रतिशत से छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों में उत्साह का माहौल है।

परिणाम जारी करते हुए जैक अध्यक्ष डॉ। नटवा हांसदा ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। साथ ही उन्होंने परीक्षा के सफल संचालन में जिला शिक्षा पदाधिकारियों, स्कूल प्राचार्यों और परीक्षा कर्मियों के योगदान की सराहना की।

अध्यक्ष ने उन छात्रों को भी प्रोत्साहित किया जो किसी कारणवश कम अंक ला पाए हैं या परीक्षा में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि ऐसे विद्यार्थियों के लिए आगे भी अवसर उपलब्ध रहेंगे और उन्हें निरंतर मेहनत करते रहना चाहिए। जैक ने यह भी संकेत दिया है कि कक्षा 8वीं और 9वीं के परिणाम इसी सप्ताह जारी किए जा सकते हैं। वहीं मैट्रिक (10वीं) और इंटरमीडिएट (12वीं) के परिणाम अगले सप्ताह घोषित होने की संभावना है।

रांची की कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारे में मनाया गया 'खालसा सजना दिवस', 18-19 को कीर्तन दरबार का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के रातु रोड स्थित कृष्णा नगर कॉलोनी के गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा में मंगलवार को खालसा साजना दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष दीवान सजाया गया, जिसकी शुरूआत सुबह हजूरी राजी जत्था भाई महिपाल सिंह जी द्वारा आसा दी वार के कीर्तन से हुई।

कीर्तन के दौरान उन्होंने ह्लखालसा मेरो रूप है खास देह सिवा बरु मोहि इहै और ह्लवाहो वाहो गोबिंद सिंह आपे गुर चेला जैसे शबदों का गायन कर संगत को गुरबाणी से जोड़ा। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण भक्तिमय बना रहा और संगत ने श्रद्धापूर्वक कीर्तन का श्रवण किया।

गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेन्दर सिंह जी ने कथा वाचन करते हुए बताया कि वर्ष 1699 में बैसाखी के दिन श्री केशगढ़ साहिब, आनंदपुर में दशमेश पिता श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। उन्होंने पांच प्यारों को अमृत छकाकर खालसा की नींव रखी और स्वयं भी उनसे अमृत ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि यह घटना सिख इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है।

कार्यक्रम के अंत में श्री आनंद साहिब के पाठ, अरदास, हुकुमनामा और कढ़ाह प्रसाद के वितरण के साथ विशेष दीवान का समापन हुआ। सत्संग सभा के अध्यक्ष अर्जुन देव मिड्ढा और सचिव सुरेश मिड्ढा ने संगत को खालसा साजना दिवस की बधाई दी। मंच संचालन मनीष मिड्ढा ने किया। गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा और गुरु नानक सेवक जत्था के संयुक्त तत्वावधान में बैसाखी एवं श्री गुरु अंगद देव जी महाराज के प्रकाश पर्व के अवसर पर 18 और 19 अप्रैल को दसवां महान कीर्तन दरबार आयोजित किया जाएगा।

इससे पहले 17 अप्रैल को कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा साहिब से दर्शन दिउड़ी गेट तक भव्य नगर कीर्तन निकाला जाएगा। इसमें पांच निशानची और पांच प्यारों की अगुवाई में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की सवारी पूरे क्षेत्र में भ्रमण करेगी। नगर कीर्तन के दौरान कीर्तन मंडली शबद गायन करेगी और विभिन्न स्थानों पर संगत द्वारा स्वागत किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

रांची में मनाई गई डॉ. अंबेडकर जयंती संविधान के मूल्यों पर चलने का आह्वान

रांची : रांची में भारतीय एकता कमेटी और एकता भाईचारा पार्टी के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को करबला टैंक रोड स्थित मुख्य कार्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके विचारों और योगदानों को याद किया गया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने भारतीय संविधान की महत्ता और बाबा साहेब के संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड संख्या 16 के पार्षद सह वार्ड 17 के पार्षद प्रतिनिधि मोहम्मद सलाउद्दीन (संजू) और वार्ड संख्या 15 के पार्षद प्रतिनिधि गुलाम सरवर रिजवी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में डॉ. अंबेडकर के जीवन संघर्ष और उनके द्वारा निर्मित संविधान के महत्व को रेखांकित किया। साथ ही युवाओं से शिक्षा ग्रहण कर देश और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने देश के महान नेताओं के त्याग और बलिदान को याद करते हुए लोगों से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। अन्य वक्ताओं ने भी सामाजिक समानता, शिक्षा और संविधान के महत्व पर विस्तार से अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में सचिव रामेश्वर राम ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर मनोज राम, मोहम्मद वसीम, मोहम्मद उमर, मोहम्मद अशफाक, मोहम्मद यूनुस सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सेल सैटेलाइट कॉलोनी में हर्षोल्लास के साथ मनाई गयी अंबेडकर जयंती

रांची : सेल रांची इकाइयों ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाई गई। कर्मचारीगण सपरिवार सेल सैटेलाइट कॉलोनी स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा स्थल पर एकत्रित हुए और राष्ट्र एवं मानवता के प्रति उनके योगदान को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को कार्यपालक निदेशकों एस. के. वर्मा, एस. के. कर, श्री दीपक जैन एवं श्री संजय धर ने संबोधित किया। सभी निदेशकों ने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे डॉ. अंबेडकर की शिक्षाओं और मूल्यों को अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में अपनाएं। कार्यक्रम की शुरूआत भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर को पुष्प अर्पित कर उनके राष्ट्र के प्रति अतुलनीय योगदान को श्रद्धांजलि दी गई। एस. जे. जाचुक, सीजीएम (एचआर) ने स्वागत भाषण दिया, जबकि एस. के. मेहर, एजीएम (सीईटी) ने कार्यक्रम का संचालन किया। जे. एन. हेम्ब्रम, जीएम (एमटीआई) एवं पी. के. होरो, डीजीएम (एचआर) एवं लायसन अधिकारी (एससी/एसटी) ने बाबा साहेब के जीवन एवं शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। जयप्रकाश, ऐ.जी.एम. (एम.टी.आई.) ने धन्यवाद ज्ञापन दिया. इस अवसर पर सेल के एससी/एसटी कर्मचारी कल्याण संघ (सेवा) द्वारा भी अपने कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

राजभवन पहुंचा भाजपा का शिष्टमंडल राज्यपाल से की सीबीआई जांच की मांग

रांची : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में कथित पेपर लीक का मामला अब गरमाता जा रहा है। मंगलवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में पार्टी के एक उच्चस्तरीय शिष्टमंडल ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से लोक भवन में मुलाकात की और इस प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

बजरंग बली के जयकारों से गुंजयमान रहा श्री श्याम मंदिर

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 199 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया राम सिया राम सिया राम जय जय राम के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मण्डल के प्रचार मंत्री रोहित अग्रवाल ने अखण्ड ज्योति एवं पूजन के सभी कार्य सम्पन्न करवाएं। सुनील मोदी ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। सुनील मोदी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया । श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित भक्तजनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी महाराज की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुन: श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया उपाध्यक्ष अशोक लड़िया महामंत्री गौरव अग्रवाल कोषाध्यक्ष मनोज खेतान कार्यकारिणी प्रचार मंत्री रोहित अग्रवाल सदस्य स्नेह पोद्दार रिषभ कुमार हर्ष कृष्णा अंकित कुमार आदि भक्त उपस्थित थे ।उपरुक्त सभी जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

एक नजर

बहादुरपुर में शॉर्ट सर्किट से कच्चे मकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत नावाडीह 1 पंचायत के ग्राम बहादुरपुर मे एक कच्चा मकान में मंगलवार दोपहर में अचानक आग लग गई। इस आग लगी से लाखों रुपये का नुकसान हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार बिजली की शॉट सर्किट से अचानक धुआं निकलने लगा घरवाले देखकर घबरा गए और हो हल्ला किया। इसके बाद आस - पास के लोग इकट्ठा हुए और पड़ोस के मकान के छत पर चढ़ कर किसी तरह से आग को बुझाया गया तब तक सबकुछ जलकर राख हो गया। गृहस्वामी मसोमत गीता देवी पति स्व. विनोद राणा ने बताया कि मेरा कच्चा मकान हीं है जो की आज आग लग गई। अब हमलोग को रहने के लिए कोई ठिकाना नहीं है ।मेरे पति का निधन पूर्व में हीं हो गया है। मेरा एक पुत्र का दिमागी हालत ठीक नहीं है। छोटा पुत्र सरकारी स्कूल में पढ़ाई करता है। आगे उन्होंने बताया कि पीएम आवास के लिए कई बार आवेदन दिए लेकिन मुझे आवास का लाभ नहीं मिला है।

चंदवारा में ट्रक ने बाइक सवार युवक को रौंदा, हालत नाजुक

चंदवारा : चंदवारा थाना क्षेत्र के मदनगुंडी के पास मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। पिपराडीह रेलवे रैक साइडिंग की ओर जा रहे एक अनियंत्रित 12 चक्का ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार युवक को अपनी चपेट में ले लिया। इस टक्कर में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। रिश्तेदार के घर से लौट रहा था युवक प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल युवक की पहचान पीयूष कुमार यादव उम्र 25 वर्ष (पिता: बीरेंद्र यादव) के रूप में हुई है, जो हजारीबाग जिले के बरही थाना अंतर्गत ग्राम हेराल का निवासी है। बताया जा रहा है कि पीयूष चंदवारा के घोड़वाटांड़ में अपने एक रिश्तेदार के घर आया हुआ था। मंगलवार को जब वह वापस अपने घर लौट रहा था, तभी मदनगुंडी के समीप तेज रफ्तार ट्रक (संख्या: जेएच 12 डी 4274) ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पीयूष की मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने उसकी स्थिति को नाजुक बताया है।

झुमरी तिलैया में नारी शक्ति का भव्य प्रदर्शन

कोडरमा : झुमरी तिलैया के शिव वाटिका में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन ऐतिहासिक और अत्यंत प्रेरणादायक रहा। कार्यक्रम में उमड़ी महिलाओं की भारी भीड़ ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब नारी केवल सहभागिता नहीं, बल्कि नेतृत्व की भूमिका में आगे बढ़ रही है। पूरा परिसर नारी शक्ति राष्ट्र शक्ति के नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कोडरमा की सांसद सह केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं विशिष्ट अतिथि कोडरमा विधायक नीरा यादव ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रेया केडिया ने की, जबकि मंच का सशक्त और प्रभावशाली संचालन जूही दास गुप्ता एवं रूही संघई ने संयुक्त रूप से किया, जिससे पूरे आयोजन में ऊर्जा और अनुशासन बना रहा। मुख्य अतिथि अन्नपूर्णा देवी ने अपने जोशीले संबोधन में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण की नई क्रांति है।

पतरातू में बड़ी साजिश नाकाम, राहुल दुबे गैंग के दो बदमाश हथियार संग गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातू : पुलिस ने एक बड़ी आपराधिक साजिश को समय रहते विफल करते हुए राहुल दुबे गैंग के दो सक्रिय सदस्यों को अवैध हथियारों और गोलियों के साथ गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में दोनों आरोपियों को पतरातू थाना क्षेत्र के हेसला स्थित टाइप-2 काली मंदिर मैदान के पास दबोचा गया। पुलिस के अनुसार आरोपी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे।पुलिस अधीक्षक अजय कुमार को 13 अप्रैल की रात करीब 8:30 बजे सूचना मिली कि राहुल दुबे गैंग के सदस्य हेसला इलाके में हथियारों के साथ घूम रहे हैं और किसी गंभीर अपराध की तैयारी कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातू गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। इसके बाद सभी थाना और ओपी प्रभारियों को अलर्ट करते हुए क्षेत्र में तत्काल एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कई स्थानों पर सघन जांच शुरू की। चेकिंग अभियान के दौरान हेसला स्थित टाइप-2 काली मंदिर मैदान के पास एक बाइक पर सवार दो संदिग्ध युवकों को रोका गया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम करण करमाली और शिवम मिश्रा उर्फ शिवम आनंद उर्फ नंदु बताया। तलाशी लेने पर पुलिस को करण करमाली के कमर से 7.65 एमएम का लोडेड देशी पिस्टल मिला। हथियार को अनलोड करने पर उसमें से तीन जिंदा गोलियां बरामद हुईं। वहीं बाइक के पीछे टंगे बैग की तलाशी लेने पर 9 एमएम का लोडेड देशी कार्बाइन बरामद किया गया, जिसमें दो जिंदा गोलियां मौजूद थीं। पुलिस ने मौके से बाइक भी जब्त कर ली। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे राहुल दुबे गैंग के लिए काम करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 4 अप्रैल 2026 को पतरातू स्थित ओसम डेयरी प्लांट में हुई गोलीबारी की घटना में भी उनकी संलिप्तता थी। इस खुलासे के बाद पुलिस मामले की कड़ियों को जोड़कर गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश में जुट गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह गिरफ्तारी क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों के खिलाफ बड़ी सफलता है और इससे संगठित अपराध पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। इस मामले में पतरातू थाना कांड संख्या 91/26 दर्ज किया गया है। आरोपियों पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं तथा आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। गिरफ्तार आरोपियों में करण करमाली, निवासी हेसला (स्थायी पता साड़म, गोला) तथा शिवम मिश्रा उर्फ नंदु, निवासी जनता नगर टाइप-1 पतरातू (स्थायी पता नवीनगर, औरंगाबाद) शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से 9 एमएम कार्बाइन, दो जिंदा कारतूस, 7.65 एमएम देशी पिस्टल, तीन जिंदा गोलियां तथा हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल जब्त की है। कई थाना प्रभारियों ने संभाली मोर्चा छापेमारी अभियान में पतरातू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के साथ पतरातू, भदानीनगर, भुरकुंडा, गोला, बासल, बरकाकाना सहित कई थाना और ओपी की पुलिस टीम शामिल रही। तकनीकी शाखा और सशस्त्र बल ने भी कार्रवाई में अहम भूमिका निभाई।

फर्जी स्कॉर्ट सर्विस गिरोह का पदार्फाश कोडरमा पुलिस ने दो ठगों को दबोचा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा पुलिस ने फर्जी कॉल गर्ल्स स्कॉर्ट सर्विस के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि बेकोबार निवासी अनिल पंडित लोगों से स्कॉर्ट सर्विस के नाम पर ठगी कर रहा है। सूचना के आधार पर विशेष टीम का गठन कर छापेमारी की गई, जिसमें अनिल पंडित और मंटु कुमार पंडित को भागने के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि वे फर्जी वेबसाइट बनाकर लोगों को लड़की की फोटो दिखाते थे और बुकिंग के नाम पर क्यूआर कोड के जरिए पैसे मंगवाते थे। पैसे मिलने के बाद मोबाइल बंद कर देते थे। पुलिस ने दोनों के पास से कई मोबाइल फोन, सिम कार्ड और एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। इस गिरोह में अन्य 7 लोगों के शामिल होने की भी जानकारी मिली है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। इस मामले में कोडरमा थाना में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही।

मंदिर चोरी का 24 घंटे में खुलासा, दो नाबालिग निरुद्ध, नगदी व औजार बरामद

कोडरमा : तिलैया थाना क्षेत्र के मडुआटांड स्थित मंदिर में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन कर दिया। मामले में दो विधि विरुद्ध बालकों को निरुद्ध किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 13 अप्रैल 2026 को शंकुतला देवी द्वारा मंदिर में चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान विश्रामबाग मौजा के पास रेलवे ट्रैक किनारे संदिग्ध अवस्था में घूम रहे दो किशोरों को पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों ने मंदिर की दानपेटी तोड़कर पैसे चोरी करने की बात स्वीकार की। उन्होंने बताया कि चोरी के पैसे आपस में बांट लिए थे और दानपेटी को रेलवे लाइन के पास फेंक दिया था। पुलिस ने दोनों के पास से कुल 1495 रुपये नगद और एक लोहे का रॉड बरामद किया है।

डोमचांच में अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई

कोडरमा : भारत रत्न संविधान शिल्पकार बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की 135 वीं जयंती सुदूरवर्ती इलाका डोमचांच प्रखंड के पारहो पंचायत के अंबेडकर नगर में सम्मानित ग्रामीणों की उपस्थिति में बड़े धूमधाम हर्षोल्लास से मनाया गया तथा बाबा साहेब के संविधान मूलक समता मूलक न्याय पिछड़ों के अधिकार उनकी नीतियां एवं देश के प्रति उनके योगदानों को ग्रामीणों के बीच रखा गया। इस कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी कोडरमा के जिला उपाध्यक्ष सह विधानसभा प्रभारी अनंत कुमार मेहता की विशिष्ट उपस्थिति में हुई एवं बाल गोविंद पांडे, वीरेंद्र साव दिनेश यादव पंचायत समिति के गरिमामयी उपस्थिति रही कार्यक्रम की अध्यक्षता सुदामा दास जी एवं संचालन पिंटू दास जी के द्वारा किया गया।

कटिया बस्ती में बाबा साहब को शत-शत नमन, 135वीं जयंती पर उमड़ा जनसैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातू : कटिया बस्ती के पंचायत भवन एवं पीटीपीएस अंबेडकर मैदान में भारत रत्न और संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पूरे सम्मान, उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं की भागीदारी रही। कार्यक्रम ने सामाजिक समरसता, शिक्षा और न्याय के संदेश को नई ऊर्जा प्रदान की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी शामिल हुए। उन्होंने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों को याद किया। समारोह की अध्यक्षता भाजपा युवा नेता सह मुखिया किशोर कुमार महतो ने की, जबकि संचालन भाजपा युवा मोर्चा पतरातू मंडल अध्यक्ष गणेश कुमार ठाकुर ने किया। सभा स्थल पर उपस्थित लोगों ने बाबा साहब अमर रहें और जय भीम के नारों के साथ वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया। अपने संबोधन में विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। उन्होंने कठिन सामाजिक परिस्थितियों और भेदभाव के दौर में भी हार नहीं मानी तथा शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर दुनिया को अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

धर्मनिरपेक्ष भारत को बचाये रखना अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि : साजिद हुसैन लल्लू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : भारत रत्न डॉ० भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर दलित शोषण मुक्ति मंच द्वारा परियोजना बालिका उच्च विद्यालय के समीप अम्बेडकर पार्क में बाबा साहेब की प्रतीमा पर माल्यार्पण किया गया। इससे पूर्व कोडरमा बाजार से एक डीएसएमएम के बैनर तले एक जुलूस भी निकाला गया। जिसमें बाबा साहेब अमर रहे, भारत का संविधान जिन्दाबाद, संविधान व लोकतंत्र पर हमला बंद करो, धर्मनिरपेक्ष भारत की रक्षा करो आदि गगनभेदी नारे लगाए जा रहे थे। इस अवसर पर दलित शोषण मुक्ति मंच के जिलाध्यक्ष दिनेश रविदास की अध्यक्षता में हुए संगोष्ठी सभा में नगर पंचायत कोडरमा के अध्यक्ष साजिद हुसैन उर्फ लल्लू ने कहा कि बाबा साहेब के द्वारा संविधान की रचना न होती तो आज भारत भारत नहीं होता। समाज में समरसता के लिए धर्मनिरपेक्ष को बचाये रखना और समाज की रक्षा करना डॉ० अम्बेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। किसान सभा के प्रदेश अध्यक्ष असीम सरकार ने बाबा साहेब के मूल सिद्धांत शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो के रास्ते पर चलने का आह्वान किया. सीटू के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश ने आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों के उत्पीड़न को रोकने के लिए बनी यूजीसी एक्ट को लागू करने की मांग की। कार्यक्रम में दलित शोषण मुक्ति मंच के जिला सचिव शंभु पासवान, संतोष पासवान, अरूण कुमार, गणेश कुमार, दिनेश कुमार दास, संतोष चंद्रवंशी, बिरेन्द्र राम, तानेश्वर राम, बाबूलाल पासवान, डालेश्वर राम, मनोज पासवान, शैलेन्द्र कुमार, सहदेव दास, उपेन्द्र पासवान, जितेंन्द्र चंद्रवंशी, छोटू दास, सुरेश राम, सियाराम, सुनील कुमार, रंजीत राम, बिरेंद्र पासवान सहित अनेकों लोग मौजूद थे।

रामगढ़ में अपराध पर कड़ा प्रहार, डीआईजी की सख्त समीक्षा बैठक के बाद पुलिस को मिले 14 बड़े निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र हजारीबाग के पुलिस उप-महानिरीक्षक अंजनी कुमार झा ने मंगलवार को रामगढ़ पुलिस कार्यालय पहुंचकर जिले में संगठित अपराध, फायरिंग, आगजनी, पोस्टरबाजी और रंगदारी से जुड़े मामलों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में लंबित कांडों की प्रगति, फरार अपराधियों की गिरफ्तारी, जेल से बाहर आए आरोपियों की गतिविधियों और पुलिस कार्रवाई की स्थिति पर गंभीर मंथन हुआ। समीक्षा के बाद जिले की पुलिस को अपराध नियंत्रण के लिए 14 अहम निर्देश दिए गए। रामगढ़ पुलिस कार्यालय पहुंचने पर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार और पतरातू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव गोस्वामी ने पुष्पगुच्छ देकर डीआईजी अंजनी कुमार झा का स्वागत किया। इसके बाद अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में रामगढ़ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी और अनुसंधानकर्ता मौजूद रहे। डीआईजी ने जनवरी 2026 से अब तक संगठित आपराधिक गिरोहों द्वारा की गई फायरिंग, आगजनी, धमकी भरे कॉल, पोस्टरबाजी और रंगदारी से जुड़े मामलों की कांडवार समीक्षा की। उन्होंने हर लंबित केस की स्थिति जानी और जांच में तेजी लाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन अपराधियों की सूची पर भी चर्चा हुई, जो जेल से बाहर आ चुके हैं या जमानत पर रिहा हैं। उनके खिलाफ की गई निगरानी, डोजियर, सीसीए और अन्य कानूनी कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। डीआईजी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि यदि किसी व्यवसायी, ठेकेदार या संवेदक को किसी गिरोह द्वारा धमकी दी जाती है, तो थाना स्तर पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए। मामले को हल्के में न लेते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अपराधियों को स्थानीय स्तर पर सूचना देने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ भी विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। अपराध नियंत्रण के लिए सभी थाना और ओपी प्रभारियों को प्रतिदिन अलग-अलग स्थानों और समय पर एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाने का आदेश दिया गया। इसकी प्रविष्टि रक्षक ऐप में दर्ज करने को भी कहा गया। साथ ही आसूचना तंत्र को मजबूत करने, फरार आरोपियों को साक्ष्य के आधार पर गिरफ्तार करने और न्यायिक हिरासत में भेजने के निर्देश दिए गए। डीआईजी ने संगठित अपराध से जुड़े आरोपियों के खिलाफ कुर्की-जप्ती की कार्रवाई तेज करने को कहा। जेल में बंद अपराधियों पर सीसीए के तहत निरुद्ध कार्रवाई करने तथा जेल से बाहर आए अपराधियों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखने का आदेश दिया गया। उन्होंने ई-प्रिजन पोर्टल के माध्यम से अपराधियों की वर्तमान स्थिति पर लगातार नजर रखने और आवश्यक कानूनी कदम उठाने को कहा।

संक्षिप्त खबरें

अग्निशमन सेवा दिवस पर जिंदल स्टील में सम्मान और सुरक्षा का संकल्प

पतरातू : जिंदल स्टील पतरातू परिसर में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस श्रद्धा, सम्मान और सुरक्षा संकल्प के साथ मनाया गया। वर्ष 1944 के ऐतिहासिक बॉम्बे डॉक विस्फोट में शहीद हुए वीर अग्निशमन कर्मियों की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत फायर सर्विस ध्वज के ध्वजारोहण से हुई। इसके बाद महाप्रबंधक सह फैक्ट्री प्रबंधक संतोष कुमार, विभागाध्यक्षों और कर्मचारियों ने शहीद अग्निशमन कर्मियों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन भी रखा गया। पूरे परिसर में अनुशासन, सम्मान और सुरक्षा के प्रति जागरूकता का माहौल देखने को मिला। उपस्थित लोगों ने वीर अग्निशमन कर्मियों के साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा को याद किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि अग्निशमन कर्मी अपने प्राणों की परवाह किए बिना दूसरों की जान-माल की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। उनका त्याग और बहादुरी समाज के लिए प्रेरणा है। ऐसे वीरों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम सुरक्षा के नियमों का पालन करें और दुर्घटनाओं को रोकने में अपनी भूमिका निभाएं। इस अवसर पर राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह 2026 की थीम — सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा जागरूक समाज अग्नि रोकथाम के लिए एक साथ — के अनुरूप विशेष अभियान की शुरूआत की गई। प्रबंधन ने बताया कि 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इसके तहत स्कूलों, अस्पतालों और आवासीय क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा से जुड़ी जानकारी दी जाएगी तथा लोगों को आपदा से बचाव के उपाय सिखाए जाएंगे।

पीवीयूएनएल पतरातू में अंबेडकर जयंती का हुआ आयोजन

पतरातू : पीवीयूएनएल पतरातू परिसर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस सभागार में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पूरे उत्साह, गरिमा और श्रद्धा के साथ मनाई गई। समारोह में सामाजिक समरसता, शिक्षा, समानता और सेवा का संदेश प्रमुख रूप से उभरकर सामने आया। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक प्रतिनिधियों, महिला समिति के सदस्यों तथा छात्राओं की प्रेरणादायक भागीदारी ने आयोजन को विशेष बना दिया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि ए.के. सहगल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीवीयूएनएल, विशिष्ट अतिथि मनोज अगरिया, प्रदेश अध्यक्ष झारखंड आदिम जनजाति विकास समिति, रेनू सहगल, अध्यक्ष स्वर्णरेखा महिला समिति तथा अन्य अतिथियों द्वारा डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई। सभागार में उपस्थित सभी लोगों ने बाबा साहब के योगदान को नमन करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। समारोह को संबोधित करते हुए मनोज अगरिया ने डॉ. अंबेडकर के संघर्षमय जीवन, शिक्षा के प्रति उनके समर्पण और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए किए गए ऐतिहासिक कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहब केवल संविधान निमार्ता ही नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के महानायक थे, जिनकी सोच आज भी समाज को दिशा देती है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए.के. सहगल ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन हमें सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की प्रेरणा देता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से समाज के जरूरतमंद और कमजोर वर्गों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। रेनू सहगल ने अपने वक्तव्य में डॉ. अंबेडकर द्वारा महिलाओं को दिए गए अधिकारों और उनके सम्मानजनक योगदान को याद किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित कस्तूरबा विद्यालय पतरातू की छात्राओं को शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

मरकच्चो में बढ़ी निगरानी, हाथियों को जंगल लौटाने बंगाल से आई विशेष टीम

मरकच्चो : प्रखंड क्षेत्र में हाथी के बढ़ते मानव हाथी द्वंद्व को कम करने को लेकर मरकच्चो क्षेत्र में वन विभाग के द्वारा पहल तेज हो गई है। पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा से विशेष प्रशिक्षित टीम को बुलाई गई है, जो भटके हुए हाथियों को सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर वापस भेजना और उन्हें सही रास्ता दिखाने का कार्य करेंगे। वन विभाग के सहयोग से पहुंची यह टीम हाथियों की गतिविधि पर लगातार नजर रख रही है। टीम के सदस्य पटाखे ,ढोल नगाड़ों और अन्य पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ आधुनिक तकनीक का उपयोग कर हाथियों को आबादी वाले क्षेत्र में दूर करने का प्रयास कर रहे हैं ।वन अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से तीन हाथियों का झुंड गांव को समीप देखा जा रहा है जिससे लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। कई स्थानों पर फसलों को नुकसान तो कहीं हाथी मानव का द्वंद में मानव की मौत हो जाने को देखते हुए वन विभाग ने त्वरित कार्य करते हुए विशेषज्ञ टीम को बुलाया है। अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों के नजदीक न जाए और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान ना दें। रात के अंधेरे में न निकलें। हांथी को छेड़े नही व फोटो खींचने की कोशिश न करें। साथ ही टीम के साथ सहयोग करने और सतर्क रहने की भी सलाह दी है। इससे उम्मीद की जा रही है कि मानव हाथी संघर्ष में कमी आएगी और लोगों के साथ-साथ वन्य जीवों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। इस मौके पर प्रधान वनरक्षक अभिमन्यु कुमार, देवनारायण दास, अनिल कुमार साव, संतोष कुमार, सुनील कुमार दास समेत कई बनकर्मी उपस्थित थे।

भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाया गया

कोडरमा : झुमरी तिलैया के बिशुनपुर रोड स्थित हॉली चाइल्ड स्कूल में मंगलवारा को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े धूमधाम से मनाया गया। स्कूल के निदेशक नवनीत ओझा बंटी और प्रिंसिपल प्रियंका ओझा सहित सभी शिक्षक और बच्चों ने बाबासाहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवनीत ओझा और प्रियंका ओझा ने डॉ. अंबेडकर के प्रसिद्ध नारे शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो को दोहराया। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान प्रदान किया और समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा तथा सम्मान का अधिकार देकर सशक्त बनाया` कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने बाबा साहेब के दिए हुए आदर्शो को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया` इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक गोपाल जी पांडे, शौर्य चौधरी, अभिषेक पांडे, प्रदीप कुमार, सलमान, शिक्षिका सीमा सिंह, मुस्कान सिन्हा, साध्वी पांडे, काजल कुमारी, आकांक्षा कुमारी, प्रीति कुमारी, नीतू कुमारी, रुखसाना, माधवी मिश्रा सहित स्कूल के छात्र - छात्राएं मौजूद थे।

आजसू पार्टी ने मनाई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती, श्रद्धांजलि सभा में गूंजे समानता के संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को चांडिल प्रखंड अंतर्गत भुइयांडीह में आजसू पार्टी द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं, स्थानीय ग्रामीणों एवं गणमान्य लोगों ने भाग लेकर बाबा साहेब को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का नेतृत्व आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो एवं वरिष्ठ नेता घासीराम लायक ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान का निर्माण कर देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक आधार प्रदान किया। उन्होंने समाज के वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनके विचार आज भी समाज में समानता, न्याय और भाईचारे की स्थापना के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। नेताओं ने यह भी कहा कि बाबा साहेब का जीवन हमें शिक्षा, संगठन और संघर्ष के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त कर एक समतामूलक समाज की स्थापना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम के दौरान "भीमराव अंबेडकर अमर रहे" एवं "संविधान निर्माण अमर रहे" जैसे नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा, जिससे कार्यक्रम में जोश और उत्साह का माहौल बना रहा। इस अवसर पर ग्राम प्रधान बहादुर लायक, आजसू केंद्रीय महासचिव सत्यनारायण महतो, प्रोफेसर रविशंकर मौर्या, दुर्गा चरण महतो, जीतू राम महतो, पुलक सथपति, नंदन कुंज पात्र, प्रवीण महतो, गौरीशंकर लायक, भोलानाथ महतो, बासुदेव प्रमाणिक, गोपेश महतो, अरुण महतो, कमलाकांत दास, तुलसी महतो, राजीव महतो, राजकिशोर महतो, बिजय मोदक, भुवन लोहार, दिलीप दास सहित अन्य कई कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

स्टील प्लांट में बाबा साहेब अंबेडकर जयंती पर आयोजित विविध कार्यक्रम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भारत रत्न एवं भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर बोकारो स्टील प्लांट द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा, सम्मान एवं सामाजिक समरसता का वातावरण देखने को मिला। प्रातःकाल सेक्टर-4ऊ स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर बीएसएल के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने अधिशासी निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधकों एवं अन्य वरीय अधिकारियों के साथ माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मियों ने बाबा साहेब के आदर्शों, विचारों एवं मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा सामाजिक न्याय, समानता एवं बंधुत्व की भावना को सुदृढ़ करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम के दौरान निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने बाबा साहेब के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं उनके अमूल्य योगदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षा, सामाजिक सुधार एवं संविधान निर्माण के क्षेत्र में उनके ऐतिहासिक योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि बाबा साहेब के विचार आज भी समाज को दिशा प्रदान करते हैं और उनके आदर्श एक सशक्त एवं समावेशी भारत के निर्माण के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। संध्या में बोकारो क्लब में एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

छात्राओं के बीच पहुंचे उपायुक्त साथ किया भोजन, बढ़ाया मनोबल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो के चास स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में उपायुक्त अजय नाथ झा समेत अन्य पदाधिकारियों ने छात्राओं के साथ भोजन किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से संवाद स्थापित कर उनके अनुभव, पढ़ाई और दैनिक जीवन से जुड़ी बातों को जाना।

विद्यालय जीवन की यादें साझा कर किया प्रेरित

उपायुक्त ने अपने विद्यालय जीवन की एक रोचक घटना साझा करते हुए बताया कि उनके स्कूल में एक बार माननीय मुख्यमंत्री का आगमन हुआ था। उस दौरान जब मा. मुख्यमंत्री ने उनसे किसी असुविधा के बारे में पूछा, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था कि यहां एक ही असुविधा है कि यहां ज्यादा सुविधाएं हैं। इस प्रसंग के माध्यम से उन्होंने छात्राओं को बताया कि परिस्थितियां चाहे जैसी हों, संकल्प और मेहनत ही सफलता की कुंजी है।

विद्यालय के दिनों को याद कर दिया संदेश

उन्होंने बताया कि उनके समय में बिजली की सुविधा नहीं होती थी और वे अन्य छात्रों के साथ बारी-बारी से मोमबत्ती जलाकर पढ़ाई किया करते थे। आज के समय में उपलब्ध सुविधाओं को अवसर बताते हुए उन्होंने छात्राओं को अपने करियर पर ध्यान केंद्रित करने और जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने का संदेश दिया।

देश के लिए कुछ करने का दिलाया संकल्प

उपायुक्त ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे संकल्प लें कि उन्हें केवल अपने लिए नहीं, बल्कि देश के लिए भी जीना है। उन्होंने कहा कि आप सभी में असीम संभावनाएं हैं, जिन्हें सही दिशा में प्रयास कर साकार किया जा सकता है। इस दौरान उपायुक्त ने विद्यालय की बाल संसद के सदस्यों से बातचीत की और उनकी भूमिका एवं जिम्मेदारियों की जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं को नेतृत्व क्षमता विकसित करने और सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया।

आम आदमी पार्टी ने डॉ भीमराव अम्बेडकर की मनायी जयंती, प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : आम आदमी पार्टी बोकारो जिला की ओर से बाबा साहब डा भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनायी गयी। इस मौके पर स्थानीय सेक्टर चार स्थित डा अम्बेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पार्पण कर उन्हें याद किया गया। विभिन्न वक्ताओं ने इस अवसर पर बाबा साहब के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में आप के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार राकेश, जोनल पर्यवेक्षक विधान चंद्र राय, जिला प्रभारी अरविंद विकाश, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, अशोक कुमार, मंजुला देवी, सतीश गुप्ता, शंभु कुमार, भगवान सिंह कुशवाहा, अनंत कुमार पांडेय, राहुल विश्वकर्मा, एस के झा, किशोर साव सहित अन्य उपस्थित थे। मौके पर अपने विचार रखते हुए आप झारखंड के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी राकेश ने कहा कि आज बाबा साहब के आदर्शों पर चलना हम सब की जिम्मेवारी है। जिस तरह से देश भर में सत्ताधारी शक्तियां सभी संवैधानिक संस्थानों पर हमला कर रहीं हैं, संविधान को खत्म कर देना चाहती हैं, उनके खिलाफ एकजुट होना जरूरी है। जोनल पर्यवेक्षक श्री राय ने कहा कि बाबा साहब के आदर्शों को अपनाकर समाज में व्यापक बदलाव लाया जा सकता है। जिला प्रभारी श्री विकाश ने कहा कि डा अम्बेडकर ने शिक्षित होकर संघर्ष करने का संदेश दिया था। आज भी उनके विचार प्रेरणादायक हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके बताये रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

बाबा साहब के आदर्शों को आत्मसात करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि : मंटू यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भारतीय संविधान के शिल्पकार और महान समाज सुधारक भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर आज सेक्टर 4 स्थित अंबेडकर चौक पर भव्य माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर *झारखंड मुक्ति मोर्चा के बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो का आह्वान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मंटू यादव ने बाबा साहेब के मूल मंत्र को दोहराया। उन्होंने कहा बाबा साहेब ने हमें शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' का मार्ग दिखाया है। आज के समय में उनके विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। उनके द्वारा बनाया गया संविधान ही देश के हर नागरिक को समानता और न्याय का अधिकार देता है। मंटू यादव ने वंचितों और पिछड़ों के अधिकारों के लिए बाबा साहेब के आजीवन संघर्षों को याद किया। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण और समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकताओं ने बाबा साहेब के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का सामूहिक संकल्प लिया।

बी.एम. मेमोरियल स्कूल में डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं महान गणितज्ञ आर्यभट्ट की जयंती मनाई गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड के हजारीबाग रोड स्थित अंग्रेजी माध्यम से संचालित बी.एम. मेमोरियल स्कूल में 14 अप्रैल को विश्व को जीरो देने वाले महान गणितज्ञ आर्यभट्ट एवं भारत के संविधान निमार्ता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने आर्यभट्ट एवं डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के उपनिदेशक दिनकर कुशवाहा व संचालन प्राचार्य कैलाश कुमार ने किया। मौके शिक्षक ऋषभ अग्रवाल को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को हमलोग संविधान निमार्ता के रूप में जानते हैं। आंबेडकर विपुल प्रतिभा के छात्र थे। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त कीं तथा विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में शोध कार्य भी किये थे। व्यावसायिक जीवन के आरम्भिक भाग में वे अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे एवं वकालत भी की तथा बाद का जीवन राजनीतिक गतिविधियों में अधिक बीता। इसके बाद आंबेडकर भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रचार और चचाओं में शामिल हो गए और पत्रिकाओं को प्रकाशित की। वहीं शिक्षिका अंजली मिश्रा ने बच्चों को संबोधित करते हुए आर्यभट्ट के बारे में बतलाया और कहा कि आर्यभट्ट प्राचीन भारत के सबसे महान गणितज्ञ और खगोलशास्त्री थे, जिन्हें 'भारतीय गणित का जनक' माना जाता है। बिहार के कुसुमपुरा में जन्मे आर्यभट्ट ने मात्र 23 वर्ष की आयु में प्रसिद्ध ग्रंथ 'आर्यभटीय' लिखा, जिसमें शून्य की अवधारणा, पाई का मान और त्रिकोणमिति का वर्णन है। उन्होंने ही सबसे पहले बताया कि पृथ्वी गोल है और अपनी धुरी पर घूमती है। आर्यभट्ट का जन्म 476 ईस्वी में गुप्त काल के दौरान हुआ था। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की थी और वे खगोल विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी थे। उनकी सबसे प्रमुख रचना आर्यभटीय है, जो गणित और खगोल विज्ञान का एक संक्षिप्त लेकिन व्यापक ग्रंथ है। इसके अलावा उन्होंने 'आर्य-सिद्धांत' भी लिखा। मौके पर मुख्य रूप से विद्यालय के शिक्षा अध्यक्ष रंजीत कुमार, वरिष्ठ शिक्षक ब्रह्मदेव सिंह चौहान, ऋषभ अग्रवाल महेंद्र विश्वकर्मा, कृष्ण यादव, आनंद राज, एरिका टोप्पो, अभिषेक कश्यप, भानु राज, अंजली मिश्रा,आनंदित दास, सरिता बा, नीलम बेदिया, कुलदीप रंजन राजेश कुमार रवि, विकास ठाकुर, सोनू कुमार,शंकर महतो, अफसाना परवीन, सुभाष प्रसाद आदित्य कुमार, देवंती देवी सहित सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

एक नजर

दलमा हाई टेक नर्सरी धूसरा में आयोजित नि:शुल्क मेडिकल कैंप में 150 मरीजों का इलाज

पटमदा : दलमा हाई टेक नर्सरी धूसरा में निशुल्क मेडिकल कैंप में 150 मरीजों का ईलाज कर निशुल्क दवा का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नावार्ड आरओ रांची के सहयोग से टी आर सी एस सी जमशेदपुर के तत्वावधान में एक दिवसीय निशुल्क मेडिकल जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सक डॉ मोतिन अहमद खान ने कहा कि मेडिकल कैंप में पहुंचे अधिकांश मरीजों में पोषक तत्वों की कमी से होने वाले रोग ज्यादा मिले। सभी मरीजों को पोष्टिक भोजन का सेवन करने के साथ नशा से दूर रहने की सलाह दी गई। मेडिकल कैंप में मुख्य रूप से चिकित्सक डॉ मोतिन अहमद खान, सचिव मानस दास, अध्यक्ष डॉ तापस पाइक, डॉ सुरेश प्रसाद साहू ,स्वपन, हरिहर सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

सिल्ली विधायक अमित महतो ने मुरी गोला सड़क निर्माण कार्य को कराया बंद

सिल्ली/मुरी : मुरी गोला पथ पर चल रहे सड़क निर्माण कार्य को संवेदक की घोर लापरवाही की शिकायत ग्रामीणों द्वारा मिलने पर स्थानीय विधायक अमित कुमार महतो ने मंगलवार के दिन सड़क निर्माण कार्य को बंद कराया। स्थानीय विधायक सड़क पर स्वयं खड़ा होकर जितने वहां निर्माण कार्य में कार्यरत थे उन सभी वाहनों को संवेदक के कार्यालय में पहुंचवाया और संवेदक के कर्मचारियों से बात करते हुए कार्य को रोकने का आदेश दिया तथा कहा कि रैयतों को जमीन के आधार पर मुआवजा तय कर उन्हें नोटिस जारी किया जाए की रैयतों को कितनी राशि सरकार द्वारा प्राप्त होगी।जब तक राशि तय नहीं की जाती है और सार्थक पहल नहीं हो जाती है तब तक कार्य को बंद रखें हालांकि सरकार द्वारा भी कहा गया है कि जल्द से जल्द मुआवजा का भुगतान किया जाएगा।उन्होंने आगे कहा कि दिशा की बैठक में भी मैंने इस पर पहल किया था ताकि रैयतों को राशि प्राप्त हो सके। वहीं रैयतों के साथ बेहतर बातचीत नहीं करने को लेकर कर्मचारियों को मौके पर फटकार भी लगाई। इस मौके पर अखिल महतो, सिल्ली मुखिया भरत मुंडा,अशोक महतो, नौशाद अंसारी,प्रकाश कुशवाहा, समीर ठाकुर,सुयोग साहू,महेश कुमार समेत सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया गया

कोडरमा : झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश प्रतिनिधि नवनीत ओझा ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक को पारित कराने के लिए 16 से 18 अप्रैल तक बुलाया गया संसद का विशेष सत्र, पूरी तरह से बंगाल चुनाव को ध्यान में रखकर उठाया गया कदम है। नवनीत ने कहा की संसद एवं विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का कांग्रेस पार्टी सहित सभी दल समर्थन करते हैं, लेकिन यह विधेयक पहले भी लाया जा सकता था या चुनाव के बाद भी प्रस्तुत किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान इस तरह का विधेयक लाया जाना भाजपा की मंशा पर सवाल खड़े करता है। कोडरमा में इस मुद्दे पर माहौल बनाने के लिए सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठनों पर दबाव बनाकर कार्यक्रम आयोजित कराना पूरी तरह निंदनीय है। नवनीत ने कहा की कांग्रेस पार्टी ऐसी संस्थाओं के साथ खड़ी है और उनसे अपील करती है कि वे किसी भी राजनीतिक दबाव में आकर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से ऐसे राजनीतिक कार्यक्रमों का हिस्सा न बनें।

संक्षिप्त खबरें

जेएलकेएम का बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न

पटमदा : पटमदा प्रखंड अंतर्गत बिड़रा ग्राम संसद भवन में मंगलवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा द्वारा बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने तथा सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों की रक्षा के लिए संकल्प लिया। सम्मेलन में संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने, कार्यकताओं की जिम्मेदारियों को स्पष्ट करने तथा आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। पार्टी के नेताओं ने कहा कि मजबूत संगठन ही जनसमस्याओं के समाधान और जनता के अधिकारों की लड़ाई को मजबूती प्रदान कर सकता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकताओं की उपस्थिति ने संगठन की मजबूती और जनसमर्थन को दशार्या। सभी कार्यकताओं ने एकजुट होकर पार्टी के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाते हुए समाज के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर संघर्ष करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में उपस्थित थे पूर्व प्रत्याशी विनोद स्वांसी, केन्द्रीय संयुक्त महासचिव देवव्रत महतो, जिला प्रवक्ता सुब्रत महतो, पूर्व प्रत्याशी रामदास मुर्मू,जिला प्रवक्ता फनी महतो, प्रखंड अध्यक्ष अनिल बास्के, प्रखंड अध्यक्ष सुभाष चंद्र महतो, फनी भूषण महतो, गणपति कारवां, रेखा कालिंदी, सुलोचना महतो, पूनम महतो, भानुप्रिया महतो, अजित महतो, बुद्धेश्वर महतो, मृत्युंजय महतो, श्याम सुंदर महतो, साहेब राम महतो, सुशील बेसरा,कृष्ण सहिस, गोरांग महतो,राजेश कुंभकार, मंगल कुंभकार,शिव शंकर महतो, भैरव महतो,दया सागर महतो,धनंजय कर्मकार, मंगल कारवां, लाल मोहन महतो,नकुल कुमार, विश्वजीत महतो, प्रदीप कुमार, हरिपद महतो, अजय कुमार, उपस्थित थे।

पांड्रा मध्य विद्यालय में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

ईचागढ़ : पांड्रा मध्य विद्यालय में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मंगलवार को अत्यंत गरिमामय एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रांगण में विधिवत दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसके पश्चात उपस्थित अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं बैच प्रदान कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। कार्यक्रम का समापन केक कटिंग के साथ किया गया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा डॉ. अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने गीत, भाषण एवं नृत्य के माध्यम से उनके जीवन संघर्ष, सामाजिक चेतना एवं समानता के लिए किए गए ऐतिहासिक योगदान को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया और प्रतिभागी विद्यार्थियों की सराहना की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षक रबिन्द्र नाथ मछुआ ने कहा कि डॉ. अंबेडकर न केवल भारतीय संविधान के शिल्पकार थे, बल्कि वे सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के सशक्त पक्षधर भी थे। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके आदर्शों को आत्मसात करने तथा शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का आह्वान किया। अन्य शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं नैतिक मूल्यों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक गजाधर बैठा, शिक्षकगण, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मृत्युंजय गोप वीरेंद्र नाथ महतो, नरोत्तम गोप, सहित कई गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

NH-33 पर सड़क हादसा, एक की मौत कई घायल

चांडिल : टाटा-रांची मुख्य राज्य मार्ग एनएच-33 पर चौका थाना क्षेत्र में मंगलवार को हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा चौका थाना क्षेत्र में हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि एक व्यक्ति ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही चौका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल एमजीएम अस्पताल, जमशेदपुर भेजा गया। मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार हादसे की वजह हो सकती है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात सामान्य कराया। घायलों की स्थिति पर एमजीएम अस्पताल से अपडेट का इंतजार है।

जेली बॉल चैंपियनशिप क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

कोडरमा : जिला में पहली बार जेली बॉल चैंपियनशिप क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया इसकी विशेषता यह कि यह सारे रात्रि फ्लड लाइट में खेले गए। आईपीएल के तर्ज पर क्लब के तीन मालिक का चुनाव किया गया और ऑक्शन के माध्यम से खिलाड़ियों का चयन किया गया एक्शन जो की होटल कृष्णा इंटरनेशनल में हुआ। इस टूर्नामेंट का संचालन विनीत स्पोर्ट्स गार्डन के डायरेक्टर विशाल सूद के द्वारा किया गया। तीन मालिकों का नाम इस प्रकार है थंडर स्ट्राइकर के मालिक अशोक कुमार, स्ट्रोम ब्रिगर्स के मालिक समीर अहमद, गेम चेंजर के मालिक सूरज वर्मा थे तीनों टीम एक दूसरे के साथ दो-दो मैच खेली। सारे मैचेस विनीत स्पोर्ट्स गार्डन क्रिकेट अकादमी में फ्लड लाइट में खेला गया। फाइनल में विजेता टीम थंडर स्ट्राइकर रही। इस टूर्नामेंट की शोभा बढ़ाने के लिए जेएससीए सब कमिटी और लाइफ मेंबर सुनील जैन,मेरिडियन एकेडमी के डायरेक्टर निवास शर्मा, वाई डी सी इंदरवा क्लब के सचिव चंदन सिंह ,स्पॉटिंग यूनियन के सचिव हर्ष सिंह, सुनील कुमार ,अभिराज गौतम,आकाश कुमार, सेक्रेड स्कूल के स्पोर्ट्स टीचर कुंदन कुमार राणा, असनाबाद स्पॉटिंग के सचिव नीरज कुमार, ग्रिजली विद्यालय के स्पोर्ट्स टीचर अमित राय।

रील, व्लॉग और बकवास

आज के समय में अगर कोई सबसे तेजी से फैलने वाली चीज है तो वह है–'बकवास'। फर्क बस इतना है कि अब यह बकवास चाय की दुकानों या चौपालों तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्मार्टफोन की स्क्रीन पर सजकर 'रील' और 'व्लॉग' के नाम से पूरे समाज में ब्रॉडकास्ट हो रही है। एक समय था जब युवा अपने सपनों के लिए जागते थे। आज वे नोटिफिकेशन के लिए जागते हैं। पहले लक्ष्य तय होते थे, अब ट्रेंड तय होते हैं। पहले मेहनत पर ताली बजती थी, अब बकवास पर लाइक और शेयर मिलते हैं। यही वह बदलाव है, जिसने युवा पीढ़ी को धीरे-धीरे एक ऐसी दिशा में धकेल दिया है, जहां शोर तो बहुत है, लेकिन सार बिल्कुल नहीं। रील और व्लॉग जो मूल रूप से रचनात्मकता और अभिव्यक्ति के माध्यम हो सकते थे, आज एक ऐसी दौड़ का हिस्सा बन चुके हैं, जहां गुणवत्ता नहीं, बल्कि 'वायरल' होना सबसे बड़ा लक्ष्य है। इस दौड़ में कंटेंट नहीं, कंटेंट का शोर मायने रखता है। जितना ज्यादा विचित्र, जितना ज्यादा सनसनीखेज, उतनी ही ज्यादा लोकप्रियता। ऐसे में गंभीरता, संवेदनशीलता और ज्ञान जैसे शब्द धीरे-धीरे हाशिये पर चले जाते हैं। युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा आज 'कंटेंट क्रिएटर' बनने की होड़ में है, लेकिन यह कोई नहीं सोच रहा कि वे क्या बना रहे हैं और क्यों बना रहे हैं। कैमरा ऑन होते ही अभिनय शुरू हो जाता है और कैमरा ऑफ होते ही वास्तविकता का खालीपन सामने आ जाता है। यह एक ऐसी दुनिया है, जहां दिखावा ही असली पहचान बन चुका है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस बकवास को अब सामान्य और स्वीकार्य मान लिया गया है। जो जितना अधिक समय स्क्रीन पर बिताता है, उसे उतना ही 'अपडेटेड' माना जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि यह अपडेट नहीं, बल्कि एक प्रकार की मानसिक थकान और दिशाहीनता है। आज का युवा घंटों यह सोचने में लगा रहता है कि अगली रील में क्या दिखाना है, लेकिन यह सोचने का समय नहीं निकालता कि जीवन में क्या करना है। यह विडंबना ही है कि जिस पीढ़ी के पास सबसे अधिक संसाधन हैं, वही सबसे अधिक भ्रमित और बिखरी हुई दिखाई देती है। यह समस्या केवल समय की बरबादी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सोचने की क्षमता को भी प्रभावित कर रही है। लगातार छोटे-छोटे वीडियो देखने की आदत ने ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को कमजोर कर दिया है। गहराई से सोचने, पढ़ने और समझने की प्रवृत्ति कम होती जा रही है। व्लॉग और रील्स के इस दौर में एक और खतरनाक प्रवृत्ति उभरकर सामने आई है–दूसरों की नकल। मौलिकता की जगह कॉपी-पेस्ट ने ले ली है। कोई ट्रेंड चल पड़ा, तो हर कोई उसी को दोहराने लगता है। इस प्रक्रिया में न तो कुछ नया पैदा होता है और न ही कोई सार्थक संदेश जाता है। बस एक जैसी बकवास का अंबार लग जाता है। समाज पर इसका प्रभाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। संवाद की जगह प्रदर्शन ने ले ली है। लोग अब जीने से ज्यादा दिखाने में विश्वास करने लगे हैं। हर छोटी-बड़ी घटना को कैमरे में कैद करना जरूरी हो गया है. चाहे वह निजी हो या संवेदनशील। यह प्रवृत्ति न केवल निजता को खत्म कर रही है, बल्कि संवेदनाओं को भी कमजोर बना रही है। यह कहना गलत नहीं होगा कि हम एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुके हैं, जहां 'बकवास' एक उद्योग बन चुका है। इसमें समय भी लग रहा है, पैसा भी लग रहा है और सबसे बड़ी बात युवा पीढ़ी की ऊर्जा भी लग रही है। लेकिन इसके बदले में क्या मिल रहा है? कुछ लाइक्स, कुछ फॉलोअर्स और एक झूठी संतुष्टि, जो कुछ ही पलों में खत्म हो जाती है। इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए सबसे पहले हमें यह स्वीकार करना होगा कि समस्या है। जब तक हम इसे केवल मनोरंजन कहकर नजरअंदाज करते रहेंगे, तब तक इसका समाधान संभव नहीं है। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि हर ट्रेंड का हिस्सा बनना जरूरी नहीं है। हर रील बनाना जरूरी नहीं है। और सबसे महत्वपूर्ण–हर बकवास को देखना और शेयर करना जरूरी नहीं है। जरूरत है एक संतुलन की। तकनीक का उपयोग करें, लेकिन उसके गुलाम न बनें। रील बनाएं, लेकिन उसमें सार हो। व्लॉग करें, लेकिन उसमें सच्चाई हो।

सूडोकु नवताल- 7765

★★★✯☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7764 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

नारी-आरक्षणः नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

ललित गर्ग

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चिततौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतधार्रा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दशार्ता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं, परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं।

भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है और नीति निर्माण में उनका दृष्टिकोण शामिल होता है, तो यह संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे एक निर्णायक मतदाता वर्ग के रूप में उभरी हैं। 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही और कई राज्यों में उन्होंने पुरुषों से अधिक मतदान किया। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि चेतना का संकेत है। महिलाएं अब अपने अधिकारों और हितों के प्रति अधिक सजग हो रही हैं और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं। सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता, जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक या भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी रहा है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय हुई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस संदर्भ में विशेष रूप से स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित करते हुए महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका यह विश्वास था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। आज जब महिला आरक्षण की बात हो रही है, तो यह उसी विचारधारा का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया जाता है।

हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण अपने आप में कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह एक आवश्यक कदम है, परंतु पर्याप्त नहीं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ने से महिलाओं की आवाज अवश्य मजबूत होगी, परंतु सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर समानता स्थापित करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आज भी भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हुई है, परंतु उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि कई स्थानों पर महिलाएं केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाएंगी और वास्तविक निर्णय उनके पुरुष परिजन लेंगे। पंचायत स्तर पर इस तरह के उदाहरण देखने को मिले हैं, परंतु समय के साथ महिलाओं ने इस स्थिति को बदला भी है और अपने अधिकारों को स्वयं संभालने की क्षमता विकसित की है। इसी प्रकार राजनीतिक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है, ताकि महिलाएं केवल प्रतिनिधि न होकर प्रभावी नीति निमार्ता बन सकें। इसके साथ ही राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना में भी परिवर्तन आवश्यक है। यदि दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं देंगे, तो केवल आरक्षण के माध्यम से वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं होगा। दलों को चाहिए कि वे महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करें, उन्हें चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें।

नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों की सफलता, ओलंपिक में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों का प्रदर्शन, और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के उदाहरण इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इस अधिनियम के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि विकास का कोई भी मॉडल तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसमें आधी आबादी की समान भागीदारी सुनिश्चित न हो।

मुद्रा महाठगनी, इसके रूप अनेक!

प्रयाग पाण्डे

जितना पुराना मानव सभ्यता का इतिहास है, मुद्रा का भी इतिहास उतना ही पुराना है। मुद्रा का इतिहास मानव जीवन में क्रमशः आए उत्तरोत्तर परिवर्तनों की दिलचस्प कहानी है। आदिम युग से वर्तमान कम्प्यूटर युग तक मनुष्य के जीवन में हुए परिवर्तनों के साथ मुद्रा के रूपों में भी रोचक बदलाव आए हैं। अपनी विकास यात्रा में मुद्रा ने 'पशुधन' एवं 'वस्तु विनिमय प्रणाली' से डिजिटल इकोनॉमिक तक की एक लंबी यात्रा तय की है। रुपये की जितनी अजब करामात है। उतना ही गजब इतिहास भी। प्राचीनकाल में वस्तुओं का मूल्य अनाज और गाय, बैल आदि पशुओं से आंका जाता था। यह व्यवस्था भारत के अलावा ग्रीस में भी प्रचलित थी। उस काल में धनिकों के धन की माप पशुओं से की जाती थी। आज जो स्थान सोने- चांदी या रुपयों के नोट का है, प्राचीनकाल में यही स्थान पशुओं का था।

वस्तु - विनिमय (अदला-बदली) की व्यवस्था अराजक थी। इसमें आए रोज लड़ाई-झगड़े होते थे। अदला-बदली की व्यवस्था की खामियों से निपटने के लिए हजारों साल पहले सिक्कों का प्रचलन शुरू हुआ। प्राचीनकाल में भारत में सोना, चांदी, तांबा, पत्थर, कौड़ी आदि के सिक्के चलन में आए। वैदिक काल में सोने के सिक्के चलते थे,जिन्हें निष्क, शतनाम, सुवर्ण, पाद आदि नामों से जाना जाता था। कालांतर में चांदी के सिक्के प्रचलन में आए। चांदी के सिक्कों को पण, कार्षापण, विंशतिकी त्रिंशतिकी आदि नामों से जाना जाता था। प्राचीनकाल में जब सिक्के का आविर्भाव हुआ तब सिक्के के धातु का वजन, मूल्य और शुद्धता उसमें निहित थी। राजा इस बात का वचन देता था। सोने के सिक्के स्वयंसिद्ध मुद्रा थे। स्वयंसिद्ध मुद्रा का मूल्य उसके गर्भ में था। जबकि चांदी के सिक्के अर्ध स्वयंसिद्ध मुद्रा थे। पूर्व मध्यकाल में सोने के सिक्के को 'काशु' कहा जाता था।

प्रारंभिक सिक्कों की तौल और बनावट, दोनों निराली थी। ठीक नाप-तौल के प्रमाण स्वरूप चांदी -सोने पर कोई चिह्न बने सिक्कों को मुद्रा कहा जाता था। सिंधु घाटी सभ्यता में भी सिक्कों का प्रचलन था। ईशा पूर्व सातवीं शताब्दी के अंत तक सिक्कों का प्रचलन काफी बढ़ चुका था। भारत में गौतम बुद्ध के कार्यकाल में चांदी के सिक्कों का तौल 40 और 25 रत्ती थी। उस दौर में चांदी के सिक्कों को 'पण' और 'कर्षापण' कहा जाता था। सिक्कों में हाथी, कुत्ते या वृक्षों के ठप्पे अंकित होते थे।

प्राचीनकाल में चांदी और तांबा,सोने से कहीं अधिक मूल्यवान माने जाते थे। चूंकि सोना पृथ्वी के गर्भ में अन्य किसी धातु से अमिश्रित शुद्ध अवस्था में मिलता था। इसलिए सोना सुलभ था। माना जाता है कि संसार में सबसे पहले सिक्कों के लिए सोने को ही प्रयोग में लाया गया था। चूंकि उस दौर में चांदी दुर्लभ थी। चांदी अन्य धातुओं से मिश्रित अवस्था में मिलती थी। चांदी को खानों से निकालना मुश्किल और बेहद श्रमसाध्य था। चांदी को पहले खानों से निकाला जाता था, फिर उसे गलाकर चांदी के पात बनाए जाते थे। इसके बाद टकसालों में चांदी के रुपये ढाले जाते थे। कालांतर में ज्ञान- विज्ञान के क्षेत्र में हुई प्रगति से चांदी को खानों से निकालना सरल हो गया तो चांदी सर्वसुलभ हो गई और सोना दुर्लभ हो गया। तब दक्षिण भारत में सोने के सिक्कों की प्रधानता थी। उत्तर भारत में चांदी के सिक्कों का प्रचलन अधिक था।

दिल्ली सल्तनत के दौरान 1329 ई. में चांदी के सिक्कों के स्थान पर कांसे और तांबे के सिक्के चलाए गए। इन्हें सांकेतिक मुद्रा कहा गया। उस दौर में घर-घर टकसाल बन गए। लोग अपने घरों में खुद ही कांसे और तांबे के सिक्के ढालने लगे थे। सल्तनत को आखिरकार इन सिक्कों को बंद करना पड़ा। इनके स्थान पर सोने और चांदी के 'तंके' जारी करने पड़े। इसके बाद फिरोजशाह तुगलक (1351- 1388) ने 'शशगानी' नाम का सिक्का चलाया। ब्रिटिश मुद्रा प्रणाली से प्रेरित होकर शेरशाह सूरी (1540- 1545) ने पुराने घिसे-पिटे सिक्कों के स्थान पर 180 ग्रेन शुद्ध चांदी का रुपया और 380 ग्रेन शुद्ध तांबे का रुपया चलाया। रुपया संस्कृत के शब्द 'रुप्य' या 'रौप्य' का अपभ्रंश है। संस्कृत में चांदी को 'रुप्य' या 'रौप्य' कहते हैं। शेरशाह सूरी के सिक्कों में कूफी के साथ हिंदी में भी लिखा हुआ था। शेरशाह के पुत्र इस्लामशाह के कार्यकाल में सिक्के का पुराना रूप कायम रहा। इस दौर के सिक्कों में भी कूफी के साथ हिंदी में लिखा जाता था लेकिन मुगल बादशाह बाबर, हुमायूं और अकबर के शासनकाल में चले सिक्कों में बादशाहों ने सिक्कों में सिर्फ कूफी में अपने नाम खुदवाए। भारत में हुमायूं ने सबसे पहले फारसी शब्दों का प्रसार किया। इसके बाद अकबर, जहांगीर, औरंगजेब आदि मुगल बादशाहों ने फारसी को खूब बढ़ावा दिया। इस कालखंड में सभी राजकार्य फारसी में ही होते थे। सिक्कों में भी फारसी अक्षरों का उपयोग किया जाता था। सिक्कों से हिंदी शब्द हटा दिए गए थे।

मुगलकाल में बाबर ने 'बाबरी' नाम से चांदी का सिक्का चलाया। अकबर ने 1577 में दिल्ली में एक शाही टकसाल बनवाई और 'मुहर' एवं 'इलाही' नाम से सोने के सिक्के चलाए। अकबर ने 'जलाली' नाम का 175 ग्रेन का चौकोर चांदी का सिक्का और 'दाम' नाम से तांबे का एक सिक्का भी चलाया, जो शेरशाह सूरी द्वारा चलाए गए चांदी के रुपये का 40 वां भाग माना जाता था। अकबर ने अपने कुछ सिक्कों में सीता और राम की मूर्ति अंकित करवाई थी और सिक्कों में देवनागरी में 'राम-सिया' लिखवाया था। जहांगीर ने 'निसार' नाम का एक सिक्का चलाया,जो रुपये के चौथाई मूल्य के बराबर था। टीपू सुल्तान ने 1787 में अपने नाम के सिक्के जारी किए। सिख साम्राज्य के राजा रणजीत सिंह (1792- 1839) ने नानक और गुरु गोविंद सिंह के नाम से सिक्के चलाए। इन सिक्कों में 'नानक सहाय' और 'गोविंद सहाय' उत्कीर्ण कराया था। दिल्ली में ईस्ट इंडिया कंपनी का आधिपत्य कायम हो जाने के बाद मुगलकालीन सिक्कों का प्रचलन बंद कर दिया गया ।

मुर्शिदाबाद के जगत सेठ को नवाब ने टकसाल चलाने के लिए अधिकृत किया था। तब भारत के अधिकांश हिस्से में जगत सेठ का रुपया चलता था। भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन स्थापित हो जाने के बाद कंपनी ने जगत सेठ के मुद्रा चलाने के अधिकार को बदस्तूर कायम रखा। जिस दौर में ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में आई तब यहां चांदी और सोने के सिक्कों के मान में विविधताएं थीं। बंगाल प्रांत में एक जिले का रुपया दूसरे जिले में नहीं चलता था। अनेक जिलों में विभिन्न मान के रुपये प्रचलन में थे। सोने और चांदी में परस्पर प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। कभी सोना महंगा हो जाता था तो कभी चांदी। फरूर्खाबादी रुपये फरुर्खाबाद, बनारस, सागर और कलकत्ता के टकसालों में ढाले जाते थे। मद्रासी रुपये अलग ढलते थे। ईस्ट इंडिया कंपनी की टकसाल कलकत्ता में थी। यहां रुपयों की ढलाई मशीनों (कल) से होती थी। इसलिए ईस्ट इंडिया कंपनी की टकसाल में ढले रुपयों को 'कलदार' कहा जाता था।

मुद्रा की इस विभिन्नता से लेन-देन और व्यापार में कठिनाइयां आती थीं। ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा करों की वसूली के लिए नियुक्त कलक्टरों को कर और भूमि की लगान के रूप में जनता से चांदी के साठ और सोने के बहत्तर सिक्के लेने पड़ते थे। अलग- अलग वस्तुओं के लिए अलग- अलग प्रकार के सिक्के थे। अठ्ठारहवीं सदी के प्रारंभ तक भारत वर्ष का अधिकांश भाग ईस्ट इंडिया कंपनी के आधिपत्य में आ चुका था। इसके तुरंत बाद कंपनी के डायरेक्टरों ने भारत में रुपयों में एकरूपता लाने की कोशिशें शुरू कर दी थी। 1806 में ईस्ट इंडिया कंपनी के डायरेक्टरों ने मद्रास सरकार को पत्र लिखा कि भारत का प्रधान सिक्का चांदी का होना चाहिए, जिसका वजन एक तोला हो, जिसमें 165 ग्रेन विशुद्ध चांदी हो। डायरेक्टर सोने के सिक्कों का चलन बंद करने के पक्षधर नहीं थे।

1835 में बंगाल के गवर्नर जनरल को ब्रिटिश शासित संपूर्ण भारत का गवर्नर जनरल बना दिया गया ।27 मई, 1835 को गवर्नर जनरल ने ईस्ट इंडिया कंपनी के आधिपत्य वाले संपूर्ण भारत में एक ही प्रकार के सिक्कों के प्रचलन की घोषणा कर दी। इस संबंध में बाकायदा मुद्रा विधान बना। ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा 1835 में बनाए गए मुद्रा संबंधी विधान भारत की मुद्रा व्यवस्था के इतिहास का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। इस विधान में यह व्यवस्था दी गई कि 1 सितंबर, 1835 से कंपनी के टकसालों में एक ही आकार-प्रकार के सिक्कों की ढलाई होगी। ईस्ट इंडिया कंपनी के टकसालों में ढाले जाने वाले चांदी के सिक्के को फरुर्खाबादी रुपये के बराबर माने जाने का निर्णय लिया गया। कहा गया कि चांदी के रुपये का वजन 180 ग्रेन होगा, जिसमें 165 ग्रेन विशुद्ध चांदी होगी। अठ्ठन्नी एवं चवन्नियां में भी इसी अनुपात में चांदी होगी। चांदी के सिक्के का मूल्य पन्द्रह रुपये माना गया। यह भी नियम बना कि कुछ विशेष प्रकार के सोने के सिक्के भी ढाले जाएंगे लेकिन कोई भी व्यक्ति कंपनी शासित क्षेत्र में सोने के सिक्के लेने या देने को बाध्य नहीं होगा।

होर्मुज से कांडला तक संकट के बीच भारत की ऊर्जा आपूर्ति

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

यह हम सभी देख रहे हैं कि आज अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर गहरा प्रभाव डाला है। ऐसे संवेदनशील समय में भारतीय ध्वज वाला एलपीजी जहाज "जग विक्रम" एवं अन्य जहाजों का सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार करते हुए उनके तय स्थान (बंदरगाह) तक पहुंचना निश्चित ही भारत की संतुलित और प्रभावी कूटनीति का प्रतीक बनकर दुनिया के सामने आया है। इससे पहले हमने एमटी नंदा देवी, शिवालिक को एलपीजी टैंकर लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करते हुए देखा, दोनों जहाजों को ईरान ने सुरक्षित मार्ग दिया। ये एक साथ भारत की ओर बढ़े और देश की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाा को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। कहना होगा कि युद्ध जैसे हालात में इस मार्ग से किसी भी जहाज का सुरक्षित निकलना चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में आज "जग विक्रम" का सुरक्षित पारगमन यह संकेत देता है कि भारत ने समुद्री सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय संवाद और सामरिक संतुलन का प्रभावी उपयोग किया है। अतः भारत ने जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में भी अपने समुद्री हितों की रक्षा की है। इसके साथ ही यह भी ध्यान में आया है कि भारत अब तक अपने 2,177 नाविकों को सुरक्षित स्वदेश लेकर आ चुका है। यह आंकड़ा आज हर उस परिवार को राहत दे रहा है, जोकि अपने प्रियजनों की वापसी का इंतजार कर रहा था। साथ ही विदेश मंत्रालय और भारतीय मिशनों ने चौबीसों घंटे हेल्पलाइन और जमीनी प्रयासों के जरिए यह सुनिश्चित किया गया है कि कोई भी भारतीय नागरिक संकट में अकेला नहीं रहेगा।

वस्तुतः डीजी शिपिंग कंट्रोल रूम द्वारा 6,073 कॉल्स और 12,867 ईमेल्स को संभालना इस बात का प्रमाण भी है कि कैसे संकट के समय प्रभावी संचार कितना महत्वपूर्ण होता है। इस दिशा में भारत सरकार के प्रयास अत्यधिक सराहनीय कहे जा सकते हैं। यह दर्शाता है कि भारत ने सक्रिय रूप से स्थिति को नियंत्रित किया हुआ है, इसलिए आज यह तंत्र संकट प्रबंधन में एक मजबूत मॉडल के रूप में उभर सका। वहीं, देश के सभी बंदरगाहों पर कामकाज सामान्य रूप से जारी रहना भारत की आर्थिक और प्रशासनिक स्थिरता को दशार्ता है। पश्चिमी तट पर वेस्ट एशिया से जुड़े 3,383 कंटेनरों में से 3,228 की वापसी सुनिश्चित कर दी गई है। शेष 155 कंटेनर तकनीकी कारणों से लंबित हैं, किंतु कहीं भी जाम या देरी नहीं है। इसका मतलब साफ है कि वर्तमान वैश्विक संकट के समय में भी भारत ने अपने लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत बनाए रखा है।

अंतर-मंत्रालयीय सामूहिक शक्ति का प्रदर्शन

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय का विदेश मंत्रालय और खाड़ी क्षेत्र में भारतीय मिशनों के साथ में मिलकर काम करना आज इस बात का उदाहरण है कि कैसे समन्वित प्रयास बड़े संकटों को नियंत्रित कर सकते हैं। देखने में आया कि यह सहयोग- प्रशासनिक, योजना निर्माण, क्रिया के स्तर पर एक साथ पूरे समन्वित रूप में कार्य कर रहा है। इस युद्ध के बीच एक अच्छी बात यह भी दिखाई दे रही है कि भारत घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं दे रहा, वह सक्रिय रूप से कूटनीतिक समाधान तलाश रहा है।

दुनिया देख रही है कि भारत ने इस पूरे संकट में किसी एक पक्ष का समर्थन करने के बजाय संतुलित और तटस्थ रुख अपनाया हुआ है। यही उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक ताकत बनकर आज उभरा है।

अमेरिका, ईरान और इजराइल तीनों के साथ संवाद बनाए रखना और अपने हितों की रक्षा करना भारत की "मल्टी-अलाइनमेंट" नीति का एक सफलतम उदाहरण है। साथ में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, मदद और भलाई सुनिश्चित करने के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन और नियमित सलाह जारी करना यह दशार्ता है कि भारत की कूटनीति मानवीय भी है।

संकट में अवसर की पहचान

होर्मुज जलडमरूमध्य के तनावपूर्ण माहौल में "जग विक्रम" की सुरक्षित यात्रा, हजारों भारतीय नाविकों की वापसी और बंदरगाहों का सुचारू संचालन, हम कह सकते हैं कि ये सभी घटनाएं मिलकर एक बड़ी स्वरूप हमारे सामने खड़ा कर रहे हैं और वो यह है कि भारत की कूटनीतिक परिपक्वता, रणनीतिक संतुलन और मानवीय दृष्टिकोण यह बताता है कि केंद्र सरकार की नीति एवं योजनाएं सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। कुल सार रूप में कहना यही है कि जब दुनिया संघर्ष और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, तब भी भारत अपने एक-एक नागरिक की बराबर चिंता कर रहा है, उनकी एवं उसके परिवार की निरंतर ऊर्जा जरूरत पूरी होती रहे, इसके लिए जहां जैसे संभव हो रहा है, वहां, वह नए रास्ते बना रहा है। सबक यह है कि शांतिपूर्ण संवाद, संतुलित नीति और मजबूत प्रशासनिक ढांचा किसी भी संकट को अवसर में बदल सकता है। फिलहाल इस दिशा में मोदी सरकार की नीति सही दिशा में सफलता के साथ आगे बढ़ती हुई दिखाई दे रही है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

दैनिक पंचांग

15 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

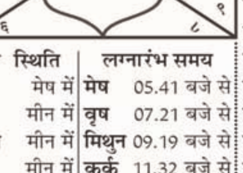

बुधवार 2026 वर्ष का 105 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 22.32 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 15.23 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 13.25 बजे को समाप्त। **करण** गर 11.27 बजे तदनन्तर वणिज 22.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 09° 42'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872680
जूलियन दिन 2461145.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 26
विशेष प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि, विषु कानी, कुब्जिका जयंती।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.41 बजे से
चंद्र	मीन में	वृष	07.21 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.19 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.32 बजे से
गुरू	मिथुन में	सिंह	13.49 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.00 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.11 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.26 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	22.42 बजे से
राहुकाल		मकर	00.47 बजे से
12.00 से 1.30		कुंभ	02.34 बजे से
बजे तक		मीन	04.06 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

दहेज प्रथा के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

साहिबगंज: जिले के राधानगर पुलिस ने दहेज प्रथा के एक आरोपित को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार पश्चिम बंगाल राज्य के मालदा जिला अंतर्गत कालियाचक थाना क्षेत्र के महेशपुर निवासी रबीउल मोमीन के खिलाफ राधानगर थाना में कांड संख्या 148/24 भादवि की धारा 85/115(2)/352/3(5) बीएनएस एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के प्राथमिकी दर्ज था। वह 2 साल से फरार चल रहा था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी अभियान चलाते हुए उसे गिरफ्तार कर, कागजी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

कांग्रेसियों ने श्रद्धा के साथ मनाई डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

पाकुड़ : जिला कांग्रेस कमिटी, पाकुड़ द्वारा मंगलवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 136वीं जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके देश के प्रति अमूल्य योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देश को समानता, न्याय और स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया। उनके विचार आज भी समाज को प्रेरित करते हैं। मौके पर प्रदेश कांग्रेस महासचिव उदय लखवानी, सेमिनुल इस्लाम, जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार, विधायक प्रतिनिधि गुलाम अहमद उर्फ बकुल, जिला प्रवक्ता मोकतर हुसैन, युवा जिला अध्यक्ष बिलाल शेख, ओबीसी जिला अध्यक्ष आमिर हमजा, जिला महासचिव कृष्णा यादव, जिला सचिव सेलिम हुसैन, रामविलास महतो, मिथुन मरांडी, मिर्जहान विश्वास, डॉ. जोहरुल इस्लाम, युवा उपाध्यक्ष जलाउद्दीन शेख, एहेदीन शेख, कादिर अंसारी सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घायल महिला को परिजनों ने ठेले पर लादकर पहुंचाया अस्पताल

गढ़वा : गढ़वा जिला मुख्यालय में एक सड़क दुर्घटना में घायल महिला को एंबुलेंस नहीं मिला तो परिजन उन्हें ठेले पर बैठाकर अस्पताल ले आए। परिजनों ने घायल महिला के साथ करीब दो किलोमीटर का सफर तय कर सदर अस्पताल पहुंचाया। यह घटना गढ़वा जिला मुख्यालय क्षेत्र की है, जहां रेलवे स्टेशन के पास इंजोरिया कुंवर नामक महिला सड़क पार करते समय बाइक की चपेट में आकर घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने तत्काल एंबुलेंस के लिए कॉल किया, लेकिन काफी देर तक एंबुलेंस नहीं पहुंचा। इसके बाद परिजनों ने मजबूरी में घायल महिला को ठेले पर बैठाकर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज किया गया। महिला के हाथ में चोट लगी थी और उसका बैंडेज किया गया। फिलहाल उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है और वह अस्पताल में भर्ती हैं। इस मामले पर जिले के सिविल सर्जन डॉ. जॉन एफ. कैनेडी ने कहा कि उन्हें इस घटना की जानकारी नहीं मिली है और न ही किसी ने उनसे संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि जिले में एंबुलेंस की कमी नहीं है, संभव है कि 108 एंबुलेंस किसी अन्य मरीज में व्यस्त रही हो, जिसके कारण समय पर नहीं पहुंच सकी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में सीधे स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करें।

रेलकर्मी चंदन हत्याकांड का खुलासा, पुलिस ने चालक समेत दो को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा स्थित लाथोपाड़ा व चावलछल्ला में बीते आठ अप्रैल को सड़क किनारे फेंके गये युवक के शव की गुत्थी सुलझा लेने का दावा बरहरवा थाना पुलिस ने किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त वाहन, चालक सहित हत्या में शामिल एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। कांड में शामिल अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस सघन छापेमारी कर रही है। इस मामले में मृतक चंदन बेसरा के पुत्र रुपेन बेसरा ने बरहरवा थाना में केस दर्ज कराया था। पुलिस ने बताया कि घटना में प्रयुक्त बंगाल नम्बर के वाहन को जब्त कर लिया गया है। वाहन चालक की पहचान पश्चिम बंगाल के फरक्का थाना क्षेत्र के सफाक शेख के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि हत्या में शामिल एक अन्य कथित आरोपी पश्चिम बंगाल के फरक्का थाना क्षेत्र के राशद अली को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार दोनों को पश्चिम बंगाल स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस बीच बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। जल्द ही पूरे मामले का पूर्ण खुलासा कर दिया जाएगा। पुलिस ने बताया कि बीते 8 अप्रैल को लाधोपाड़ा व चावलछल्ला में सड़क किनारे से एक व्यक्ति का शव का बरामद हुआ था। शव की पहचान पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिला के फरक्का थाना क्षेत्र के कलाईडांगा के चंदन बेसरा (40) के रूप में हुई थी। चंदन मालदा रेल डिवीजन के इंजीनियरिंग विभाग में टीएम 1 के पद पर कार्यरत थे। बीते 8-10 सालों से वे बिंदुपाड़ा स्टेशन में कार्य करते थे। उधर, आसपास के लोगों से पुलिस को पता चला था कि एक फोर व्हीलर वाहन से शव लाकर वहां फेंका गया था। परिजनों ने शव की पहचान करने के बाद चंदन बेसरा की हत्या गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई थी। मृतक के शरीर पर बाहरी चोट के स्पष्ट निशान नहीं मिलने से यह आशंका और मजबूत हो रही थी। बंगाल के फरक्का थाना क्षेत्र में दी गई हत्या को अंजाम बरहरवा पुलिस के मुताबिक जांच में रेलकर्मी चंदन बेसरा की हत्या फरक्का थाना क्षेत्र के लोहापट्टी गांव में अंजाम देने की बात सामने आयी है। वहां गमछा से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद साक्ष्य छुपाने के इरादे से शव को वाहन से लाकर बरहरवा थाना क्षेत्र में सड़क किनारे फेंक दिया गया था। इधर, पुलिस का दावा है कि मृतक चंदन बेसरा की हत्या उसकी दूसरी पत्नी और उसके कथित पुरूष दोस्त ने मिलकर कर दी थी। पूछताछ में यह बात सामने आई है कि मृतक अपनी दूसरी पत्नी को लगातार गलत गतिविधियों से रोकता था। इसे लेकर दोनों के बीच विवाद होता था। इसी विवाद और पैसों के लेनदेन को लेकर साजिश रची गई और हत्या कर दी गई।

पाकुड़ में 9 अपराधियों पर निगरानी प्रक्रिया शुरू, पुलिस की सख्ती बढ़ी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में पाकुड़ पुलिस द्वारा जिले में अपराध पर नियंत्रण और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के उद्देश्य से बड़ा कदम उठाया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 1 फरवरी 2026 से 14 अप्रैल 2026 तक जिले के विभिन्न थाना एवं ओपी क्षेत्र के गंभीर एवं संपत्तिमूलक अपराधों में संलिप्त कुल 9 अपराधियों के खिलाफ निगरानी प्रक्रिया शुरू की गई है। झारखंड पुलिस हस्तक नियम-370 के तहत यह कार्रवाई उन अपराधियों पर की जाती है, जो एक से अधिक गंभीर मामलों में आरोपित होते हैं। निगरानी प्रक्रिया के अंतर्गत इन अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाती है और समय-समय पर उनकी भौतिक जांच भी की जाती है, ताकि भविष्य में किसी भी आपराधिक घटना को रोका जा सके। थाना वार कार्रवाई की बात करें तो पाकुड़ (मुफस्सिल) थाना क्षेत्र में 1, लिट्टीपाड़ा थाना में 2, अमड़ापाड़ा थाना में 2 तथा पाकुड़िया थाना में सर्वाधिक 4 मामलों में निगरानी प्रक्रिया शुरू की गई है। इस प्रकार कुल 9 अपराधियों को निगरानी सूची में शामिल किया गया है। वहीं पाकुड़ पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कांग्रेस कार्यालय में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनायी गयी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के शुभ अवसर पर जिला कांग्रेस कार्यालय साहेबगंज में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धांजलि सभा एवं विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने किया। सभी कांग्रेसजनों ने कार्यालय में बाबा साहब के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण किया और विचार गोष्ठी में अपने विचार साझा किए। मौके पर जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि बाबा साहब ने संविधान के माध्यम से हमें बोलने का अधिकार दिया है हमें समानता का रास्ता दिखाया है।ये वही संविधान है जो लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करता है और हर वर्ग के नागरिकों के अधिकारों को रक्षा करता है लेकिन आज हम जिस दौर से गुजर रहे हैं उसमे कुछ ताकतें बाबा साहब के संविधान को कमजोर करने की पुरजोर कोशिस कर रही है बल्कि कई बार वो उसमे सफल होती भी दिख रही है। बाबा साहब के बनाए इस संविधान की रक्षा हमें हर हाल में करनी होगी। संविधान की मजबूती ही हमारे अधिकारों की रक्षा का मूल मंत्र है। आइए बाबा साहब के जयंती के अवसर पर संकल्प लें कि अपने देश की संविधान की रक्षा हम हर कीमत पर करेंगे। विचार संगोष्ठी में और कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में दर्जनों कांग्रेसजन मौजूद थे।

साक्षरता चौक के पास यज्ञ मेला में गोली लगने से युवक घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत साक्षरता चौक के पास आयोजित यज्ञ मेला में सोमवार की रात गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। मध्य रात्रि करीब 12 बजे हुई इस हिंसक घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। अचानक हुई फायरिंग के बाद मेले में आए लोगों के बीच अफरा-तफरी और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। आनन-फानन में घायल युवक को परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। घायल युवक की पहचान चानन निवासी 19 वर्षीय शिव कुमार के रूप में हुई है। शिव पिछले कई दिनों से मेले में छोटी सी दुकान लगाकर खिलौने बेचकर अपना जीवनयापन कर रहा था। उसकी बहन फूलो देवी ने बताया कि वह रोज की तरह सोमवार को भी दिनभर दुकान पर था। रात करीब 12 बजे दुकान बढ़ाने के बाद वह वहीं बैठकर खाना खा रहा था, तभी अचानक एक गोली आकर उसके चेहरे की ठुड्डी में जा लगी। अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि गोली किसने और किस इरादे से चलाई। सदर अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में तैनात डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि गोली लगने के कारण युवक के जबड़े की हड्डी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। गोली चेहरे के संवेदनशील हिस्से में लगी है, जिससे रक्तस्राव अधिक हुआ है। डॉक्टर लगातार उसकी हालत पर नजर बनाए हुए हैं। वारदात की सूचना मिलते ही जिरवाबाड़ी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या यह किसी आपसी रंजिश का नतीजा है या फिर हवाई फायरिंग की वजह से कोई दुर्घटना का परिणाम है। फिलहाल आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है, जिससे मेला क्षेत्र में रहने वाले अन्य दुकानदारों और ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

राजमहल अग्निशमन कार्यालय में शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राजमहल प्रखंड के सिंह सिंघी दलान स्थित अग्निशमन कार्यालय में मंगलवार को राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस के मौके पर राजमहल प्रभारी सुमंत कुमार सिंह चौहान के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि सह नपं उपाध्यक्ष मो मारूफ उर्फ गुड्डू, नपं अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख, डॉ उदय टुडू, विभाग के मो सजजीम, रवि रंजन, वार्ड पार्षद राजू सरकार, अमिर मंडल, नगर पंचायत के कर्मी, पदाधिकारी ने शहीदों को उसे श्रद्धांजलि देते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया। सुमंत कुमार सिंह ने बताया कि 14 अप्रैल को मुख्य रूप से राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन 1944 में मुंबई बंदरगाह पर हुए भीषण विस्फोट में जान गंवाने वाले 66 दमकल कर्मियों के सर्वोच्च बलिदान को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। इसके अलावा, यह दिन ड्यूटी के दौरान आग बुझाते हुए शहीद हुए कर्मियों को सम्मान देने का अवसर है। साथ ही आज 14 से 20 अप्रैल तक सुरक्षा सप्ताह के तहत लोगों को जागरुक एवं विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

श्री सूक्तम पाठ करके यज्ञ में आहुति दी जा रही ताकि शहर धन धान्य से परिपूर्ण रहे : महामंडलेश्वर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : 25 पुरोहित संयुक्त रूप से श्री सूक्तम पाठ कर रहे ओर मुख्य जजमान यज्ञ मंडप में आहुति दे रहे है, ताकि साहिबगंज में लक्ष्मी की कृपा बनी रहे, शहर धन्य धान्य से परिपूर्ण रहे उक्त बाते महामंडलेश्वर श्री अयोध्या दास जी महाराज ने कही। शहर के साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा पूजा समिति की ओर से दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित श्री श्री 1008 श्री 11 कुंडात्मक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के छठे दिन मंगलवार की सुबह काशी के आचार्य डॉ हरेंद्र द्विवेदी के सानिध्य में 25 सदस्यी पुरोहितो ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ 33 कोटि देवी देवताओं का आह्वाहन करके यज्ञ मंडप का पूजन व हवन किया। सुबह, दोपहर व संध्या बेला में पूजन किया ओर आरती किया गया। वही देश के विभिन्न क्षेत्रों से साधु संत महात्मा ओर नागा साधु का आगमन प्रति दिन महायज्ञ परिसर में हो रहा है। महामंडलेश्वर श्री अयोध्या दास जी महाराज ने बताया कि यज्ञ मंडप की परिक्रमा करने प्रतिदिन हजारों की संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु आ रहे ओर पूजन करके देवी देवताओं का पूजन करके साधु संत महात्मा का आशीर्वाद ले रहे है। वही वैदिक मंत्रोचारण से पूरा क्षेत्र शुद्ध पवित्र भक्तिमय हो गया है। शहर भक्ति के रंग में डूबा हुआ है। महायज्ञ परिसर में देर रात्रि तक महिला पुरुष बच्चे बुजुर्ग श्रद्धालु पहुंचकर कथा, रासलीला, भंडारा स्वरूप प्रसाद ओर मेला का आनंद उठा रहे है। मेला में श्रद्धालुओं के सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है, पुलिस बल तैनात है और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी तैनात है। वही नागा साधु ने कहा कि संसार के सभी प्राणी सुखी हो, सभी रोगमुक्त कष्टमुक्त रहें, सभी का जीवन मंगलमय हो और कोई भी दुःख का भागी न बने ये हम नागा साधु संत महात्मा प्रार्थना करते है। छठे दिन रासलीला में वृंदावन शहर का नामकरण ओर शालिग्राम का विवाह तुलसी जी के क्यों होता दिखाया गया। रासलीला के छठे दिन की संध्या बेला में कथा किया गया ओर वृंदावन से आए रासलीला की टीम ने वृंदावन शहर का नाम कैसे पढ़ा ओर शालिग्राम के साथ तुलसी विवाह क्यों होता है रासलीला में दिखाया। महामंडलेश्वर श्री अयोध्या दास जी महाराज ने बताया कि रासलीला में भगवान शिवजी के तेज अग्नि से उत्पन्न पुत्र जालंधर पैदा किया जो समुद्र से प्रकट हुआ।

संक्षिप्त खबरें

तीनपहाड़ स्टेशन में लगे अधिकांश सीसी टीवी खराब

साहिबगंज : तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन पर उचक्के व झपटामार गिरोह सक्रिय है जो आए दिन यात्रियों को निशाना बनाते हुए उनके पर्स से कीमती सामान एवं हाथ से मोबाइल झपटामार कर फरार हो जाते हैं। वहीं रेलवे ने स्टेशन परिसर की सुरक्षा के दृष्टिकोण से बीते वर्ष प्लेटफार्म सहित स्टेशन परिसर के विभिन्न जगहों में दस सीसी टीवी लगाया गया था ताकि कोई भी घटना या चोर उचक्कों की गतिविधि इसमें रिकॉर्ड हो सके और रेल पुलिस आसानी से मामले का उदभेदन करले। रेल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ महीने से स्टेशन परिसर में लगे दस सीसी टीवी में से लगभग सात खराब या बंद पड़े हैं। वही बीते रविवार को तीनपहाड़ से साहिबगंज इंटरसिटी ट्रेन पकड़ कर दुगार्पुर जाने वाली महिला के साथ स्टेशन के दो नम्बर प्लेटफार्म में उचक्कों ने उसके पर्स में रखे चार लाख के आभूषण सहित दो हजार रुपए नगद उड़ा लिया था। जिसपर महिला ने बरहरवा जीआरपी थाना में केस दर्ज कराया था। वही इस मामले को लेकर रेल पुलिस सीसी टीवी का सहारा लेते हुए गहन छानबीन में जुटी है लेकिन अधिकांश सीसी टीवी खराब या बंद पड़े होने से रेल पुलिस को उचक्के की पहचान करने में काफी परेशानी हो रही है।

फरार आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया न्यायिक हिरासत

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के अंजुमन नगर निवासी मोहम्मद सद्दाम को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार मोहम्मद सद्दाम के विरुद्ध चोरी का मामला दर्ज था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। वही थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी कर ली गई है। उसके खिलाफ जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 260/25 दर्ज है। जो लंबे समय से फरार चल रहा था,जिसे पुलिस गिरफ्तार करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

बाबा साहब की जयंती पर पदाधिकारीओं ने माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

पाकुड़ : ज़िले में भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आज अंबेडकर चौक, पाकुड़ में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरुण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला योजना पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, एसडीपीओ पाकुड़ डीएन आजाद, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार चौधरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके अलावा समाहरणालय में भी सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। परियोजना निदेशक आईटीडीए अरूण कुमार एक्का ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर का जीवन समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन सामाजिक समानता, न्याय एवं मानवाधिकारों की स्थापना के लिए समर्पित किया। उनके विचार आज भी एक समतामूलक, सशक्त एवं विकसित समाज के निर्माण हेतु मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

अमड़ापाड़ा में धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर की 136वीं जयंती

अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार को भारत के संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 136वीं जयंती हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर ₹आंबेडकर क्लब, अमड़ापाड़ा₹ के तत्वावधान में मुख्य बाजार स्थित आंबेडकर मोड़ पर सुबह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद स्कूली बच्चों एवं कोचिंग संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए सीनियर व जूनियर वर्ग में क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में सिद्धि एकेडमी अमड़ापाड़ा ने प्रथम, सनराइज एकेडमी ने द्वितीय एवं प्रिपरेटरी सेंटर बासमती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं जूनियर वर्ग में गुरुकुल कोचिंग सेंटर प्रथम, सनराइज एकेडमी द्वितीय तथा प्रजापति ट्यूशन सेंटर तृतीय स्थान पर रहा। प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता, अंचल अधिकारी औसाफ अहमद खां एवं थाना प्रभारी अनूप रौशन भेंगरा द्वारा मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात प्रखंड मुख्यालय स्थित हेरिटेज मेमोरियल में स्थापित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस मौके पर बीडीओ प्रमोद कुमार गुप्ता ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। वे एक महान विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, समाज सुधारक एवं भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार थे। उन्होंने दलितों एवं वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए जीवनभर संघर्ष किया। डॉ. अंबेडकर स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री बने और उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से देश को समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का आधार प्रदान किया। उनके सामाजिक योगदान को देखते हुए उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया।उन्होंने लोगों से उनके बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अमड़ापाड़ा मुखिया गयालाल देहरी, संघ अध्यक्ष संजय रजक, सचिव संजय कुमार दास, नारायण भगत, संजय भगत, मनोज भगत, सेवानिवृत्त शिक्षक इंदु रविदास, मंगल मुर्मू, शिक्षक किशोर दास, संतोष रजक, संजय रजक, विनोद दास, बाबूचंद मिर्धा, दिलीप रजक, आलोक दास, जयराज कुमार, बलराम दास, अमित भगत, कुंदन भगत, चन्द्रमा रजक, विशाल भगत, निखिल भगत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

पूर्वी सिंहभूम : सुंदरनगर थाना क्षेत्र के नंदूप गांव में मंगलवार की सुबह 65 वर्षीय सिदयू सोय की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिदयू सोय रोजाना की तरह सुबह करीब पांच बजे घर से शौच के लिए निकले थे। इस दौरान उन्हें रेलवे ट्रैक पार करना था। जैसे ही वे पटरी पार करने लगे, तभी तेज गति से आ रही ट्रेन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। ट्रेन की रफ्तार इतनी तेज थी कि उन्हें संभलने का कोई मौका नहीं मिला और टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए। स्थिति को देखते हुए तत्काल सुंदरनगर थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

कोचिंग सेंटर में मनाई गई डॉ भीम राव आंबेडकर की जयंती

खूंटी : श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर मुरहू में मंगलवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर कोचिंग के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने डॉ. आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने डॉ. आंबेडकर के जीवन, संघर्ष और उनके योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने संविधान के माध्यम से देश को समानता, न्याय और अधिकारों की मजबूत नींव दी, जिसे आज भी हर नागरिक को समझने और अपनाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर कोचिंग सेंटर के निदेशक-सह-शिक्षक सकलदीप भगत ने कहा, डॉ. आंबेडकर केवल एक महान संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के प्रबल समर्थक थे। उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में शिक्षिका रश्मि एवं शिक्षक जेवियर ने उपस्थित विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को अपनाने और शिक्षा के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब को दी श्रद्धांजलि

खूंटी : सांसद कालीचरण मुंडा के आवासीय जिला कार्यालय में मंगलवार को जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा की अध्यक्षता में संविधान निमार्ता, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर की। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने बाबा साहेब के योगदान को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। अपने संबोधन में जिला अध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहेब ने हमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का मंत्र दिया। संविधान के माध्यम से उन्होंने हर वर्ग, हर समाज को न्याय और सम्मान से जीने का अधिकार दिया। आज का दिन हमें उनके संघर्षों से प्रेरणा लेकर सामाजिक समरसता और शिक्षा के प्रसार के लिए काम करने की याद दिलाता है। मौके पर जिला सांसद प्रतिनिधि पीटर मुंडू, पूर्व जिला अध्यक्ष रामकृष्ण चौधरी, नईमुद्दीन खान, आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, देवेन्द्र महतो, नगर पंचायत अध्यक्ष गुलाम गौश, फरोज आलम सहित अन्य उपस्थित थे।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर जिला प्रशासन ने अर्पित की श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : भारतीय संविधान के निर्माता, महान समाज सुधारक एवं भारत रत्न से सम्मानित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर समाहरणालय परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस मौके पर उपायुक्त आर. रॉनिटा ने कहा कि बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर न केवल भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पी थे, बल्कि वे एक प्रखर अर्थशास्त्री, विधिवेता और समाज सुधारक भी थे। उन्होंने जीवन भर सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष किया और समता, स्वतंत्रता तथा बंधुत्व पर आधारित समाज की स्थापना के लिए कार्य किया। उनका सम्पूर्ण जीवन वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने एवं समाज में न्यायसंगत व्यवस्था स्थापित करने के लिए समर्पित रहा।

उपायुक्त ने बाबा साहेब के योगदानों का स्मरण करते हुए उनके आर्दशों एवं विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर का जीवन सामाजिक न्याय, समानता एवं लोकतंत्र के मूल्यों का प्रतीक है, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारीगण एवं कर्मीगण की ओर से बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया।

इसके पूर्व उपायुक्त आर० रॉनिटा, उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए अलोक शिकारी कच्छप, अनुमंडल पदाधिकारी दिपेश कुमारी, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम, डीसीएलआर अरविंद ओझा, नजारत उप समाहर्ता कोमल कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी आपरूपा चौधरी, जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील, कार्यपालक दंडाधिकारी बिपिन कुमार विश्वास सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने भीमराव अंबेडकर को किया नमन

खूंटी : खूंटी जिले के तोरपा मंडल अंतर्गत अम्मापकना गांव में मंगलवार को 'भारतीय संविधान के जनक' डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तोरपा मंडल अध्यक्ष सुबोध कुमार की अगुवाई में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने डॉ. अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर सुबोध कुमार ने डॉ. अंबेडकर के योगदान को याद करते हुए कहा कि वे भारतीय संविधान के निर्माता थे और उन्होंने दलितों, महिलाओं तथा श्रमिकों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया।

किराया बढ़ोतरी के विरोध में व्यापारियों ने आंदोलन की बनाई रणनीति

पूर्वी सिंहभूम : सोनारी स्थित कागल नगर बाजार में दुकानों के किराया वृद्धि के खिलाफ मंगलवार को व्यापारियों ने एकजुट होकर जोरदार विरोध दर्ज कराया। ऑल मार्केट एसोसिएशन के बैनर तले सोनारी संयुक्त बाजार समिति की ओर से आयोजित इस बैठक में बड़ी संख्या में दुकानदार शामिल हुए और प्रशासनिक फैसले पर नाराजगी जताई। बैठक में वक्ताओं ने जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिना किसी पूर्व सूचना और स्पष्ट दिशा-निर्देश के दुकानों का किराया बढ़ाना पूरी तरह अनुचित है। व्यापारियों का कहना था कि इस निर्णय के पीछे किस नियम या आदेश का पालन किया गया है, इसका स्पष्ट जवाब भी प्रशासन की ओर से नहीं दिया जा रहा है, जिससे असंतोष और बढ़ गया है।

ऑपरेशन सतर्क के तहत आरपीएफ ने 45000 रुपये की शराब को किया जब्त, उत्पाद विभाग को किया गया सुपुर्द

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट हजारीबाग रोड द्वारा मंगलवार को ऑपरेशन सतर्क अभियान के तहत दो अलग-अलग मामलों में 45110 रुपये मूल्य के शराब को जब्त किया गया। जिस पर आवश्यक कागजी कार्रवाई करते हुए उत्पाद विभाग गिरिडीह को सुपुर्द किया गया। इस संबंध में आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी विश्वनाथ कुमार ने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट हजारीबाग रोड के अधीनस्थ हिरोड़ीह रेलवे स्टेशन पर गाड़ी संख्या 13305 आप पास करने एवं गस्त के लिए ऑन ड्यूटी प्लेटफार्म स्टाफ प्रधान आरक्षित शिव शंकर यादव तथा आरक्षी चुरखा मरांडी ड्यूटी पर तैनात थे। प्रातः लगभग 7:30 बजे प्लेटफार्म संख्या तीन यात्री शेड में साथ आदत प्लास्टिक का होला एवं थैला लावारिस अवस्था में दिखाई दिया। वहां स्थित रेल यात्रियों से युक्त होला तथा थैला के बारे में पूछताछ करने पर किसी ने भी मालिकाना हक नहीं बताया। बाद में दोनों स्टाफ द्वारा उक्त होला तथा थैला को चेक किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के अंग्रेजी शराब भरी बोतले पाई गई जिसकी कुल मात्रा 88620 मिली तथा कल अंकित मूल्य 3990 रुपया पाया गया। उक्त शराब को जब्त कर आरपीएफ पोस्ट हजारी बाग रोड लाया गया। वहीं दूसरी घटना रेलवे स्टेशन हजारीबाग रोड स्टेशन की है। जहां मंगलवार को उप निरीक्षक प्रेमा खेस प्रधान आरक्षी मनोज कुमार सिंह के साथ प्लेटफार्म संख्या एक दो कल का चोर में गस्त कर रहे थे। दिन के लगभग 10:30 बजे प्लेटफार्म पर एक व्यक्ति को पिट्ठू बैग एवं प्लास्टिक का भारी बोरा ले जाते देखा गया। शक के आधार पर उक्त व्यक्ति के पास बोरा तथा पिट्ठू बैग को चेक किया गया जिसमें 32 अदद् किंग फिशर बियर (कैन) पाया गया। जिसकी कुल मात्रा 16000 मिली लीटर शराब का कुल मूल्य 5120 अंकित पाया गया। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम मुकेश कुमार (22) पिता रीतलाल राय, साकिन परसोतीम पुर, थाना राघोपुर, जिला वैशाली (बिहार) बताया। जिसे हजारीबाग रोड पोस्ट लाया गया। दोनों जगह जब्त किए गए शराब की कुल अंकित मूल्य 45110 रुपए बताए गए। जिस प्रकार का कागजी कार्रवाई पूरा करते हुए उत्पाद विभाग गिरिडीह को सुपुर्द किया गया।

चक्रधरपुर मंडल में रेल परिचालन प्रभावित, कई ट्रेनें रद और मार्ग परिवर्तित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : दक्षिण पूर्व रेलवे के पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित चक्रधरपुर रेल मंडल में हाल के दिनों में मवेशियों के रेलवे ट्रैक पर आने और बिना कारण चेन पुलिंग की घटनाओं से रेल परिचालन पर गंभीर असर पड़ा है। रेलवे प्रशासन ने आम लोगों से सहयोग की अपील करते हुए सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहा है।

मंगलवार को रेलवे की ओर दी गई जानकारी के अनुसार 2 अप्रैल से 11 अप्रैल 2026 के बीच मवेशियों के कारण कुल 11 घंटे 19 मिनट (679 मिनट) का डिटेंशन दर्ज किया गया, जिससे 24 ट्रेनें प्रभावित हुईं। इस दौरान टाटा-झारसुगुड़ा और नुआगांव-राउरकेला सेक्शन सबसे अधिक प्रभावित रहे।

रेलवे ने स्पष्ट किया है कि बिना किसी वैध कारण के इमरजेंसी चेन पुलिंग करना दंडनीय अपराध है। जनवरी 2026 से 8 अप्रैल 2026 तक कुल 297 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 276 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जनवरी में 94 मामलों में 88 गिरफ्तारी, फरवरी में 74 मामलों में 68 गिरफ्तारी, मार्च में 141 मामलों में 99 गिरफ्तारी और अप्रैल (8 अप्रैल तक) में 30 मामलों में 26 गिरफ्तारी की गई है। इसके अलावा 29 ट्रेनों में चेन पुलिंग करने वाले आरोपियों को भी हिरासत में लिया गया। रेलवे प्रशासन ने मंगलवार को बताया कि परिचालन को सुचारू बनाने के लिए कई ट्रेनों को रद्द, आंशिक रूप से रद्द, रीशेड्यूल और डायवर्ट किया गया है। 14अप्रैल से 19 अप्रैल के बीच आद्रा-आसनसोल, आद्रा-मिदनापुर, बोकारो-चंद्रपुरा सहित कई मेमू ट्रेनों को रद्द किया गया है। कुछ ट्रेनों को आद्रा स्टेशन तक सीमित कर दिया गया है, जबकि कई ट्रेनों के समय में 1 से 2 घंटे तक बदलाव किया गया है। टाटा-हटिया एक्सप्रेस को निर्धारित मार्ग के बजाय सीनी-गुंडा बिहारी-मुरी मार्ग से चलाया जा रहा है।

पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी ने फतह किया माउंट एवरेस्ट बेस कैंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा निवासी तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के पूर्व विधायक और प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप तक सफलतापूर्वक पहुंचकर एक प्रेरणादायक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने मंगलवार को अपने इस साहसिक अभियान के अनुभव को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए बताया कि यह यात्रा उनके जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण और यादगार यात्राओं में से एक रही।

कुणाल षाड़ंगी ने बताया कि एवरेस्ट बेस कैंप तक पहुंचना केवल शारीरिक ताकत का नहीं,बल्कि मानसिक दृढ़ता का भी बड़ा इम्तिहान होता है। इस यात्रा के दौरान उन्हें बर्फ से ढके दुर्गम रास्तों, शून्य से नीचे तापमान, तेज हवाओं और कम ऑक्सीजन जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर सांस लेने में कठिनाई और थकान के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की।

उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस ट्रेक ने उन्हें खुद को करीब से जानने और अपनी सीमाओं को परखने का मौका दिया। हर कदम पर चुनौती थी, लेकिन हर चुनौती ने उन्हें और मजबूत बनाया। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की यात्राएं व्यक्ति को धैर्य, अनुशासन और आत्मविश्वास सिखाती हैं।

लबगा में गूंजे बाबा साहब के विचार, अंबेडकर जयंती पर एकता, समानता और संविधान का लिया संकल्प

पतरातू : ग्राम लबगा स्थित मां पांच बहनी मंदिर परिसर में भारत रत्न और भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। समारोह में गांव लबगा सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और बाबा साहब को पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। आयोजन ने सामाजिक समरसता, समानता और जागरूकता का सशक्त संदेश दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर की गई। उपस्थित लोगों ने बाबा साहब अमर रहें और जय भीम के नारों के साथ वातावरण को ऊर्जावान बना दिया। श्रद्धालुओं ने बाबा साहब के संघर्षपूर्ण जीवन, शिक्षा के प्रति उनके समर्पण और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया।

पूरे मंदिर परिसर में श्रद्धा और सम्मान का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों और युवाओं की बड़ी भागीदारी ने समारोह को विशेष बना दिया। इस अवसर पर समाजसेवी रामेश्वर गोप ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान देश के हर नागरिक को समान अधिकार और सम्मान देता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने ऐसा संविधान दिया, जिसने लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान किया और समाज के हर वर्ग को न्याय दिलाने का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम सभी आपसी भाईचारे, प्रेम और समानता के सिद्धांतों पर चलें, तभी एक सशक्त और समरस समाज का निर्माण संभव होगा।

रामेश्वर गोप ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और आत्मविश्वास की अद्भुत मिसाल है। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने हार नहीं मानी और अपने ज्ञान व संकल्प के बल पर इतिहास रच दिया। उनका जीवन हर युवा और हर नागरिक के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलकर समाज में जागरूकता, शिक्षा और समानता को बढ़ावा दें। कार्यक्रम में लखन मुंडा, कैलाश मुंडा, वीरेंद्र मुंडा, सुरेश गोप सहित कई लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब का योगदान केवल एक समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए अमूल्य है।

कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने एकजुट होकर सामाजिक समरसता, भाईचारा और समानता बनाए रखने का संकल्प लिया। लबगा में आयोजित यह समारोह श्रद्धांजलि के साथ-साथ समाज को नई दिशा देने वाला प्रेरक आयोजन बनकर सामने आया।

संक्षिप्त खबरें

नहीं रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खूंटी जिला कार्यवाह मदन मोहन गुप्ता

खूंटी : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खूंटी जिला कार्यवाह, जिला बौद्धिक प्रमुख, जिला संघ चालक जैसे पद को सुशोभित कर चुके मदन मोहन गुप्ता का सोमवार की रात निधन हो गया। इनके निधन की खबर मिलते पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।। मदन मोहन गुप्ता रामनवमी महासमिति, गायत्री परिवार सहित कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों से जुड़े थे। मदन मोहन गुप्ता के निधन पर पद्मभूषण कड़िया मुंडा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा, पूर्व विधायक कोचे मुंडा, डॉ निर्मल सिंह, भाजपा के जिलाध्यक्ष आनन्द कुमार, प्रियांक भगत, अनूप साहू, सुनील साहू, जितेंद्र कश्यप, पूर्व जिलाध्यक्ष काशीनाथ महतो, ओपी कश्यप, संजय साहू, निखिल कंडुलना, संतोष जायसवाल, विनोद जायसवाल सहित कई लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। अपने शोक संदेश में पद्मभूषण कड़िया मुंडा ने कहा कि मदन मोहन गुप्ता बहुत ही मृदुभाषी और मिलनसार व्यक्ति थे। सामाजिक धार्मिक काम में उनकी सहभागिता सदैव बढ़-चढ़ कर रहती थी। उनके निधन से समाज को बहुत बड़ी क्षति हुई है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है। मदन मोहन गुप्ता पिछले चार वर्षो से विभिन्न प्रकार की बीमारियों से ग्रसित थे।

मकान में लगी आग, आठ लाख रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट

पलामू : पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के पनेरीबांध गांव में सोमवार रात दिलीप पाठक के खपड़ापोस मकान में आग लग गई। इस हादसे में 50 हजार रुपये नगद सहित करीब आठ लाख की संपत्ति जल कर नष्ट हो गई। अग्निशमन दल ने ग्रामीणों की मदद से तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पूरा मकान जल जाने से दिलीप पाठक और उनका पूरा परिवार सड़क पर आ गया है। शादी की तैयारी की खुशियां मातम में बदल गई है। जानकारी के अनुसार सोमवार रात 10:30 बजे घर के भीतर जलाए गए मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती से आग लग गई। घटना के समय परिवार के लोग सोए हुए थे। इस कारण आग लगने की जानकारी समय पर नहीं हुई। देखते-देखते कंडी- बांस का कच्चा मकान जलने लगा। घर के सदस्यों ने भाग कर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर आसपास के लोग जुटे और मोटर पंप के सहारे आग पर काबू पाने का प्रयास किया। इसी बीच सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और करीब 3 घंटे तक मेहनत करने के बाद आग बुझाई। आग मंगलवार रात 2:00 बजे बुझी। दिलीप पाठक के अनुसार उसकी पांच बेटियां हैं। कच्चे मकान में दो बेटी और उनका पूरा परिवार रहता था। अगल बगल तीन बेटियों का घर है। घटना के समय दिलीप पाठक और उनकी पत्नी घर पर नहीं थे। मंगलवार सुबह पहुंचे। दिलीप पाठक ने मंगलवार सुबह 9:00 बजे बताया कि एक नतनी की शादी की तैयारी की जा रही थी। सगाई करनी थी, इसके लिए कई तरह के सामान खरीद कर रखे गए थे। इस घटना में सगाई के सामान समेत सोने चांदी के जेवरात, नगद 50 हजार रुपये, खाद्य सामग्री, पहनने ओढ़ने एवं बिछाने के कपड़े, फर्नीचर सहित अन्य सामान चलकर नष्ट हुए हैं। पूरा मकान जल जाने के कारण बेटी के घर रहना पड़ेगा।

बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज ऑफ एजुकेशन में डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी का जन्मदिवस का आयोजन

डोमचांच : आंतरिक गुणवत्ता आशवासन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जन्मदिवस का आयोजन किया गया। मौके पर महाविद्यालय सचिव श्री हिमांशु कुमार, प्राचार्य डॉ. भूपेंद्र ठाकुर एवं सभी प्रोफेसर ने मिलकर संयुक्त रूप से माल्यार्पण किया और दीप प्रज्वलित कर किया। सचिव हिमांशु कुमार ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे भारतीय समाज में ऐसे महापुरुष का होना बहुत ही गर्व की बात है, डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी का एक-एक वाक्य ग्रंथ के समान था, उन्होंने भारत के सामाजिक व्यवस्था में सभी को समान करने के लिए, महिलाओं को शिक्षित करने हेतू संविधान के दायरे में एक ऐसा नवनिर्माण किये जिससे भारतीय समाज हमेशा खुशहाल रहेगा बशर्ते इस संविधान से छेड़छाड़ न हो। बी. एड. प्रशिक्षु मधु कुमारी व सोनाली कुमारी ने भी अपने अभिभाषण के द्वारा बाबा साहेब के जीवन परिचय एवं राष्ट्र के लिए उनके योगदान के बारे बताया ' मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य, सचिव, सहायक शिक्षक डॉ. मनोज विश्वकर्मा, डॉ. हरीश कुमार नीरज, प्रो. प्रदीप कुमार पाण्डेय एवं आंतरिक गुणवत्ता आशवासन प्रकोष्ठ से डॉ. विनोद कुमार अवस्थी, प्रो. रवि कुमार पटेल, प्रो. विभूति पटेल, प्रो. अमित कुमार ठाकुर, बी. एड., डी. एल. एड. के सभी प्रशिक्षणार्थी एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

भारतरत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनायी गयी

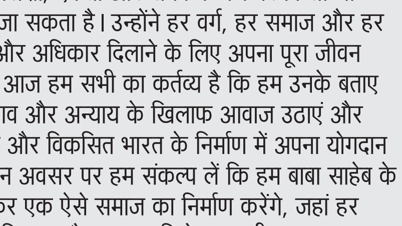

डोमचांच : कोडरमा जिला के डोमचांच प्रखंड अंतर्गत फुलवरिया में संचालित सत्यम शिवम सुंदरम उच्च विद्यालय फुलवरिया के प्रांगण में बड़े धूमधाम से डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनायी गयी। पूरे विद्यालय परिवार के साथ-साथ अभिभावक सबसे पहले उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किये। 14 अप्रैल का दिन हमें उस महान व्यक्तित्व की याद दिलाता है, जिन्होंने अपने संघर्ष,ज्ञान और दृढ़ संकल्प से भारत को एक नई दिशा दी। डॉ भीमराव अंबेडकर जी ने न केवल हमारे देश का संविधान निर्माण किया, बल्कि समाज में समानता,न्याय और अधिकारों की अलख भी जगाई। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि शिक्षा, एकता और संघर्ष के बल पर किसी भी अन्याय को हराया जा सकता है। उन्होंने हर वर्ग, हर समाज और हर व्यक्ति को सम्मान और अधिकार दिलाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। आज हम सभी का कर्तव्य है कि हम उनके बताए मार्ग पर चलें, भेदभाव और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं और एक मजबूत, समान और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। आइए, इस पावन अवसर पर हम संकल्प लें कि हम बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाकर एक ऐसे समाज का निर्माण करेंगे, जहां हर व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान मिले। जय भीम! जय संविधान! मौके पर विद्यालय के निदेशक सुखदेव हजाम, वरिष्ठ शिक्षक आशीष मिस्त्री, प्राचार्य रामकृष्ण मेहता, शिक्षक प्रदीप कुमार मेहता, अरुण कुमार, शिक्षिका ममता कुमारी, अभिभावक ललिता देवी, प्रमिला देवी, आरती देवी, मनीता देवी, ललिता देवी, अंजनी देवी, कंचन देवी, मीना देवी, उमेश यादव, कैलाश विश्वकर्मा सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

आंबेडकर आवासीय विद्यालयों में शिक्षकों के 62 फीसदी पद खाली

पटना (एजेंसी) राज्य के डॉ. भीमराव आंबेडकर 10+2 अनुसूचित जाति एवं जनजाति आवासीय विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह मैनेजमेंट के भरोसे है। राज्य के 96 स्कूलों में कुल स्वीकृत 3456 पदों में से 2151 पद खाली है। यानी, इन स्कूलों में 62% शिक्षकों की कमी है। सबसे भयावह स्थिति सीनियर सेकेंडरी (11वीं-12वीं) कक्षाओं की है, जहां 74% विशेषज्ञ शिक्षक मौजूद ही नहीं हैं। इनमें स्वीकृत पद 1824 में से 470 ही शिक्षक हैं। 1354 पद रिक्त है। इसे भरने के लिए अनुसूचित जाति-जनजाति विभाग ने वर्तमान में 50 स्कूलों के मानक पर 479 पदों के लिए बीपीएससी को अधियाचना भेजी है। वहीं साइंस संकाय बिना शिक्षक के ही चल रहा है। साथ ही किसी भी स्कूल में संगीत के शिक्षक नहीं है। 96 स्कूलों में केवल 31 स्थायी प्रधानाध्यापक : किसी भी स्कूल का अनुशासन उसके प्रधानाध्यापक पर निर्भर करता है, लेकिन यहां नेतृत्व का अकाल है। 96 स्कूलों में सिर्फ 31 स्थायी प्रधानाध्यापक नियुक्त हैं। 65 स्कूल बिना प्रधानाध्यापक के ही चल रहे हैं। इन पदों को भरने का नियम 80% प्रोन्नति और 20% सीधी भर्ती का है। सीधी भर्ती के मात्र 14 पदों के लिए आयोग को फाइल भेजी गई है । अनुसूचित जाति-जनजाति विभाग ने 40 नए आवासीय स्कूलों को मंजूरी दी है और 1440 नए पद सृजित किए हैं। सृजित पद के अनुसार 40 प्रधानाध्यापक, 760 सीनियर शिक्षक, 360 मिडिल और 280 प्राथमिक शिक्षक होंगे। लेकिन, अब तक इन स्कूलों का निर्माण पूरा नहीं हुआ है। बड़ा सवाल है कि जब पुराने 96 स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है, तो इन नए संस्थानों के लिए शिक्षक कहां से आएंगे? पटनोउपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि डॉ. आंबेडकर आवासीय विद्यालय और छात्रावासों के छात्र-छात्राओं को इस महीने से दोगुना अनुदान मिलने लगेगा। अब हर छात्र को 2 हजार रुपए मिलेगा।

गैर प्रशासनिक सेवा के अफसर फिर बन सकेंगे आईएएस

पटना (एजेंसी) बिहार के गैर प्रशासनिक सेवा के अफसरों के लिए फिर आईएएस बनने का दरवाजा खुला है। सामान्य प्रशासन ने हर विभाग से दो सबसे काबिल अफसरों के नाम 20 मई तक मांगा है। यह कदम उन अधिकारियों के लिए बड़ी उम्मीद है, जो प्रशासनिक सेवा का हिस्सा नहीं होते हुए भी अपनी तकनीकी और विशेषज्ञता वाली सेवाओं के माध्यम से शासन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इसके तहत डॉक्टर, इंजीनियर और वित्त सेवा के अधिकारी भी आईएएस अफसर बन सकेंगे। इसके लिए गजेटेड अफसर के रूप में 8 साल की सेवा और 56 साल से कम उम्र का होना जरूरी है। इसमें बिहार प्रशासनिक सेवा, बिहार पुलिस सेवा और बिहार वन सेवा के अधिकारियों को शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि उनके लिए प्रमोशन का अलग कोटा निर्धारित है। इस विशेष विंडो के जरिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा (डॉक्टर), इंजीनियरिंग सेवाएं, सूचना सेवा, वित्त सेवा, सहकारिता और श्रम सेवा सहित अन्य गजेटेड कैडर के अधिकारी आईएएस बनने के पात्र होंगे। विभागवार स्क्रूटिनी के बाद मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति अंतिम रूप से नामों का चयन कर संघ लोक सेवा आयोग और कार्मिक मंत्रालय को भेजती है।

18 के बाद 4 डिग्री तक चढ़ेगा पारा, तेज होगी गर्मी; हीट वेव भी चलेगी

पटना (एजेंसी) राजधानी समेत राज्यभर में मौसम के तेवर बिगड़े हुए हैं। पटना मौसम केंद्र के मुताबिक 18 अप्रैल के बाद दक्षिण और मध्य बिहार के कई जिलों में पारा 4 डिग्री तक बढ़ेगा, जिससे अधिकतम तापमान 40 के पार जाने की संभावना है। गयाजी, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर, नवादा, बक्सर समेत कई जिलों में हीट वेव की स्थिति बनेगी। उत्तर-पूर्व बिहार के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण और कई ट्रफ लाइन बनी हैं। इससे नमी कम हो रही है और मौसम शुष्क बना हुआ है। तेज धूप और गर्म हवाएं तापमान को लगातार बढ़ा रही हैं। कई जगहों पर हवा की रफ्तार 30 से 40 किमी तक पहुंच रही है। इससे अब दिन में बाहर निकलना मुश्किल होने लगा है। शरीर में पानी की कमी और थकान बढ़ रही है। खासकर बच्चे और बुजुर्ग ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। बारिश के आसार कम : पिछले 24 घंटों में पूरे राज्य में मौसम शुष्क रहा। अगले 7 दिनों तक अधिकांश जिलों में बारिश की संभावना नहीं है। अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में एक-दो जगह हल्की बारिश संभव है। इस बीच राज्य में अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री से 39.4 सेल्सियस के बीच बना रहा। सासाराम के डेहरी में सबसे अधिक 39.4 डिग्री तापमान रहा। राजधानी पटना में भी अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री रहा। आलम यह था कि राजधानी में सुबह से ही तेज धूप हो गई थी।

पटना नगर निगम : 200 करोड़ तक के म्यूनिसिपल बॉन्ड प्रस्ताव को मंजूरी

पटना (एजेंसी) पटना नगर निगम के 200 करोड़ रुपए तक के म्यूनिसिपल बॉन्ड जारी करने के प्रस्ताव को नगर विकास एवं आवास विभाग ने मंजूरी दे दी है और इसे वित्त विभाग की सहमति के लिए भेजा गया है। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि वित्त विभाग की सहमति के बाद प्रस्ताव मंत्रिपरिषद के समक्ष जाएगा और स्वीकृति मिलते ही बॉन्ड जारी करने की प्रक्रिया शुरू होगी। इससे पटना देश के चुनिंदा उन नगर निकायों में शामिल होगा, जो बॉन्ड के जरिए पूंजी जुटाते हैं। नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति ने अपनी 19वीं बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृत किया था। बॉन्ड से जुटाई गई राशि से अर्बन चैलेंज फंड के तहत रेलवे स्टेशन के पास न्यू मार्केट क्षेत्र के पुनर्विकास सहित व्यावसायिक विकास परियोजनाएं आगे बढ़ाने का लक्ष्य है। नगर निगम ने क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के चयन की निविदा भी जारी की है और प्रस्ताव को एए तक रेटिंग मिलने की संभावना जताई गई है।

ग्रामीण बैंक के खातों में 1 महीने में 70 लाख के 400 ट्रांजेक्शन हुए

पटना (एजेंसी) आशियाना नगर स्थित बिहार ग्रामीण बैंक के कुछ खातों में एक महीने में 400 ट्रांजेक्शन हुए। इन खातों में अनुमान के अनुसार एक महीने में करीब 70 लाख का ट्रांजेक्शन हुआ। बैंक मैनेजर को खाता ऑपरेट करने वाले आदित्य पर शक हुआ। बैंक अधिकारियों ने उससे पूछताछ शुरू की। वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद डायल 112 पर फोन कर आदित्य को पुलिस को सौंप दिया गया। राजीव नगर थाने की पुलिस ने पूछताछ के बाद आदित्य को छोड़ दिया गया। राजीव नगर थानेदार ने कहा कि संदिग्ध ट्रांजेक्शन का मामला आया था। छोटे एमाउंट का लेनदेन हुआ है। केस दर्ज किया गया है। आरोपित को नोटिस देकर छोड़ा गया है। बैंक अधिकारियों को यह खाते म्यूल अकाउंट होने की आशंका है। इसी कारण आदित्य को पुलिस को सौंपा गया था। आदित्य कुमार नौ अप्रैल को 1.50 लाख का चेक लेकर आशियाना नगर स्थित बिहार ग्रामीण बैंक पहुंचा। कैशियर ने आदित्य के खाते में पैसा ट्रांसफर कर दिया। कुछ ही मिनट में उसके खाते से पैसा निकल भी गया। इस कारण बैंककर्मियों को शक हुआ। इस बात की जानकारी मैनेजर को दी गई। मैनेजर और अन्य अधिकारियों ने आदित्य से पूछताछ की। उसके एकाउंट को खंगाला जाने लगा। पता चला कि आदित्य और उसके रिश्तेदारों के नाम पर बैंक में करीब 14 अकाउंट है। इन खातों में एक महीने में 400 ट्रांजेक्शन के जरिए करीब 70 लाख का लेनदेन हुआ है।

बिहार में 'नीतीश युग' का अंत! इस्तीफा देंगे सीएम, भाजपा के नेतृत्व में बनेगी नई सरकार

पटना (एजेंसी) बिहार का मुख्यमंत्री कौन बनेगा? आज इस सवाल का जवाब मिल जाएगा। आज का दिन बिहार की सियासत के काफी खास है। कई महत्वपूर्ण बैठकें होंगी। सुबह से ही सियासी गलियारे में हलचल है। आइये जानते हैं आज कब क्या होगा बिहार को आज अपने नए मुख्यमंत्री के बारे में पता चल जाएगा। 20 साल से बिहार के सीएम रहे नीतीश कुमार सुबह 11 बजे कैबिनेट की बैठक करेंगे। इसमें कई महत्वपूर्ण एजेंडों पर मुहर लगाएंगे। इसके बाद वह जनता दल यूनाईटेड के विधायक दल की बैठक में शामिल होंगे। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी की भी विधायक दल की बैठक होगी। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार अपना इस्तीफा राज्यपाल सैयद अता हसनैन को सौंपेंगे। मुख्यमंत्री के इस्तीफा के बाद केंद्रीय मंत्री और पर्यवेक्षक शिवराज सिंह चौहान की देखरेख में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बैठक होगी। इसमें शिवराज सिंह बिहार के सीएम का एलान करेंगे। बताया जा रहा है कि भाजपा के आलाकमान ने मुख्यमंत्री का नाम फाइनल कर लिया है। आज दिल्ली से भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह आएंगे। दोनों नेता एनडीए के विधायक दल की बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद नए मुख्यमंत्री राज्यपाल से मिलेंगे और सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर सीएम नीतीश कुमार के साथ नीतीश कुमार के आवास पर हाईलेवल मीटिंग चली। इसमें जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, ललन सिंह, बिजेंद्र यादव, विजय चौधरी, श्रवण कुमार, जमा खान मौजूद थे। सभी लोगों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ बैठक की। इसमें 14 अप्रैल को होने वाली एनडीए की विधायक दल की बैठक और जदयू कोटे से बनने वाले मंत्री और निशांत कुमार को लेकर बातचीत हुई। बैठक के बाद ललन सिंह और संजय झा डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी से मिलने उनके आवास पर गए थे। करीब 35 मिनट तक मीटिंग चली। सूत्र बता रहे हैं जदयू के डिप्टी सीएम और मंत्रियों की लिस्ट सम्राट चौधरी को सौंप दी गई है। नए मंत्रिमंडल में जदयू की ओर से दो डिप्टी सीएम होने की बात सामने आ रही है। इसमें पहले नंबर पर निशांत कुमार का नाम चल रहा है। बाकी वर्तमान मंत्रियों को रिपीट किया जाएगा। भाजपा, लोजपा (राम), हम और रालोमो कोटे से भी मंत्री रिपीट होंगे। शपथ ग्रहण समारोह 15 अप्रैल को बिहार का नया सीएम 15 अप्रैल को मिल जाएगा। सुबह 11 बजे लोक भवन में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया है। इसमें सीएम और डिप्टी सीएम समेत 21 मंत्री शपथ ले सकते हैं। पहली बार भाजपा बड़े भाई की भूमिका में रहेगा। नए मुख्यमंत्री की रेस में सम्राट चौधरी का नाम पहले नंबर पर है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रम पर गौर करें तो उनके नाम पर मुहर लग सकती है। सोमवार शाम में सम्राट चौधरी के आवास पर सुरक्षा भी बढ़ा दी गई।

गेटवे ऑफ वीटीआर बनेगा बिहार का नया टूरिस्ट हब, जानिए कब तक खुलने की है संभावना

पटना (एजेंसी) बगहा वन क्षेत्र में विकसित हो रहा गेटवे ऑफ वीटीआर अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है. वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के मदनपुर रेंज में बन रहा यह इको-टूरिज्म स्पॉट अप्रैल के आखिरी सप्ताह तक पर्यटकों के लिए खोला जा सकता है. बगहा वन क्षेत्र में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा विकसित किया जा रहा गेटवे ऑफ वीटीआर अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है. वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के मदनपुर रेंज में बन रहा यह नया इको-टूरिज्म स्पॉट जल्द ही पर्यटकों के लिए खोला जा सकता है. करीब 0.548 एकड़ क्षेत्र में फैले इस प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, जबकि गेटवे का अंतिम काम तेजी से चल रहा है. इस पूरे प्रोजेक्ट पर लगभग 3.13 करोड़ रुपये की लागत आई है. इसमें मुख्य प्रवेश द्वार के साथ हरियाली, बैठने की सुविधा और आकर्षक डिजाइन शामिल हैं. पर्यटकों के लिए नया आकर्षण केंद्र बनेगा यह इको-पर्यटन स्थल खासतौर पर उन सैलानियों के लिए तैयार किया जा रहा है जो प्राकृतिक वातावरण में सुकून के पल बिताना चाहते हैं. यहां आने वाले पर्यटक न केवल सुंदर नजारे देख सकेंगे, बल्कि आरामदायक माहौल में समय भी बिता पाएंगे. अप्रैल के अंत में उद्घाटन की तैयारी बगहा वन क्षेत्र पदाधिकारी श्रीमान मालाकार के अनुसार, पार्क का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है और गेटवे अंतिम चरण में है. यदि सब कुछ प्लान के अनुसार रहा तो अप्रैल के अंतिम सप्ताह में वरीय अधिकारियों द्वारा इसका उद्घाटन किया जा सकता है. जल्द तय होगा प्रवेश शु फिलहाल पार्क में प्रवेश शुल्क तय नहीं किया गया है. इसके लिए प्रस्ताव वरीय अधिकारियों को भेजा गया है. उम्मीद है कि जल्द ही शुल्क निर्धारित कर दिया जाएगा, ताकि आम पर्यटक भी आसानी से यहां पहुंच सकें. पर्यटकों के लिए सुविधाओं का खास इंतजाम इस स्थल पर पर्यटकों के लिए बैठने की व्यवस्था, नाश्ते की सुविधा और बच्चों के मनोरंजन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं. पूरे परिसर में सुरक्षा के लिए उउळश कैमरे लगाए गए हैं और जंगली जानवरों से सुरक्षा हेतु घेराबंदी भी की गई है. साथ ही आकर्षक लाइटिंग इसे और भी सुंदर बनाएगी. पर्यटन और रोजगार को मिलेगी नई रफ्तार गेटवे ऑफ वीटीआर के शुरू होने से वाल्मीकिनगर क्षेत्र में पर्यटन को नई पहचान मिलने की उम्मीद है

बिहार में नई सरकार के गठन के पहले राजद नेता ने जेडीयू को किया सतर्क

पटना (एजेंसी) बिहार में सत्ता परिवर्तन की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे की चर्चा तेज हो गई है. इसी बीच राष्ट्रीय जनता दल (फखऊ) के नेता भाई वीरेंद्र ने कहा कि इस्तीफे के बाद ही कुछ कहना उचित होगा, लेकिन साथ ही भाजपा पर सहयोगी दलों को खत्म करने का गंभीर आरोप भी जड़ दिया. बिहार की राजनीति में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे की खबरों के बीच राजद के नेता भाई वीरेंद्र ने भाजपा की रणनीति पर सवाल उठाए हैं, बल्कि जेडीयू के भविष्य को लेकर भी बड़ी चेतावनी दे दी. क्या भाजपा अपने सहयोगियों को निगलने की राह पर है? या फिर बिहार को पहली बार भाजपा का अपना मुख्यमंत्री मिलने वाला है? भाई वीरेंद्र ने मीडिया से बातचीत में कहा कि -फिलहाल जो खबरें चल रही हैं, उन पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी. उनका कहना था कि अगर मुख्यमंत्री इस्तीफा देते हैं, तो उसके बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी. सहयोगियों को किनारे लगाना भाजपा की फितरत राजद नेता भाई वीरेंद्र ने सीधे तौर पर भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा कि उन्होंने पांच साल पहले ही इस स्थिति की भविष्यवाणी कर दी थी. उनका दावा है कि भाजपा जहां भी गठबंधन करती है, वहां अपने सहयोगी दलों का अस्तित्व धीरे-धीरे समाप्त कर देती है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ह्लभाजपा अपने सहयोगियों को निगलने का काम करती है और आज जेडीयू की भी वही स्थिति हो रही है ह्न क्या सम्राट चौधरी बनेंगे बिहार के नए कप्तान ? सम्राट चौधरी के नाम पर जारी चचाओं के बीच भाई वीरेंद्र ने स्पष्ट किया कि भाजपा के पास वर्तमान में संख्या बल है और यह उनका विशेषाधिकार है कि वे किसे मुख्यमंत्री घोषित करते हैं. उन्होंने यह भी जोड़ा कि अंततः फैसला जनता की अदालत में होगा.

बिहार में 'थोपा हुआ मुख्यमंत्री' लाने की तैयारी! नीतीश के इस्तीफे से पहले कांग्रेस का भाजपा पर बड़ा हमला

पटना (एजेंसी) बिहार में नई सरकार के गठन से पहले सियासत अपने चरम पर पहुंच गई है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे की खबरों के बीच कांग्रेस ने तीखा हमला बोला है. कांग्रेस नेता राजेश राठौर ने आरोप लगाया है कि बिहार को थोपा हुआ मुख्यमंत्री मिलने जा रहा है. बिहार की सियासत में आज एक युग का अंत होने जा रहा है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं, जिसके बाद राज्य को एक नया चेहरा मिलने की उम्मीद है. इस बदलाव के बीच कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर हमला बोलकर राजनीतिक पारे को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है. कांग्रेस का दावा है कि बिहार की जनता की पसंद को दरकिनार कर दिल्ली से मुख्यमंत्री को थोपा जा रहा है. कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बयान जारी कर कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए मुख्यमंत्री को हटाकर नया चेहरा लाया जा रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि यह फैसला जनता की इच्छा के खिलाफ है और बिहार को ऐसा मुख्यमंत्री मिलेगा जिसका नाम तक अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है. राठौड़ ने सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सब कुछ सोची-समझी साजिश के तहत हो रहा है ताकि यह संदेश दिया जा सके कि देश में व्यक्ति विशेष संविधान से ऊपर है. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने भी उठाए सवाल बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार राम ने इस पूरे घटनाक्रम को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती से जोड़ते हुए इसे संविधान का अपमान बताया है. उन्होंने कहा कि जिस दिन पूरा देश संविधान निमार्ता को नमन कर रहा है, ठीक उसी दिन बिहार में लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए मुख्यमंत्री को हटाकर दिल्ली से नाम तय किया जा रहा है. कांग्रेस ने इस पूरे घटनाक्रम को अंबेडकर जयंती से जोड़ते हुए गंभीर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा कि जिस दिन संविधान निमार्ता की जयंती है, उसी दिन इस तरह का फैसला लेना लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है.उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि वे खुद को संविधान से ऊपर मानते हैं. कांग्रेस का आरोप है कि नाम गुप्त रखना इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री का चुनाव बिहार के विधायकों ने नहीं बल्कि दिल्ली के आलाकमान ने किया है. राजेश राम ने भी इस पर दुख जताते हुए कहा कि आज लोकतंत्र खोखला महसूस हो रहा है.

कुम्हरार विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल, सिलीगुड़ी से लौटते वक्त हुआ एक्सीडेंट

पटना (एजेंसी) बिहार की राजनीति में नए समीकरणों और सरकार गठन की सुगराहट के बीच पटना के कुम्हरार से भाजपा विधायक संजय गुप्ता जो पश्चिम बंगाल के चुनावी दौरे से वापस लौट रहे विधायक की गाड़ी हादसे का शिकार हो गई है. बिहार में नई सरकार के गठन से पहले एक चिंताजनक खबर सामने आई है. कुम्हरार से बीजेपी विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल हो गए हैं. यह हादसा उस समय हुआ जब वे पश्चिम बंगाल से पटना लौट रहे थे. फिलहाल उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है और डॉक्टरों की टीम लगातार निगरानी कर रही है. बंगाल से वापसी के दौरान हुआ हादसा संजय गुप्ता पिछले कुछ दिनों से पश्चिम बंगाल में भाजपा के संगठनात्मक और चुनावी कार्यक्रमों में व्यस्त थे.सिलीगुड़ी में अपने निर्धारित कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद वे सड़क मार्ग से पटना वापस लौट रहे थे. इसी यात्रा के दौरान उनका वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और सुरक्षाकर्मियों की मदद से उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया. डॉक्टरों की एक विशेष टीम उनके स्वास्थ्य की लगातार मॉनिटरिंग कर रही है. डॉक्टरों की निगरानी में विधायक हादसे में विधायक के सीने में चोट लगने की बात सामने आई है. उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है. अस्पताल सूत्रों के अनुसार, उनकी हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें ऑब्जर्वेशन में रखा गया है. कार्यकताओं में चिंता जैसे ही यह खबर पटना पहुंची, कुम्हरार विधानसभा क्षेत्र के समर्थकों और भाजपा कार्यकताओं में चिंता की लहर दौड़ गई. पार्टी के कई स्थानीय नेता अस्पताल पहुंच चुके हैं, जबकि पटना में मौजूद वरिष्ठ नेताओं ने फोन के जरिए उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली है. बिहार में नई सरकार के गठन की तैयारियों के बीच इस हादसे ने भाजपा खेमे को थोड़ा स्तब्ध कर दिया है. उनके समर्थकों को उनकी मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार है ताकि उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना लाया जा सके.

तेजप्रताप की भविष्यावाणी- बिहार के अगले सीएम 'रामजी' होंगे, नीतीश पर क्या बोले

पटना (एजेंसी) बिहार में सत्ता परिवर्तन की हलचल के बीच तेज प्रताप यादव ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा है कि बिहार के अगले सीएम 'रामजी' होंगे. तेजप्रताप ने नीतीश कुमार पर भी प्रतिक्रिया दी है. बिहार की राजनीति में आज एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है. नई सरकार के गठन की सुगबुगाहट के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है. इसी बीच जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने नीतीश कुमार पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. मीडिया से बातचीत में तेज प्रताप यादव ने कहा कि भगवान जाने उनके (नीतीश कुमार) मन में क्या चल रहा है. दुनिया में लोग कुर्सी पाने के लिए परेशान रहते हैं, लेकिन यहां तो वे कुर्सी छोड़कर भाग रहे हैं. उनके इस बयान ने सियासी माहौल को और गर्म कर दिया है. अगले मुख्यमंत्री पर ह्यरामजीह्न वाला बयान जब पत्रकारों ने उनसे बिहार के अगले मुख्यमंत्री को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने किसी नेता का नाम लेने के बजाय कहा कि अगले मुख्यमंत्री रामजी होंगे. तेज प्रताप के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं. बयान के कई मायने, सियासत में नई बहस तेज प्रताप यादव के रामजी वाले बयान को लेकर अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं. कुछ लोग इसे भाजपा की राम राजनीति पर तंज मान रहे हैं, तो कुछ इसे उनके अलग अंदाज की प्रतिक्रिया बता रहे हैं. नीतीश की विदाई पर ह्यपार्टीह्न देने की बात तेज प्रताप यादव ने नीतीश कुमार के लंबे कार्यकाल के खत्म होने पर मजाकिया लहजे में कहा कि उनकी विदाई पर वे पार्टी देंगे. उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर भी तेजी से जगह बना ली है. सियासी हलचल के बीच जनता में बढ़ी उत्सुकता

एक ओर जहां भाजपा अपने मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर तैयारी में है, वहीं तेज प्रताप यादव के बयान ने सियासी माहौल को और दिलचस्प बना दिया है. फिलहाल पूरे बिहार की नजरें नए मुख्यमंत्री के ऐलान पर टिकी हुई हैं.

पटना हॉस्टल कांड : CBI को कोर्ट की कड़ी फटकार, कहा– 'जांच में लापरवाही से आरोपी के बचने का रास्ता हुआ साफ'

पटना (एजेंसी) पटना के चर्चित हास्टल कांड में अदालत ने जांच एजेंसी CBI को कड़ी फटकार लगाई है. कोर्ट ने साफ कहा कि वैज्ञानिक साक्ष्यों की कमी और जांच में निरंतरता के अभाव ने पूरे केस पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. पटना के चर्चित नीट छात्रा मामले में पॉक्सो कोर्ट ने मामले की जांच कर रही देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी उइक के रवैये पर बेहद तल्ख टिप्पणी की है. अदालत ने कहा है कि अब तक चार जांच अधिकारी (IO) बदले जा चुके हैं, लेकिन किसी ने भी जिम्मेदारी से काम नहीं किया. जांच में निरंतरता की कमी और वैज्ञानिक साक्ष्यों के अभाव ने पूरे केस को कमजोर कर दिया है, जिससे अब आरोपी के बचने का रास्ता साफ होता दिख रहा है. चार-चार जांच अधिकारी फिर भी खाली हाथ अदालत ने अपनी टिप्पणी में इस बात पर गहरा क्षोभ प्रकट किया कि इस हाई-प्रोफाइल केस में बिहार पुलिस के दो और सीबीआई के दो आईओ ने जांच की, लेकिन हर बार नए सिरे से शुरूआत की गई. पिछले अधिकारियों द्वारा जुटाए गए तथ्यों और वर्तमान जांच के बीच कोई तालमेल नहीं दिखा. कोर्ट ने इसे जानबूझकर की गई लापरवाही करार दिया है. सीबीआई द्वारा पेश की गई स्टेटस रिपोर्ट को अधूरा और अस्पष्ट बताते हुए कोर्ट ने आदेश दिया है कि अब आईओ नहीं, बल्कि सीबीआई के एसपी खुद शपथपत्र दायर करेंगे. 90 दिन पूरे, लेकिन चार्जशीट का अता-पता नहीं इस मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि मुख्य आरोपी मनीष कुमार रंजन 15 जनवरी से जेल में बंद है, लेकिन सीबीआई ने अब तक उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल नहीं की है. कानूनन पॉक्सो एक्ट के मामलों में 90 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल करना अनिवार्य है. अगर 15 अप्रैल तक चार्जशीट पेश नहीं की गई, तो तकनीकी आधार पर आरोपी को जमानत मिल सकती है. अनसुलझी मौत की गुत्थी हैरानी की बात यह है कि महीनों की जांच के बाद भी एजेंसियां यह पता नहीं लगा पाई हैं कि छात्रा की मौत आखिर हुई कैसे? मेडिकल ओपिनियन से लेकर गवाहों के बयान और सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण तक, हर मोर्चे पर नाकामी हाथ लगी है. मृतका के कमरे से मिली दवाइयों की स्ट्रिप्स और अन्य बरामद सामानों में भी विसंगतियां पाई गई हैं. परिजनों के वकील ने आरोप लगाया है कि एजेंसियां आरोपी को बचाने की कोशिश कर रही हैं, यही वजह है कि साक्ष्यों की चेन ऑफ कस्टडी तक स्थापित नहीं की जा सकी है.

कार्डियोलॉजिस्ट बनकर रखें लोगों के दिलों का ख्याल

एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। हृदय हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण आंतरिक अंग है और एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए जरूरी है कि आप इसका पूरी तरह ख्याल रखें।

आमतौर पर लोग अपने दिल का ख्याल रखने के लिए खानपान से लेकर अन्य कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में व्यक्ति को कार्डियोलॉजिस्ट को कंसल्ट करने की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजी चिकित्सा का एक प्रभाग है जो हृदय विकारों से संबंधित निदान और उपचार से संबंधित है। दिल के विकारों से निपटने वाले चिकित्सा चिकित्सकों को आमतौर पर कार्डियोलॉजिस्ट या हृदय रोग विशेषज्ञ कहा जाता है। चिकित्सा विज्ञान की इस शाखा का बेहद महत्व है और अगर आप चाहें तो इस दिशा में अपना कदम बढ़ा सकते हैं–

क्या होता है काम

एक हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय, धमनियों और नसों का डॉक्टर है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय की विफलता, जन्मजात हृदय दोष और कोरोनरी धमनी रोग का निदान और उपचार प्रदान करते हैं। इसमें धमनियों के संकीर्ण होने, हृदय के वाल्व में समस्याएं, मांसपेशियों के ऊतकों को नुकसान और पेरिकार्डियम के विकार के कारण प्रतिबंधित परिसंचरण के कारण होने वाली समस्याएं शामिल हैं।

स्किल्स

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म–प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए अनुशासन, धैर्य, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का होना भी उतना ही आवश्यक है। उनके पास जीवन की खतरनाक स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कैरियर कोच कहते हैं कि हृदय रोग विशेषज्ञ को भी आहार और व्यायाम विशेषज्ञ भी होना चाहिए।

योग्यता

एक कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री के अलावा कई सालों की प्रैक्टिस, लाइसेंस व बोर्ड सर्टिफिकेशन होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमडी/एमएस या डीएनबी की डिग्री लेने के बाद इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के लिए डीएम इन कार्डियोलॉजी की डिग्री लेनी होगी। इस डिग्री की अवधि लगभग तीन साल की होती है।

अवसर

कॅरियर काउंसलर के अनुसार, एक प्रोफेशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप सरकारी या प्राइवेट हास्पिटल में बतौर डॉक्टर काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप कार्डियक रिहैबिलेशन सेंटर या क्लीनिक टेस्टिंग सेंटर्स में भी काम कर सकते हैं। वहीं आप खुद की प्रैक्टिस भी शुरू कर सकते हैं और खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं। जो कार्डियोलॉजिस्ट पढ़ाना पसंद करते हैं, वे मेडिकल कॉलेजों में बतौर लेक्चरर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनी

एक कार्डियोलॉजिस्ट की आमदनी उसके अनुभव व भौगोलिक स्थान पर मुख्य रूप से निर्धारित होती है। जो कार्डियोलॉजिस्ट शहर में काम करते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सैलरी मिलती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का स्तर कम हो सकता है। हालांकि अगर आप किसी सरकारी अस्पताल में बतौर फ्रेशर काम शुरू करते हैं, तब भी शुरूआती दौर में आप 25000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। जबकि निजी अस्पतालों में वेतन अधिक हो सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- गोविंद वल्लभ पंत इंस्टीटयूटी ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली
- रविन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंस, कोलकाता
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली
- आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे
- संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं? कोर्स, जॉब और सैलरी

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स

फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12पद्ध में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए।फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी

इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि ?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी

योग्यता के आधार पर आपको शुरुआत में 20-50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

विदेशों में स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विदेशों से हायर एजुकेशन प्राप्त करना कई लोगों की टू-डू लिस्ट में शामिल होता है। कई लोग इसे प्राप्त कर लेते हैं और कई लोग इसे प्राप्त करने से वंचित भी रह जाते हैं। विदेशों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई करने पर जीवन में कई अवसर मिलते हैं। हालांकि हायर एजुकेशन जितने बेहतर अवसर देता है उतना ही खर्चीला भी है। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए एक बेहतर प्लानिंग की आवश्यकता तो होते ही है साथ ही आवश्यकता होती है नॉलेज की। उसी नॉलेज और प्लानिंग में से एक है स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना। जब स्कॉलरशिप की बात आती है तो हमें कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण बातों को जिन्हें स्कॉलरशिप प्राप्त करने से पहले ध्यान में रखना पड़ता है।

स्ट्रांग प्रोफाइल बनाएं

हालांकि स्कॉलरशिप के लिए एकेडमिक स्ट्रेन्थ आवश्यक है। अगर मास्टर्स करने का आप प्लान बना रहे हैं तो आपका जीपीए 70 से अधिक है तो स्कोर बेहतर माना जाता है। लेकिन केवल इतना ही आवश्यक नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग होना चाहिए। इसके लिए आप इसमें एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी जैसे स्पोर्टस, म्यूजिक, ड्रामा इत्यादि की डिटेल जरूर लिखें। इससे आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग बनेगा।

यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप से आगे बढ़कर सोचें

ध्यान रखें कि विदेशों में पढ़ने के लिए केवल यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि कई संस्था स्कॉलरशिप प्रदान करती है। ये स्कॉलरशिप सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट संस्थाओं द्वारा भी दिया जाता है। अगर आप भारत में हैं तो कई संस्था जैसे टाटा आपको विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देगी। इसके साथ ही अगर आप विदेश में हैं तो वो देश भी विदेशों छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप प्लान पर कार्य करता है। इन स्कॉलरशिप के बारे में दोनें देशों के एजुकेशन डिपार्टमेंट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोर्स से पहले कर दें अप्लाई

आप जो कोर्स करना चाहते हैं उसके शुरू होने से 18 महीने पहले आप अप्लाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि आवेदन करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिशन और वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता है। ऐसे में आपको समय पर स्कॉलरशिप भी मिल जाएगा और कोर्स में भी कोई समस्या नहीं होगी।

एप्लीकेशन का कराएं रिव्यू

एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद यह सबसे बेहतर आइडिया है कि उसका रिव्यू करा लिया जाए। रिव्यू कराने से एप्लीकेशन की कमियां सामने आएगी और उसके बाद सुधार किया जा सकेगा। अपना एप्लीकेशन और डॉक्यूमेंट लें और उसे किसी प्रोफेशनल के पास ले जाएं। ये प्रोफेशनल आपके शिक्षक या कोई अन्य एक्सपर्ट भी हो सकते हैं। इससे आपको रिव्यू मिलेगा और आप एप्लीकेशन में सुधार कर पाएंगे।

अधिक से अधिक रियल रहने का प्रयास करें

जब एप्लीकेशन लिखे तो ज्यादा से ज्यादा रियल रहने का प्रयास करें। यूनिवर्सिटी में आप खुद को निखारने और खुद को बेहतर बनाने के लिए जाते हैं इसी कारण एप्लीकेशन में खुद को ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर ना लिखें। जो हैं वह ईमानदारी के साथ लिखें और अपने स्किल, पैशन और इंटरेस्ट आदि के विषय में लिखें।

पेंट टेक्नोलॉजिस्ट बनकर कॅरियर को दें एक रंगीन दिशा

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। रंगों का जीवन से एक गहरा नाता है। रंगों के बिना दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी इन्हीं रंगों में अपना करियर बनाने की सोची है। अगर नहीं, तो अब आप इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जी हां, पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा ही क्षेत्र है। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में

क्या है पेंट टेक्नोलॉजी

पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पेंट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इंग्रीडिएंट जैसे रॉल, पॉलिमर व पिगमेंट आदि के बारे में अध्ययन किया जाता है। पेंट टेक्नोलॉजी में, विभिन्न प्रकार के पेंट, उनके निर्माण, विभिन्न प्रकार के पेंट के उपयोग और पेंट के अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस विषय क्षेत्र में स्नातक करने वालों को पेंट टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है।

क्या होता है काम

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। उनके काम में पेंट के नए रंग और बनावट विकसित करना, पेंट एप्लीकेशन के लिए नई तकनीक को विकसित करना आदि शामिल हैं। सरल भाषा में, वे नए उत्पादों को विकसित करने के साथ-साथ उन उत्पादों के गुणों को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए जिम्मेदार हैं जो पहले से ही विकसित किए गए हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को रंगों से बेहद प्यार होना चाहिए। साथ ही उसमें कई तरह के एक्सपेरिमेंटल स्किल्स भी होने चाहिए, ताकि वह नए रंगों के साथ-साथ उनके टेक्चर को भी बेहतर बना सके। एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को मेहनती होना चाहिए। इसके अलावा, आपमें अच्छी संचार कौशल और टीम भावना होनी चाहिए, क्योंकि आपको इस उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए पेंट टेक्नोलॉजिस्ट में प्रबंधकीय कौशल भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी करना होगा। बीटेक के बाद आप एमटेक कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों द्वारा पेंट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को केमिकल इंजीनियरिंग में एक विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

संभावनाएं

पेंट उद्योग के विभिन्न विभागों में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वे पेंट निर्माण कंपनियों के किसी भी विभाग में काम पा सकते हैं। पेंट उद्योग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट उद्योग पर निर्भर है। कई बड़ी-बड़ी पेंट मैन्युफैक्चिरिंग कंपनियों जैसे एशियन पेंट्स इंडिया लिमिटेड, शालीमार पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड आदि में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की हमेशा ही जरूरत होती है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, होम फर्निशिंग इंडस्ट्री आदि में भी कार्य कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में वेतन आपके अनुभव और उस सेक्टर पर निर्भर करता है, जिसके लिए आप काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति प्रारंभ में 1,25000 रूपए से 2,00000 रूपए प्रति वर्ष कमा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं तो आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपका वेतन भी बढ़ता जाता है।

प्रमुख संस्थान

हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर
यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जलगांव, महाराष्ट्र
गार्वेयर इंस्टीट्यूट ऑफ कॅरियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सांताक्रूज, महाराष्ट्र
लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर

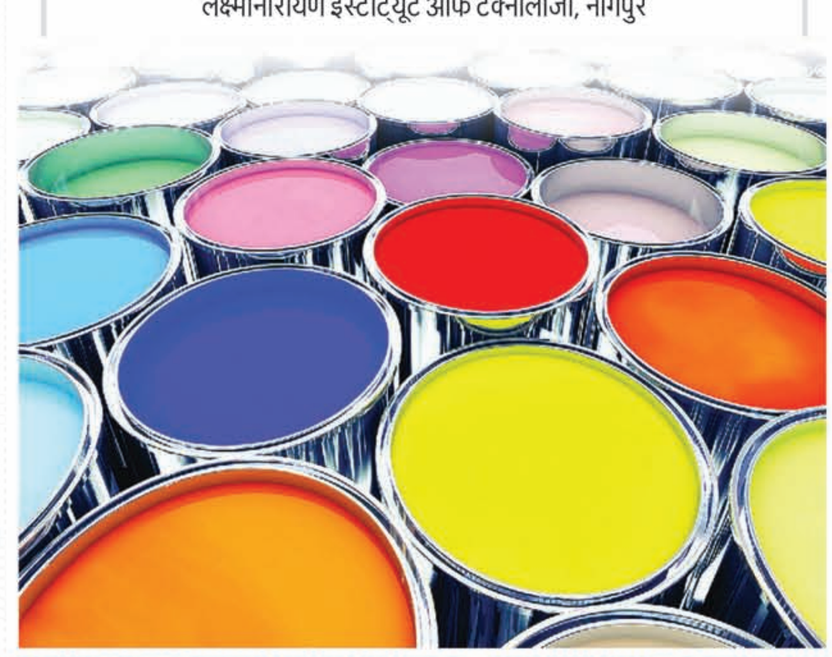

संजू सैमसन और अमेलिया केर बने मार्च के आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर को मार्च महीने के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। दोनों खिलाड़ियों को यह सम्मान उनके शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया। संजू सैमसन ने आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए यह अवॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इस दौड़ में अपने ही साथी जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन को पीछे छोड़ा। वहीं अमेलिया केर ने ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और दक्षिण अफ्रीका की अयाबोंगा खाका को पछाड़ते हुए महिला वर्ग का खिताब जीता।

विश्व कप में सैमसन का जलवा

संजू सैमसन को टी-20 विश्व कप में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता में खेले गए अहम मुकाबले में नाबाद 97 रन बनाए। इसके बाद सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई में 89 रन और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद में भी 89 रन की पारी खेली। सैमसन की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने न सिर्फ खिताब अपने नाम किया, बल्कि टी20 विश्व कप को बरकरार रखने वाली पहली टीम भी बनी और पहली बार अपने घर में ट्रॉफी जीती।

संजू सैमसन ने कहा,आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतना बेहद खास एहसास है। यह मेरे क्रिकेट करियर के सबसे यादगार दौर में मिला है। विश्व कप में भारत की जीत में योगदान देना मेरे लिए सपना पूरा होने जैसा है।

अमेलिया केर का ऑलराउंड प्रदर्शन

न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर ने मार्च में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चार वनडे मैचों में 176 रन बनाए और साथ ही लेग स्पिन से 18 विकेट भी हासिल किए। जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड ने 3-0 से जीत दर्ज की, जिसमें केर को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7 विकेट पर 34 रन रहा। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भी केर ने 276 रन बनाए और 6 विकेट लिए। उनकी शानदार खेल की बदौलत न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 4-1 से सीरीज जीती और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला।

अमेलिया केर ने कहा, यह महीना व्हाइट फर्न्स के लिए बेहद खास रहा। देश के लिए योगदान देना हमेशा अच्छा लगता है, लेकिन टीम का सामूहिक प्रदर्शन मेरे लिए सबसे बड़ी बात है। दोनों खिलाड़ियों का चयन आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर पंजीकृत वैश्विक प्रशंसकों और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों व मीडिया प्रतिनिधियों की विशेषज्ञ समिति के वोट के आधार पर किया गया।

पीएसएल ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी पर लगाया दो साल का प्रतिबंध

एजेंसी

लाहौर : पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया है। उनके खिलाफ यह कार्रवाई पीएसएल छोड़कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के फैसले के कारण की गई है। 29 वर्षीय मुजरबानी पहले आईपीएल और पीएसएल दोनों की नीलामी में नहीं बिके थे। इसके बाद उन्हें इस्लामाबाद यूनाइटेड ने रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया था। हालांकि, बाद में उन्होंने यह कॉन्ट्रैक्ट छोड़ दिया, जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने उन्हें अपनी टीम में शामिल होने का ऑफर दिया। कोलकाता ने उन्हें उस समय साइन किया, जब टीम को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के साथ अपना करार खत्म करना पड़ा। मुजरबानी आईपीएल 2026 में अब तक दो मैच खेल चुके हैं और अपने दूसरे मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 4 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। इससे पहले भी इसी तरह के मामले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी कॉर्बिन बॉश पर एक साल का बैन लगाया गया था। इस सीजन में स्पेंसर जॉनसन और दासुन शनाका ने भी पीएसएल छोड़कर आईपीएल खेलने का फैसला किया है। हालांकि, अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इन पर भी कार्रवाई की संभावना है। लीग ने कहा कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट में पारदर्शिता और अनुशासन बेहद जरूरी है। किसी मौजूदा अनुबंध के रहते दूसरी लीग से जुड़ना नियमों का उल्लंघन है और इससे सिस्टम पर भरोसा कमजोर होता है। पीएसएल ने साफ किया कि दो साल का बैन इस उल्लंघन की गंभीरता को दर्शाता है।

श्रेष्ठ यादव के नाबाद शतक से पीजीडीएवी कॉलेज की बड़ी जीत

एजेंसी

नई दिल्ली : तीसरे स्वामी दयानंद सरस्वती अंतर-कॉलेज टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को श्रेष्ठ पी यादव के शानदार नाबाद शतक की बदौलत पीजीडीएवी कॉलेज (पुरुष) ने श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज को 106 रन से करारी शिकस्त दी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पीजीडीएवी कॉलेज (पुरुष) ने निर्धारित 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 289 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम के लिए श्रेष्ठ यादव ने 52 गेंदों पर 108 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 10 छक्के शामिल रहे। उनके अलावा यश डाबस ने 36 गेंदों पर 98 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि अंकित कुमार ने 20 गेंदों पर 46 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में सक्षम ने 4 ओवर में 25 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि अंकित डाबस ने 3.1 ओवर में 3 विकेट हासिल किए। यश डाबस को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज की टीम 17.1 ओवर में 183 रन पर सिमट गई। टीम के लिए वीरेन वाही ने 52 रन और मेहुल ने 37 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। टूर्नामेंट के एक अन्य मुकाबले में श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज ने जाकिर हुसैन कॉलेज (पुरुष) को 5 विकेट से हराया। जाकिर हुसैन कॉलेज (पुरुष) ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 179 रन बनाए। टीम के लिए अनमोल पोरवाल ने 50 रन, हर्ष ने 46 रन का योगदान दिया, जबकि राहुल जोशी ने गेंदबाजी में 2 विकेट लिए। जवाब में श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज ने 18.4 ओवर में 5 विकेट खोकर 183 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने कार्लोस क्वीरोज को बनाया मुख्य कोच

एजेंसी

अकरा : फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने बड़ा फैसला लेते हुए पुर्तगाल के अनुभवी मैनेजर कार्लोस क़्वीरोज को अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। घाना फुटबॉल एसोसिएशन (जीएफए) ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। 73 वर्षीय क़्वीरोज लगातार पांचवें वर्ल्ड कप में कोच के रूप में हिस्सा लेने जा रहे हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने पिछले महीने ओमान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था, जब टीम वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई। वर्ल्ड कप शुरू होने से महज 72 दिन पहले घाना की टीम बिना कोच के रह गई थी, जब ऑस्ट्रिया और जर्मनी के खिलाफ मार्च में हुए फ्रेंडली मुकाबलों में हार के बाद ओटो अडो से रास्ते अलग कर लिए गए थे। जीएफए ने अपने बयान में कहा, कार्यकारी परिषद ने सभी प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर कार्लोस क़्वीरोज को सीनियर राष्ट्रीय टीम ब्लैक स्टार्स का मुख्य कोच नियुक्त किया है। क़्वीरोज का कोचिंग करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 2010 वर्ल्ड कप में पुर्तगाल को प्री-क्वार्टरफाइनल (राउंड ऑफ 16) तक पहुंचाया था। इसके बाद उन्होंने ईरान की टीम को लगातार तीन वर्ल्ड कप में कोचिंग दी, जहां टीम ने 13 मैचों में 3 जीत दर्ज की। मोजाम्बिक में जन्मे क़्वीरोज पूर्व गोलकीपर भी रह चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में मिस्र, जापान, कोलंबिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों को भी कोचिंग दी है, जबकि 1990 के दशक की शुरूआत में पुर्तगाल टीम का भी नेतृत्व किया। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में घाना को ग्रुप एल में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला क्रोएशिया, इंग्लैंड और पनामा जैसी मजबूत टीमों से होगा। अब क़्वीरोज के अनुभव के दम पर घाना टीम बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है।

यूएसपीएल का चौथा सीजन 20 नवंबर से, फ्लोरिडा करेगा मेजबानी

एजेंसी

फ्लोरिडा : यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) का चौथा सीजन एक बार फिर धमाकेदार अंदाज में वापसी के लिए तैयार है। यह टूर्नामेंट 20 नवंबर से 5 दिसंबर 2026 तक फ्लोरिडा के प्रतिष्ठित ब्रॉवर्ड काउंटी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। लीग प्रबंधन ने इस सीजन में दो नई फ्रेंचाइजी जोड़ने की भी योजना बनाई है, जिससे प्रतियोगिता और अधिक रोमांचक हो जाएगी। यूएसपीएल के संस्थापक और चेयरमैन जयदीप सिंह ने लीग की वापसी पर कहा, यूएसपीएल अपने चौथे सीजन के साथ विस्तार के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। इस वर्ष हम दर्शकों को आकर्षित करने के लिए मनोरंजन के नए आयाम जोड़ेंगे। कई नई साझेदारियां और बड़े ऐलान जल्द किए जाएंगे। हमें खिलाड़ियों और क्रिकेट समुदाय से जबरदस्त समर्थन मिला है और हम आगे भी उभरते प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मंच देते रहेंगे। यह सीजन क्रिकेट के त्योहार जैसा होगा, जिसमें दुनियाभर के बड़े नाम और अमेरिका के बेहतरीन खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यूएसपीएल सीजन 4, पिछले सीजन की जबरदस्त सफलता के बाद आयोजित हो रहा है। सीजन 3 में न्यूयॉर्क काउबॉयज ने फाइनल में मैरीलैंड मैवरिक्स को 7 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था। यह मुकाबला भी ब्रॉवर्ड काउंटी स्टेडियम में ही खेला गया था। पिछले सीजन में कई अंतरराष्ट्रीय और अमेरिकी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिनमें से कई ने भारत और श्रीलंका में आयोजित आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में भी अमेरिका का प्रतिनिधित्व किया। अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल और तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर ने लीग के प्रदर्शन को विश्व कप तक जारी रखा, जबकि ऑलराउंडर शैडली वैन शाल्कविक ने भी अपनी छाप छोड़ी। इसके अलावा आरोन जोन्स और भारत के पूर्व अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद ने भी टूर्नामेंट का स्तर ऊंचा किया। न्यूयॉर्क काउबॉयज के कप्तान जेक लिंटॉट सीजन 3 के सबसे बड़े हीरो साबित हुए, जिन्होंने फाइनल में मैच जिताऊ प्रदर्शन कर टीम को चैंपियन बनाया। नए टीमों के जुड़ने, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी और संस्थागत समर्थन के साथ यूएसपीएल सीजन 4 हाई-वोल्टेज टी20 क्रिकेट का वादा करता है। यह लीग अमेरिका में क्रिकेट को मुख्यधारा का खेल बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभा रही है।

ओल्ड ट्रैफर्ड में 45 साल बाद लीड्स यूनाइटेड की ऐतिहासिक जीत, मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराया

एजेंसी

मैनचेस्टर : इंग्लिश प्रीमियर लीग में सोमवार रात बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहां लीड्स यूनाइटेड ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी मैनचेस्टर यूनाइटेड को उनके घरेलू मैदान ओल्ड ट्रैफर्ड पर 2-1 से हराकर इतिहास रच दिया। 45 साल में यह पहली बार है जब लीड्स ने ओल्ड ट्रैफर्ड में जीत दर्ज की। मैच के हीरो नोआ ओकाफोर रहे, जिन्होंने दो शानदार गोल दागकर टीम को यादगार जीत दिलाई। लीड्स ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और यूनाइटेड को दबाव में रखा। पहले हाफ में ओकाफोर का दबदबा मैच की शुरूआत में ही डॉमिनिक कैल्वर्ट-लेविन को मौका मिला, लेकिन गोलकीपर सेने लैमेंस ने शानदार बचाव किया। इसके बाद ओकाफोर ने क्रॉस पर गोल कर लीड्स को बढ़त दिलाई। 29वें मिनट में ओकाफोर ने दूसरा गोल किया, जब बॉक्स के बाहर से लिया गया उनका शॉट लेनी योरो से डिफ्लेक्ट होकर गोल में चला गया। दूसरे हाफ में मैनचेस्टर यूनाइटेड को बड़ा झटका लगा, जब लिसांद्रो मार्टिनेज को 56वें मिनट में रेड कार्ड दिखाया गया। उन्होंने डॉमिनिक कैल्वर्ट-लेविन के बाल खींचे, जिसके बाद वीएआर रिव्यू में फैसला उनके खिलाफ गया। 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही यूनाइटेड के लिए कैसेमिरो ने 69वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडिस के क्रॉस पर गोल कर टीम को वापसी की उम्मीद दी। इसके बाद यूनाइटेड ने बराबरी के लिए पूरी कोशिश की, लेकिन मैनुएल उगार्ते का प्रयास भी ब्लॉक हो गया और लीड्स की डिफेंस ने जीत सुरक्षित रखी। इस हार के बावजूद मैनचेस्टर यूनाइटेड 55 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है, जबकि लीड्स यूनाइटेड 36 अंकों के साथ 15वें स्थान पर पहुंच गया है और रेलिगेशन जोन से दूरी बना ली है।

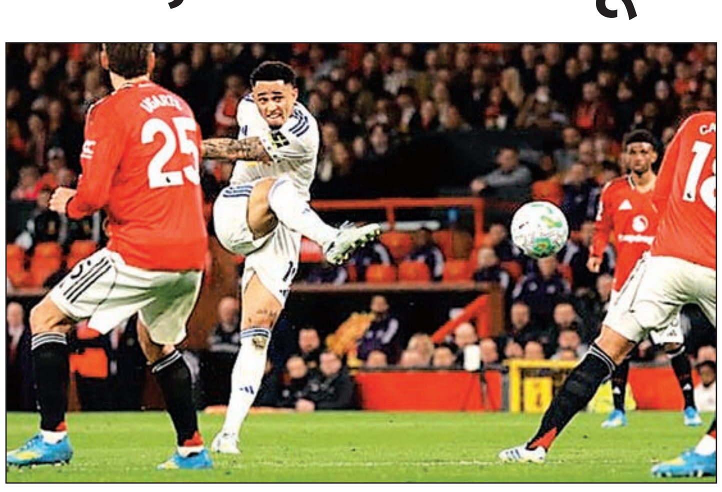

संक्षिप्त खबरें

आईपीएल डेब्यू में साकिब हुसैन का जलवा : 4 विकेट लेकर चमके बिहार के युवा तेज गेंदबाज

नई दिल्ली : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बिहार के युवा तेज गेंदबाज साकिब हुसैन ने अपने डेब्यू मैच में शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उनके इस प्रदर्शन पर बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के अध्यक्ष हर्षवर्धन ने खुशी जताते हुए इसे बिहार क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण बताया। हर्षवर्धन ने कहा कि साकिब का प्रदर्शन यह दर्शाता है कि बिहार के खिलाड़ियों में बड़े मंच पर बेहतरीन प्रदर्शन करने की पूरी क्षमता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि साकिब भविष्य में भी इसी तरह निरंतर अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे। गोपालगंज जिले से आने वाले साकिब हुसैन ने सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए अपने पहले ही आईपीएल मैच में शानदार गेंदबाजी की। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट झटके और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। बीसीए के सचिव जियाउल अरफीन ने भी साकिब के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह पूरे बिहार क्रिकेट के लिए गर्व का पल है। उन्होंने कहा कि साकिब की मेहनत और समर्पण युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस मैच में साकिब हुसैन ने यशस्वी जायसवाल, डोनोवन फरेरा, जोफ्रा आर्चर और रवि बिश्नोई जैसे प्रमुख बल्लेबाजों को आउट कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाले साकिब हुसैन का यह सफर काफी प्रेरणादायक रहा है। उनकी कड़ी मेहनत और अनुशासन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है, जो बिहार में क्रिकेट के बढ़ते ढांचे और अवसरों को भी दर्शाता है। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने साकिब हुसैन को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

चैंपियंस लीग : यूईएफए ने हैंडबॉल हैंडबॉल विवाद पर बार्सिलोना की शिकायत को खारिज किया

बार्सिलोना : यूरोपीय फुटबॉल की शीर्ष संस्था यूईएफए ने चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में हुए हैंडबॉल विवाद को लेकर बार्सिलोना की शिकायत को खारिज कर दिया है। यह फैसला एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ दूसरे चरण के मुकाबले से कुछ घंटे पहले आया है।अब इस फैसले के बाद बार्सिलोना को दूसरे चरण के मुकाबले में वापसी के लिए कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। पहले चरण में डिएगो सिमियोने की अगुवाई वाली एटलेटिको मैड्रिड ने कैंप नोउ में बार्सिलोना को 2–0 से हराया था। इस मुकाबले में एक विवादित घटना सामने आई थी, जब एटलेटिको के डिफेंडर मार्क पबिल ने गेंद को हाथ से छुआ, जबकि ऐसा लग रहा था कि गोल किक उन्हें पास की गई थी। बार्सिलोना ने इस घटना को लेकर कड़ी आपत्ति जताते हुए पेनल्टी नहीं दिए जाने को बड़ी गलती बताया था और दावा किया था कि इस निर्णय का मैच के नतीजे पर असर पड़ा। क्लब इस बात से भी नाराज था कि रेफरी इस्तवान कोवाक्स को वीएआर टीम द्वारा इस घटना की समीक्षा करने के लिए नहीं कहा गया। यूईएफए ने अपने बयान में कहा, पहले चरण के बाद बार्सिलोना ने रेफरी के एक निर्णय को लेकर विरोध दर्ज कराया था। 13 अप्रैल 2026 को यूईएफए की नियंत्रण, नैतिकता और अनुशासन समिति ने इस विरोध को अस्वीकार्य घोषित कर दिया।

सचिवालय सुपर लीग 2026 : डेंजर और सचिवालय ए ने दर्ज की शानदार जीत

देहरादून : सचिवालय सुपर लीग 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में आज रोमांचक खेल देखने को मिला, जहां सचिवालय डेंजर और सचिवालय ए ने अपने–अपने मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले मुकाबले में सचिवालय डेंजर का सामना स्पार्टन से हुआ। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए डेंजर ने निर्धारित 20 ओवर में 157 रन बनाए। टीम के लिए फाजिल ने सर्वाधिक 38 रन की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्पार्टन की टीम दबाव में नजर आई और पूरी टीम 96 रन पर सिमट गई। सौरभ नेगी ने 36 रन बनाकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। गेंदबाजी में वीरेंद्र रावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट झटके। डेंजर ने यह मुकाबला 61 रन से अपने नाम किया। फाजिल को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे क्वार्टर फाइनल में हरिकेन और सचिवालय ए के बीच मुकाबला खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए हरिकेन ने 7 विकेट खोकर 153 रन बनाए, जिसमें आशीष रावत ने 43 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में आशुतोष विमल और तुलसी प्रसाद पचौली ने 2–2 विकेट हासिल किए। जवाब में सचिवालय ए ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए महज 15 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम के लिए सागर ने बेहतरीन शतक जड़ते हुए 106 रन की नाबाद पारी खेली। उनकी इस पारी की बदौलत टीम ने मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया। सागर को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। दोनों मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन के साथ विजेता टीमों ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

डीआरएम कप : एमआईसी बी ने जीता उद्घाटन मुकाबला

प्रयागराज : एमआईसी बी ने डीएसए गर्ल्स टीम को 129 रन से हराकर डीआरएम कप अंडर 14 कलर ड्रेस क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला अपने नाम किया। विजेता टीम के प्रांजल सिंह (124 रन, 70 गेंद) एवं मोहम्मद अली (121 रन, 74 गेंद) ने शतक बनाये। पराजित टीम की खुशबू यादव (73 रन एवं एक विकेट) का प्रदर्शन व्यर्थ हो गया। डीएसए मैदान पर सोमवार रात शुरू हुई प्रतियोगिता के पहले मैच में एमआईसी बी ने 25 ओवर में दो विकेट पर 264 रन (प्रांजल सिंह 124, मोहम्मद अली 121) बनाए। जवाब में डीएसए गर्ल्स टीम 25 ओवर में 7 विकेट पर 135 रन (खुशबू यादव 73, शिवानी मौर्या 21, अंशिका यादव 14 व अन्य) बना सकी। इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। एडीआरएम धनंजय सिंह एवं सीनियर डीटीआरडी वीरेंद्र वर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। मंडल खेलकूद अधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन जावेद अहमद ने किया। इस मौके पर मंडल खेल सचिव धर्मेंद्र कुमार निषाद, सुशील ओझा, नितिन सिब्बल, राकेश मिश्र, सुरेश शर्मा, अभिषेक मिश्र आदि मौजूद रहे।

एक नजर

द्रमुक के शासन में सांस्कृतिक राजधानी 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही : जेपी नड्डा

चेन्नई : केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को यहां कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम एक परिवारवादी पार्टी है जिसके शासन में चेन्नई एक सांस्कृतिक राजधानी से 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही है जो पूरे देश के लिए चिंता का विषय है। श्री नड्डा ने तमिलनाडु की राजधानी में पुथांडु और डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के शुभ अवसर पर तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपना दृष्टिपत्र 'कमल के वादे 2026' को जारी करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने राज्य की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा, "हम भारतीयों को तमिलनाडु पर बहुत गर्व है क्योंकि यह दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक का उद्गम स्थल है लेकिन मौजूदा द्रमुक सरकार के शासन में यह सांस्कृतिक राजधानी 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। श्री नड्डा ने कहा कि जब वह वंशवादी परिवार की बात करते हैं तो यह एक परिवार की ओर से संचालित पार्टी है जहां स्टालिन शीर्ष पर हैं, उदयनिधि उत्तराधिकारी हैं, कनिमोझी सहयोगी हैं। उन्होंने सवाल किया कि पार्टी इसी तरह चलती है यह पारिवारिक शासन है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में की अंतरिम बढ़ोतरी, 1 अप्रैल से हुई लागू

नोएडा : जनपद गौतमबुद्ध नगर में श्रमिकों के प्रदर्शन के चलते औद्योगिक सामंजस्य एवं शांति बनाए रखने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार ने न्यूनतम वेतन में तात्कालिक रूप से अंतरिम वृद्धि कर दी है। जिसमें सबसे अधिक बढ़ोतरी कुशल श्रेणी के श्रमिकों के लिए की गई है। यह वृद्धि गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद जिलों में सबसे अधिक 21 प्रतिशत तक की गई है। सरकार ने यह नई अंतरिम वेतन दरें एक अप्रैल 2026 से ही प्रभावी होंगी। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश गठित उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष व अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार ने मंगलवार को ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के आफिस में एक प्रेस वार्ता कर उक्त जानकारी दी। दीपक कुमार ने हाल में हुए घटनाक्रमों पर स्थिति स्पष्ट करते हुए जानकारी साझा करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर उत्तर प्रदेश सरकार ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाया गया हे। उन्होंने बताया कि इस अंतरिम वेतन वृद्धि के अनुसार अकुशल श्रमिकों का वेतन 11313 से बढ़ाकर 13690 रुपए कर दिया गया है। अर्द्ध कुशल श्रमिकों का वेतन 12,445 से बढ़ाकर 15059 रुपए किया गया है, जबकि कुशल श्रमिकों का वेतन 13940 से बढ़ाकर 16868 किया गया है। उन्होंने बताया कि अन्य नगर निगम वाले जनपदों के लिए अकुशल श्रमिकों का वेतन 11,313 से बढ़ाकर 13006 रुपए, अर्द्धकुशल श्रमिकों का वेतन 12,445 से बढ़ाकर 14306 रुपये तथा कुशल श्रमिकों का वेतन 13940 से बढ़ाकर 16025 रुपए कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार अन्य जनपदों के लिए अकुशल श्रमिकों का वेतन 11,313 से बढ़ाकर 12356 रुपए, अर्द्धकुशल श्रमिकों का वेतन 12445 से बढ़ाकर 13591 रुपए तथा कुशल श्रमिकों का वेतन 13940 से बढ़ाकर 15224 रुपए कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने श्रमिकों को सीधी आर्थिक राहत दी गई है।

उत्तराखंड से मानसरोवर की यात्रा जल्द कर सकेंगे श्रद्धालु, दो सौ किमी सड़क निर्माण पूरा : गडकरी

एजेंसी

देहरादून : केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल और चीन से होकर जाना पड़ता था, लेकिन अब 52 सौ करोड़ रुपए की लागत से टनकपुर-पिथौरागढ़ होकर लिपुलेख तक मार्ग बनाया जा रहा है। 370 किमी लंबे इस प्रोजेक्ट में से करीब 200 किमी.का कार्य पूरा हो चुका है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मंगलवार को दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कररहे थे। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने उत्तराखंड में चल रही विकास परियोजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि उत्तराखंड में करीब 1.30 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं

पर कार्य जारी है। सहारनपुर बाईपास से हरिद्वार तक 51 किलोमीटर छह लेन सड़क का उद्घाटन जून में होगा, जबकि 1650 करोड़ रुपये की लागत से पौंटा साहिब से देहरादून फोरलेन मार्ग अगले महीने तक शुरू हो जाएगा। दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर राज्य के विकास को नई गति देगा। उन्होंने बताया कि 16 सौ करोड़ रुपये की लागत से हरिद्वार ग्रीनफील्ड बाईपास फेज-1 अक्टूबर 2026 तक पूरा होगा, जिससे हरिद्वार और ऋषिकेश में जाम की समस्या कम होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसी तरह 12 हजार करोड़ की लागत से निमार्णाधीन 825 किमी लंबी चारधाम सड़क परियोजना में 640 किमी.का काम पूरा हो चुका है। बताया कि 11 सौ करोड़ रुपये की लागत से ऋषिकेश बाईपास परियोजना को मंजूरी मिल चुकी है, जिस पर अगस्त तक काम शुरू होगा। इसके अलावा 1050 करोड़ रुपये की लागत से 21 किमी लंबा रुद्रपुर फोरलेन बाईपास इस साल अक्टूबर तक और 936 करोड़ रुपये की लागत से 15 किमी लंबा काशीपुर बाईपास दिसंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 716 करोड़ रुपये की लागत से 12 किमी लंबा देहरादून-झाझरा-आशारोड़ी एलिवेटेड रोड अगले वर्ष अप्रैल तक और 745 करोड़ रुपये की लागत से भानियावाला-जौलीग्रांट से ऋषिकेश फोरलेन मार्ग अप्रैल 2028 तक पूरा होगा। साथ ही 8 सौ करोड़ रुपये की लागत से श्रीनगर में टू-लेन बाईपास की डीपीआर तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि 13 सौ करोड़ की लागत से रुद्रप्रयाग से गौरीकुंड तक सड़क कार्य दिसंबर 2026 से शुरू होगा। इसके साथ-साथ गंगोत्री धाम जाने के लिए 142 किमी का काम पूरा हुआ है और बाकी 100 किमी. का काम चरणबद्ध तरीके से हो रहा है। यमुनोत्री धाम में 25 सौ करोड़ की लागत से धरासू से यमुनोत्री तक 46 किमी. का काम पूरा हो चुका है और 30 किमी. का काम अप्रैल, 2028 तक पूरा हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार सोनप्रयाग-केदारनाथ रोपवे और गोंविदघाट से हेमकुंड साहिब पर भी काम कर रही है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति समेत कई नेताओं ने डॉ अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत कई नेताओं ने भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष रहेबाबासाहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 136वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति मुर्मु ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि बाबासाहब अंबेडकर विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, प्रखर चिंतक, न्यायविद और समतामूलक समाज व्यवस्था के सशक्त प्रवक्ता थे। उन्होंने समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए आजीवन संघर्ष किया और उनके हित में ऐतिहासिक योगदान दिया। उन्होंने न केवल असमानताओं को दूर करने का मार्ग दिखाया, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक अधिकारों को सुदृढ़ करने में भी अग्रणी भूमिका निभाई। बाबासाहब ने महिलाओं की शिक्षा और उनके अधिकारों को प्राथमिकता दी। उनका बहुआयामी योगदान भावी पीढ़ियों को देश की सेवा और विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता रहेगा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति भवन में बाबासाहेब डॉ. बीआर अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि बाबासाहेब का संपूर्ण जीवन सदैव राह दिखाता रहेगा। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर ने हर वर्ग को समान अधिकार और अवसरों की स्वतंत्रता देने वाला संविधान देकर हमारे लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी। उन्होंने देश की अखंडता के लिए अनुच्छेद 370 का मजबूती से विरोध किया।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने पेश किया 'गारंटीड पेंशन प्लान'

एजेंसी

नयी दिल्ली : यूएनडीपी की 2025 मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लोगों की जीवन प्रत्याशा 1990 में 58.6 साल से बढ़कर 2023 में 72 साल हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि सरकार के 'भारत में बुजुर्गों' के डेटा से पता चलता है कि वर्ष 2036 तक हर सात में से एक भारतीय व्यक्ति की उम्र 60 साल या उससे ज्यादा होगी। ये आंकड़ें भारत में बेहतर होती स्वास्थ्य सेवाओं का संकेत देते हैं, लेकिन बढ़ती उम्र के साथ आने वाली चुनौतियों के बारे में भी हर व्यक्ति को जागरूक रहना जरूरी है। जैसे-जैसे लोगों की उम्र बढ़ रही है, उन्हें अपने रिटायरमेंट के दौरान बढ़ते खर्च और तेजी से बढ़ती मेडिकल महँगाई का सामना करना पड़ेगा। इस चुनौती को समझते हुए और रिटायरमेंट प्लानिंग को आसान बनाने के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने आईसीआईसीआई प्रू गारंटीड पेंशन प्लान फ्लेक्सी तैयार किया है, जो ग्राहकों को अपने रिटायरमेंट की प्लानिंग अच्छे से करने में मदद करता है। इस प्लान में व्यक्ति धीरे-धीरे पैसा जमा करके अपनी जरूरत के अनुसार एक अच्छी बचत बना सकते हैं। इसके बाद आपको जीवनभर के लिए निश्चित नियमित आय मिलती है, जो रिटायरमेंट में सबसे जरूरी होती है। इसकी खास बात यह है कि आपको मिलने वाली आय की दर प्लान लेते समय ही तय हो जाती है, इसलिए बाद में बाजार के उतार-चढ़ाव का इस पर कोई असर नहीं पड़ता। प्लान के बारे में बताते हुए विकास गुप्ता, चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस, ने कहा, "रिटायरमेंट प्लानिंग की सबसे बड़ी जरूरत होती है जीवनभर के लिए निश्चित आय। आईसीआईसीआई प्रू गारंटीड पेंशन प्लान फ्लेक्सी इसी जरूरत को पूरा करने के लिए एक आसान और लचीले तरीके से बनाया गया है। इस प्लान में ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 7 तरह के विकल्प दिए गए हैं। खास बात यह है कि इसमें 'जॉइंट लाइफ' के साथ 'वेवर ऑफ प्रीमियम' का विकल्प भी मिलता है। इसका मतलब है कि यदि पहले पॉलिसीधारक की मृत्यु हो जाती है, तो आगे के सभी प्रीमियम कंपनी खुद भरती है और तय की गई आय दूसरे व्यक्ति को मिलती रहती है, जिससे परिवार की आर्थिक सुरक्षा बनी रहती है।

अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा में लाना ही सच्ची राष्ट्रसेवा : द्रौपदी मुर्मू

एजेंसी

गांधीनगर : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ना ही सच्ची राष्ट्रसेवा है। वह गुजरात के गांधीनगर स्थित लोकभवन में डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित "सामाजिक समरसता महोत्सव" कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। कार्यक्रम में राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी तथा गृह मंत्री हर्ष संघवी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। राष्ट्रपति मुर्मु ने डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल भारतीय संविधान का निर्माण किया, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखी। उन्होंने भगवान बुद्ध के "भवतु सब्ब मंगलम्" सिद्धांत का उल्लेख करते

हुए कहा कि बाबा साहब ने समतामूलक समाज की स्थापना के लिए व्यापक जनजागरण किया। राष्ट्रपति ने शिक्षा, सामाजिक समरसता और आत्मनिर्भरता को राष्ट्र निर्माण के प्रमुख आधार बताते हुए कहा कि "शिक्षित बनो" का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा को संविधान में मौलिक अधिकार का दर्जा दिया गया है और विशेष रूप से वंचित तथा पिछड़े वर्गों के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नैतिक शिक्षा के माध्यम से समाज में भाईचारे और समरसता को मजबूत करने पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और समरस समाज का निर्माण समरस गांवों के बिना संभव नहीं है। गांवों में आज भी सामाजिक सौहार्द और पारस्परिक सहयोग की भावना देखने को मिलती है, जो भारतीय संस्कृति की पहचान है। जब गांव आत्मनिर्भर और सुविधायुक्त बनेंगे, तभी भारत वास्तविक रूप से विकसित राष्ट्र बनेगा। अपने संबोधन में राष्ट्रपति भावुक भी हुईं और अपने पिता की सीख का उल्लेख करते हुए कहा कि व्यक्ति चाहे कितना भी बड़ा क्यों न बन जाए, उसे हमेशा यह देखना चाहिए कि कोई जरूरतमंद पीछे न छूट जाए। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत सफलता तभी सार्थक है, जब वह समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान में योगदान दे। उन्होंने गुजरात के डेयरी क्षेत्र और पशुपालकों की सराहना करते हुए कहा कि भारत आज विश्व में दुग्ध उत्पादन में अग्रणी है, जिसमें गुजरात की महत्वपूर्ण भूमिका है। साथ ही उन्होंने ओडिशा में अपने मंत्री कार्यकाल के दौरान किए गए 'गौ-मित्र' जैसे प्रयासों का भी उल्लेख किया। राष्ट्रपति ने अंत में सभी से स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों को अपनाकर समरस और सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

महिला आरक्षण पर संसद में चर्चा से पहले प्रधानमंत्री का पत्र, देश की नारी शक्ति से मांगा समर्थन

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को महिला आरक्षण को लेकर संसद में प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन से पहले देश की नारी शक्ति को संबोधित करते हुए एक विस्तृत पत्र लिखा है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पत्र साझा करते हुए कहा कि देशभर की माताएं, बहनें और बेटियां वर्ष 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव से महिला आरक्षण सुनिश्चित करने के निर्णय की सराहना कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि संविधान के समानता और समावेश के मूल्यों पर चलते हुए 16 अप्रैल से संसद में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर चर्चा शुरू होगी।

लक्ष्य और संकल्प के साथ किया गया परिश्रम बाधाओं को दूर करता है : ओम बिरला

एजेंसी

नई दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को यहां कहा कि लक्ष्य और संकल्प के साथ किया गया परिश्रम न केवल बाधाओं को मिटाता है बल्कि सफलता का मार्ग भी खोलता है। ओम बिरला ने दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में लेडेक्स और आइकन एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित "एलीना और महान संविधान" पुस्तक लोकार्पण के दौरान यह बात कही। इसकी टैगलाइन 'बाल संविधानः बचपन से पढ़े संविधान तो देश बने महान' है जो इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ ने दी

है। इस पुस्तक श्रृंखला का उद्देश्य बचपन से ही बच्चों में संवैधानिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता पैदा करना है ताकि एक सशक्त और महान राष्ट्र का निर्माण हो सके। मुख्य अतिथि के रूप में बिरला ने कहा, "बाबासाहेब की यात्रा आने वाली पीढ़ी को हमेशा प्रेरणा देती रहेगी कि जीवन में कितनी ही विपरीत परिस्थितियां हों, कितनी भी चुनौतियां हों कितना भी घनघोर अंधेरा हो जब लक्ष्य और संकल्प के साथ काम किया जाता है तो चुनौतियां भी समाप्त होती हैं और अंधेरा भी समाप्त होता है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को रखते हुए संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में एक ऐसा संविधान बनाया जो हम सबका मार्गदर्शक है और दुनिया के संसदीय लोकतंत्र के लिए मार्गदर्शक है। अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र की आत्मा हमारा संविधान है। आज लोगों के जीवन को नैतिक अधिकार, न्याय का अधिकार देने का काम हमारे संविधान में निहित है। एक सामान्य अंतिम पड़ाव का व्यक्ति भी न्याय का समान अधिकार रखता है, मत का समान अधिकार रखता है और एक मानवीय जीवन जीने का अधिकार रखता है। ये समानता उनके जीवन का मूल रही क्योंकि उन्होंने असमानता देखी थी और यही भारत की ताकत बनी। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्षों के बाद आज समाज का कोई भी क्षेत्र चाहे वह विज्ञान हो, रक्षा हो या उद्योग महिलाओं के नेतृत्व से अछूता नहीं है। अब यह नेतृत्व क्षमता विधायी संस्थाओं तक पहुंच रही है, जो लोकतंत्र की परिपक्वता का प्रमाण है। मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि आर्थिक प्रतिबंध किसी भी देश के विकास में रुकावट है। हमारी पार्टी देश की चिंता करता है, जबकि अन्य पार्टियां पार्टी कुर्सी की।

संक्षिप्त खबरें

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकतंत्र में महिलाओं का बढ़ेगा योगदान : रक्षा खडसे

नई दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को ऐतिहासिक बताते हुए इसके समर्थन की अपील की है। पार्टी ने कहा है कि इस अधिनियम को लागू करने के लिए 16 अप्रैल से लोकसभा और राज्यसभा का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है। भाजपा मुख्यालय में मंगलवार को पत्रकार वार्ता में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्यमंत्री रक्षा खडसे ने कहा कि यह अधिनियम देश की नारी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए है। संसद और विधानमंडल में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जिससे निर्णय प्रक्रिया में उनका योगदान बढ़ेगा। पंचायतों और नगर निकायों में पहले से ही लगभग 50 प्रतिशत आरक्षण है और वहां महिलाएं सफलतापूर्वक नेतृत्व कर रही हैं। इसी तरह अब संसद और विधानमंडलों में भी महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी। खडसे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 से ही महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण पर जोर दिया है। उन्होंने लाल किले से महिलाओं के लिए योजनाओं की घोषणा की थी और उसके बाद प्रधानमंत्री आवास योजना में लगभग 72 प्रतिशत घर महिलाओं के नाम पर दिए गए। मुद्रा योजना और 'लखपति दीदी' जैसी पहलें भी महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में सहायक रही हैं। यह अधिनियम महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने की दिशा में सबसे बड़ा कदम है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि आज हर गांव में स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं और महिलाओं ने आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह अधिनियम केवल सीटें बढ़ाने का प्रयास नहीं है बल्कि नीति निर्माण में महिलाओं की निर्णायक भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प है। भाजपा प्रवक्ता शाजिया इलमी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो पार्टियां महिला सशक्तीकरण की बात करती हैं, वही इस कानून को टालने की कोशिश कर रही हैं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल क्यों नहीं चाहते कि देश की बेटियां और बहनें विधानसभा और संसद में 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व पाएं। सरकार की तैयारी पूरी है और यह कानून 2029 के चुनाव से लागू होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले भी इस मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कीं लेकिन अब जब सरकार इसे लागू करने जा रही है तो विपक्ष इसमें देरी करवाने की कोशिश कर रहा है।

गौपालन में गिरावट से बढ़ी कृषि लागत और उर्वरता संकट : नवल किशोर

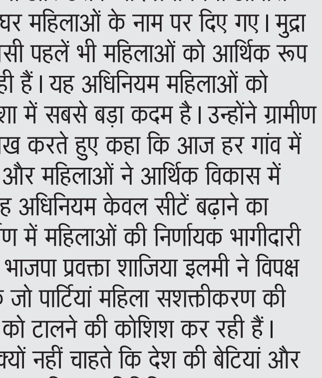

देहरादून : अखिल भारतीय सह संयोजक, गौ सेवा गतिविधि नवल किशोर ने कहा कि गौपालन में लगातार गिरावट के चलते किसानों की कृषि लागत बढ़ रही है और रासायनिक खादों पर निर्भरता बढ़ने से भूमि की उर्वरता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। गौवंश संरक्षण को केवल सरकारी जिम्मेदारी न मानते हुए इसे जनभागीदारी से जोड़ने की जरूरत है। अखिल भारतीय सह संयोजक, गौ सेवा गतिविधि नवल किशोर मंगलवार को यहां तिलक रोड पर आयोजित एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'गौवृत्ति परिवार' मॉडल को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान में देश में केवल करीब 15 प्रतिशत गौवंश ही किसानों के पास है, जबकि 85 प्रतिशत गायें गौशालाओं में सरकार और सामाजिक संस्थाओं के भरोसे हैं। इस व्यवस्था से सरकारी संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गौपालन समाज की जिम्मेदारी बने बिना स्थायी समाधान संभव नहीं है। नवल किशोर ने कहा कि गौपालन में आई गिरावट ने कृषि लागत बढ़ा दी है और रासायनिक खादों पर निर्भरता बढ़ाकर भूमि की उर्वरता को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने गौ-आधारित अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि जैविक खाद, पंचगव्य और अन्य गौ-उत्पाद किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक हो सकते हैं। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि प्राचीन भारत में गाय अर्थव्यवस्था की आधारशिला थी, लेकिन औपनिवेशिक नीतियों ने इस व्यवस्था को कमजोर कर दिया। अब समय आ गया है कि समाज फिर से इस परंपरा को मजबूत करे। बैठक में धार्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि गोपाष्टमी जैसे पर्व केवल आस्था नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के प्रतीक हैं। उन्होंने गौपूजा, गौकथा और जनजागरण अभियानों के जरिए इसे जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान किया। बैठक में उत्तराखंड गौसेवा संयोजक धर्मवीर, विभाग प्रचारक धन्नजय, विभाग कार्यवाह अरुण, जोत सिंह, ललित बडाकोटी, दीपेन्द्र त्रिपाठी सहित कई गणमान्य नागरिक और गौसेवा से जुड़े कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नोएडा में श्रमिकों का बवाल जारी कई जगह उग्र प्रदर्शन

नोएडा : जिला गौतमबुद्ध नगर में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर कई दिनों से चल रहा श्रमिकों का आंदोलन उग्र होता जा रहा है। मंगलवार 6वें दिन श्रमिकों ने नोएडा के कई इलाकों में पथराव और तोड़फोड़ कर बवाल किया। इसके साथ ही कई औद्योगिक इलाकों में फैक्टरियों के बाहर मजदूर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। तनाव के बीच तमाम औद्योगिक इकाइयों में कामकाज ठप है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दी गई राहत के बाद भी श्रमिकों का उग्र प्रदर्शन खत्म नहीं हो रहा है। इसके चलते नोएडा व ग्रेटर नोएडा के 80 प्रतिशत कंपनियां आज बंद रही हैं। श्रमिकों के आंदोलन के चलते उद्योगपति फैक्टरी या कंपनी खोलने से घबरा रहे हैं। आज भी कई जगहों पर श्रमिक हिंसक हो उठे। सेक्टर 70 में क्लियो काउंटी सोसाइटी के पास श्रमिकों ने पथराव कर तोड़फोड़ भी की है। श्रमिकों ने पुलिसकर्मियों को भी निशाना बनाया है। पुलिस ने किसी तरह स्थिति को काबू किया। नगर के सेक्टर 70 के अलावा सेक्टर 80 में भी सुबह श्रमिक बेहद उग्र दिखे। सेक्टर 80 में कई फैक्टरियों के बाहर जुटे प्रदर्शनकारियों ने कानून को हाथ में लेने की कोशिश की। हालांकि, पहले से सतर्क पुलिस ने स्थिति को ज्यादा बिगड़ने नहीं दिया। सेक्टर 70 में पथराव करने वाले 15 से अधिक लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि आज सुबह से ही विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि छुटपुट घटनाओं को छोड़कर शांति बनी हुई है। उन्होंने श्रमिकों से अपील किया है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने वेतन बढ़ोतरी और उनकी अन्य मांगों को मान लिया है। अब सभी शांतिपूर्वक काम पर लौट आएं। अपर पुलिस आयुक्त ने कहा कि उपद्रव करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है। सोमवार और आज हो रहे प्रदर्शन के दौरान उपद्रव करने वालों की पहचान वीडियो क्लिप के आधार पर पहचान कर गिरफ्तार किया जा रहा है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**